Ranchi ● Sunday, 07 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 347 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

सोलर मिशन आदित्य एल-1 पॉइंट पर पहुंचा, 126 दिन चला सफर, 5 साल सूर्य की स्टडी करेगा

सूर्य की स्टडी जरूरी क्यों?

जिस सोलर सिस्टम में हमारी पृथ्वी है, उसका केंद्र सूर्य ही है। सभी आठ ग्रह सूर्य के ही चक्कर लगाते हैं। सूर्य की वजह से ही पृथ्वी पर जीवन है। सूर्य से लगातार ऊर्जा बहती है। इन्हें हम चार्ज्ड पार्टिकल्स कहते हैं। सूर्य का अध्ययन करके ये समझा जा सकता है कि सूर्य में होने वाले बदलाव अंतरिक्ष को और पृथ्वी पर जीवन को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

SHARE

सेंसेक्स	:	72,026.15
निफ्टी	:	21,710.80

SARAFA

सोना	:	5,960
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

177 यात्रियों को लेकर उड़ रहे प्लेन का दरवाजा उखड़ा

NEW YORK : अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस की बोइंग 737-9 मैक्स फ्लाइट के साथ शनिवार को बड़ा हादसा होते-होते रह गया। पोर्टलैंड से कैलिफोर्निया के ओंटारियो जा रहा प्लेन टेकऑफ के बाद जब 16.32 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो विमान का दरवाजा टूटकर हवा में उड़ गया। यह प्लेन का इमरजेंसी एग्जिट डोर था। दरवाजा उखड़ने से बगल की सीट पर बैठे बच्चे की शर्ट फट गई। वहीं कुछ पैसेंजर के फोन भी हवा में उड़ गए। हालांकि बच्चे की मां ने उसे प्लेन से बाहर गिरने से बचा लिया।

देश में कोरोना के 774 नए मामले, 2 की मौत

NEW DELHI : देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 774 नए मामले सामने आए हैं और दो मरीजों की मौत हुई है। शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में 919 मरीज स्वस्थ हुए हैं। मौजूदा समय में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 4187 है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना से एक मरीज की मौत गुजरात में और एक मरीज की मौत तमिलनाडु में दर्ज की गई है।

उत्पाद भवन में आरोपी ने फंदे से झूलकर दी जान

RANCHI : गोंदा थाना क्षेत्र के कांके रोड स्थित उत्पाद भवन में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार की देर शाम हुई। अवैध शराब कारोबार मामले में उसे पकड़कर लाया गया था। जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति ने उत्पाद भवन के बाथरूम में जाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नितेश कुमार के रूप में हुई है। उसने कंबल को फाड़ कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले साल 2021 में भी एक व्यक्ति ने उत्पाद भवन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

अंतरिक्ष में भारत का धमाका, अब मालूम होगा क्यों इतना गर्म है सूरज

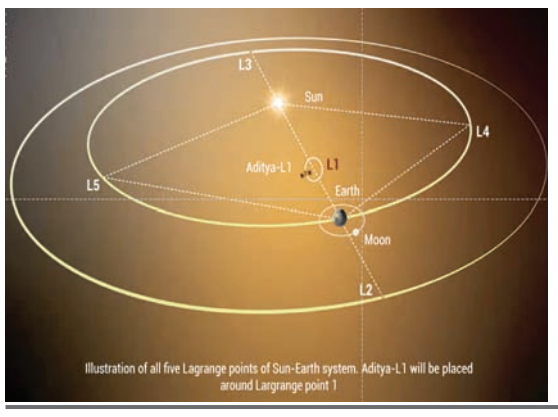

Illustration of all five Lagrange points of Sun-Earth system. Aditya-L1 will be placed around Largrange point 1

AGENCY BENGALURU : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला आदित्य एल-1 को पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर अपनी अंतिम गंतव्य कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। शनिवार को लगभग 4 बजे अंतरिक्ष यान को पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल 1) में स्थापित कर दिया गया। एल1 बिंदु पृथ्वी और सूर्य के बीच की कुल दूरी का लगभग एक प्रतिशत है। ये मिशन 5 साल का होगा। स्पेसक्राफ्ट में 440एन लिक्विड अपोजी मोटर (एलएएम) लगी है, जिसकी मदद से आदित्य एल-1 को हेलो ऑर्बिट में पहुंचाया गया। यह मोटर इसरो के मार्स ऑर्बिटर मिशन (एमओएम) में इस्तेमाल की गई मोटर के समान है। इसके अलावा आदित्य एल-1 में आठ 22एन थ्रस्टर और चार 10 एन थ्रस्टर हैं, जो इसके ओरिएंटेशन और ऑर्बिट को कंट्रोल करने के लिए जरूरी हैं। एल-1 अंतरिक्ष में ऐसा स्थान है, जहां पृथ्वी और सूर्य की गुरुत्वाकर्षण शक्तियां संतुलित होती हैं। हालांकि एल-1 तक पहुंचना और स्पेसक्राफ्ट को इस ऑर्बिट में बनाए रखना कठिन टास्क है। एल-1 का ऑर्बिटल पीरियड करीब 177.86 दिन है।

> भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की। भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य-एल1 अपने गंतव्य पर पहुंच गई है। यह सबसे जटिल और पेचीदा अंतरिक्ष अभियानों को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं इस असाधारण उपलब्धि की सराहना करने में राष्ट्र के साथ शामिल हूं। हम मानवता के लाभ के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।
>
>
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।

> गौरवपूर्ण क्षण! देश का सूर्य मिशन आदित्य एल 1 हेलो ऑर्बिट में स्थापित हो गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इसरो की पूरी टीम को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।
>
>
>
> - हेमंत सोरेन, सीएम।

₹1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में ईडी की कार्रवाई

सीएम के प्रेस सलाहकार समेत 3 को ईडी का समन

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में ईडी की कार्रवाई जारी है। ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद ईडी ने अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव और आर्किटेक्ट विनोद सिंह को समन भेजा है। मामला अवैध खनन से जुड़ा है। इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने साहिबगंज डीसी को 11 जनवरी, विनोद सिंह को 15 जनवरी और सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 16 जनवरी को ईडी ऑफिस में हाजिर होने को कहा है। इससे पहले ईडी इनके ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। 3 जनवरी की अहले सुबह अवैध खनन मामले में ईडी ने रांची के ही करीब आधा दर्जन ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था। रांची में रातू स्थित अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के आवास और विनोद सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की गई। अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू सीएम के प्रेस सलाहकार हैं। वहीं विनोद सिंह ग्रिड आर्किटेक्ट के मालिक हैं। इसके अलावा साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के आवासीय कार्यालय और हजारीबाग स्थित आवास पर भी ईडी ने छापेमारी की थी।

- अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू से 16 जनवरी को होगी पूछताछ
- साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को 15 जनवरी को को हाजिर हाने का निर्देश
- आर्किटेक्ट विनोद सिंह को 11 जनवरी को बुलाया

अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू।

रामनिवास यादव।

इन्हें भेजा गया समन

1. अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार
2. रामनिवास यादव, साहिबगंज डीसी
3. विनोद सिंह, आर्किटेक्ट

एक साथ 12 ठिकानों पर ईडी ने की थी छापेमारी

साहिबगंज में 1250 करोड़ के अवैध खनन और ईडी के गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने से जुड़े मामले में ईडी ने बीते तीन जनवरी को बड़ी कार्रवाई की थी। ईडी ने एक साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव, डीएसपी राजेंद्र दुबे, साहिबगंज के खनन कारोबारी खुदानिया बंधु, मुख्यमंत्री के दोस्त विनोद कुमार सिंह, रौशन सिंह, कोलकाता के कारोबारी अभय सरावगी, पूर्व विधायक पप्पू यादव, रांची के बिरसा मुंडा जेल के जमादार अवधेश कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान शेल कंपनियों के जरिए निवेश, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के साक्ष्य एजेंसी को मिले हैं। बरामदगी के आधार पर ही ईडी अब आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीसी के घर से मिली थीं 21 गोलियां

तीन जनवरी को हुई छापेमारी के दौरान साहिबगंज डीसी के घर से विभिन्न प्रकार की कुल 21 गोलियां और पांच खोखे मिले। वहीं, 36.99 लाख रुपये नकद जब्त किये गये। अब तक हुई जांच के दौरान साहिबगंज में 23.26 करोड़ घनफुट पत्थर के अवैध खनन की पुष्टि हुई है। अवैध खनन से निकाले गये इन पत्थरों का बाजार मूल्य 1250 करोड़ रुपये है। ईडी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि साहिबगंज उपायुक्त के घर से मिलीं 21 में से 19 गोलियां 9 एमएम की हैं। वहीं, दो गोली .380 बोर की है। इसके अलावा .45 बोर के पिस्टल की पांच खाली गोली (खोखा) मिली है।

साहिबगंज डीसी ने ईडी अधिकारी पर की थी रोब जमाने की कोशिश

मैं आइपीएस अफसर रहा हूं, मुझे कानून मत सिखाओ। तीन जनवरी को छापेमारी और पूछताछ के दौरान साहिबगंज डीसी राम निवास यादव ने ईडी के अधिकारी द्वारा पूछे सवाल के जवाब में तुनकते हुए ये बातें कही थीं। छापा मारने पहुंची ईडी के अफसर पर भी रोब जमाने की कोशिश की। हालांकि, ऑफिस से नकद और प्रतिबंधित हथियारों की गोलियां मिलने के बाद डीसी पस्त पड़ गये।

मौसम ने ली करवट, कोहरे की चादर में लिपटा झारखंड : राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। शुक्रवार को हुई वर्षा और शनिवार को दिनभर आंशिक बादल छाए रहने के कारण 12 बजे तक जहां कोहरा छाया रहा वहीं रांची के न्यूनतम तापमान में भी कमी दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार बंगाल की खाड़ी में उठे साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर झारखंड में भी दिख रहा है। सभी जिलों के तापमान में कमी दर्ज की गई है। वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि बादल छंटने के बाद एक बार फिर राज्य के लोगों को ठंड सताएगी।

टीपीसी ने ली कोयला कारोबारी अभिषेक की हत्या की जिम्मेवारी

संगठन का पैसा जमा नहीं करने पर की गई फौजी कार्रवाई

CRIME REPORTER RANCHI : रातू थाना क्षेत्र के पिर्रा में बीते चार जनवरी को कोयला कारोबारी अभिषेक श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के तीन दिन बाद टीपीसी उग्रवादी संगठन ने इसकी जिम्मेवारी ली है। टीपीसी संगठन ने कारोबारी अभिषेक की हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि, अभिषेक श्रीवास्तव को लगातार चेतावनी दिया दी जा रही थी। जो पैसा संगठन का खाकर बैठा हुआ है, उसे वापस करने के लिए बोला जा रहा था। इसके अलावा क्षेत्र में जो भी कोयला का काम कर रहा था। उसे बंद करने के लिए बोला जा रहा था, ना तो वह काम बंद कर रहा था, ना ही संगठन का पैसा वापस किया। जिस वजह से अभिषेक श्रीवास्तव पर फौजी कार्रवाई की गयी। पुलिस को पहले से शक था कि अभिषेक की हत्या के पीछे टीएसपीसी का हाथ है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जो भी उग्रवादी शामिल हैं जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। इस हत्याकांड में इरफान का नाम सामने आ रहा है। इरफान बालुमाथ का रहने वाला है। इरफान की तलाश में रांची पुलिस और बालुमाथ पुलिस छापेमारी कर ही है।

- रातू पुलिस ने इरफान गिरोह के तीन सदस्यों को लिया हिरासत में, चल रही है पूछताछ
- मृतक अभिषेक के घर की बढ़ाई गई सुरक्षा, भाई विवेक के साथ 24 घंटे रहता है गार्ड

नई गाइडलाइंस जारी, प्रोडक्ट के डिफेक्ट, खराब गुणवत्ता या गलत प्रोडक्शन के बारे में भी बताना होगा

खराब दवाएं वापस बुलाने पर ड्रग्स अथॉरिटी को बताना जरूरी

AGENCY NEW DELHI : स्वास्थ्य मंत्रालय ने फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए नई गाइडलाइंस का नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके तहत कंपनियां अगर किसी ड्रग को वापस बुलाती हैं, तो उन्हें लाइसेंसिंग अथॉरिटी को इसकी जानकारी देनी होगी। साथ ही प्रोडक्ट के डिफेक्ट, खराब गुणवत्ता या गलत प्रोडक्शन के बारे में भी बताना होगा। सरकार ने 28 दिसंबर को एक नोटिफिकेशन जारी करके कंपनियों को यह निर्देश दिया है। हालांकि मीडिया में यह जानकारी 5 जनवरी को आई। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के शेड्यूल एम के तहत फार्मास्युटिकल कंपनी के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस बताई गई हैं।

क्वालिटी के लिए फार्मा कंपनियां होंगी जिम्मेदार

इस नोटिफिकेशन में सरकार ने लिखा है कि मैन्युफक्चरर को अपने फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट की क्वालिटी के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी, ताकि यह तय किया जा सके कि वे जरूरी इस्तेमाल के लिए फिट हैं, लाइसेंस के लिए जिन चीजों की जरूरत होती है, उनका पालन किया गया है। यह भी मैन्युफैक्चरर की ही जिम्मेदारी होगी कि उनका प्रोडक्ट सेफ्टी या क्वालिटी में कमी के कारण पेशेंट की जिंदगी खतरे में तो नहीं डालता। इसमें यह भी कहा गया है कि कंपनियों को किसी प्रोडक्ट पर फाइनल या तैयार का लेबल तभी लगाना चाहिए, जब उसके टेस्ट में संतोषजनक नतीजे निकले हों और रिपीट टेस्टिंग या किसी बैच के वेरिफिकेशन के लिए फाइनल प्रोडक्ट के सैंपल की पर्याप्त क्वांटिटी रखी गई हो। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अगस्त में कहा था कि दिसंबर 2022 से 162 ड्रग फैक्ट्रियों के इंस्पेक्शन में ये पाया गया था कि कच्चे माल की टेस्टिंग नहीं की जा रही थी। भारत की 8,500 छोटी ड्रग फैक्ट्रियों में से एक-चौथाई से भी कम वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के तय किए गए इंटरनेशनल ड्रग मैन्युफैक्चरिंग स्टैंडर्ड पर खरी उतरी थीं।

नए नोटिफिकेशन में सरकार ने इस शेड्यूल एम में नई गाइडलाइन्स जोड़ी हैं। दरअसल, 2022 में भारत में बनी दवाओं से विदेश में कई लोगों की जान गई थी। इसके चलते केंद्र सरकार ने फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री की स्क्रूटनी बढ़ाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारतीय फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री 50 अरब डॉलर की है। नई गाइडलाइंस में इस बात पर स्ट्रेस दिया गया है कि छोटी कंपनियों को ग्लोबल स्टैंडर्ड पर लाने के लिए यहां बनने वाली दवाओं की टेस्टिंग भी दुनियाभर के मौसम के मुताबिक होनी चाहिए। गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि कंपनियों को ऐसी क्वालिटी की दवाएं बनानी चाहिए जो दुनियाभर में मंजूर हो। साथ ही तैयार प्रोडक्ट को तभी बाजार में उतारा जाना चाहिए, जब सभी टेस्ट में संतोषजनक नतीजे निकले हों। नोटिफिकेशन में कहा गया कि बड़ी फार्मा कंपनियों को छह महीने के अंदर जबकि छोटी फार्मा कंपनियों को एक साल के अंदर इन चिंताओं पर जवाब देना होगा।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा का लोगो लॉन्च

NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का लोगो लॉन्च किया। इस लोगो के दो हिस्से हैं। जिस पर लिखा है श्भारत जोड़ो न्याय यात्रा, न्याय का हक मिलने तकश्। लोगो को लॉन्च करने के वक्त खड़गे के साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी नेता जयराम रमेश व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान खड़गे ने कहा कि यह यात्रा जनता को न्याय दिलाने व उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से हम जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। खड़गे ने कहा कि हम महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत,अमीर-गरीब के बीच में बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण करेंगे। यात्रा के दौरान राहुल गांधी समाज के विभिन्न वर्गों से, संगठनों से बात करेंगे और उनकी समस्याओं के समाधानों पर विचार-विमर्श करेंगे।

राहुल की न्याय यात्रा में शामिल होंगे हेमंत सोरेन

PHOTO NEWS RANCHI :

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 14 जनवरी को मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू हो रही है। कई प्रदेशों से होते हुए यह यात्रा फरवरी के पहले सप्ताह में झारखंड में प्रवेश करेगी। लिहाजा झारखंड कांग्रेस अभी से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को झारखंड में ऐतिहासिक बनाने में जुट गई है। इस संबंध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होने का न्योता भी दिया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने की सहमति भी दे दी है। संभव है कि संथाल के किसी जिले में न्याय यात्रा के सहभागी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बनेंगे। राकेश सिन्हा ने कहा कि राज्य के 13 जिलों से उनके नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा होगी। ये यात्रा किस किस जिले से होकर गुजरेगी इसका रूट चार्ट अभी दिल्ली से नहीं आया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के रूट चार्ट मिलने के बाद राजद, जदयू, आप, लेफ्ट एवं अन्य सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बैठक की जाएगी।

सिंराई घाटी की जीवन रेखा कमल गंगा नदी

घुमक्कड़ की पाती नदियों और पहाड़ों का अपना एक अनोखा गठजोड़ है। ऐसा लगता है कि दोनों ही एक-दूसरे के लिए बने हों। ना तो नदी पहाड़ का साथ छोड़ती है ना पहाड़ नदी का साथ छोड़ते हैं। पुरोला में कमल नदी बहती है। स्थानीय लोग इस नदी को ह्यकमोल्डह्ल नाम से पुकारते हैं। कहते हैं कि कमल नदी हमारी जीवन रेखा है। पुरोला से निकलते वक़्त नदी की खूबसूरती पर एक नजर पड़ी थी। लेकिन अब इसके साथ बात करने और थोड़ा समय व्यतीत करने का मन हुआ। कुछ बच्चों ने बताया कि वैसे तो नदी सात किमी दूर है लेकिन ट्रेक करके जाएंगे तो दो से तीन किमी। ट्रेकिंग हमेशा से ही मुझे अच्छी लगती है। इसलिए मैंने ट्रेकिंग करके जाने की बात को ज्यादा तरजीह दी और रात को ही प्लान बन गया था कि कल क्लास खत्म होने के बाद हम लोग कमल गंगा चलेंगे। दिन में हमने बच्चों की पोएट्री वर्क शॉप की। साहित्य और कविता लेखन के बारे में बताया। कविताएं कलेक्ट की और दोपहर लंच के पश्चात कमल नदी को देखने के लिए निकल पड़े।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

इस सफर में कुछ छात्र भी साथ थे जो वहां के स्थानीय गांव में ही रहते थे और उस जगह का उन्हें पूरा का पूरा अंदाजा था कि कैसे नीचे पहुंचना है। उन्हीं से मुझे पता चला कि यह नदी कोई ग्लेशियर से निकलने वाली नहीं है, यह कमलेश्वर स्थित जंगल के बीच एक प्राकृतिक जल स्रोत से निकलती है जो सदाबहार जलधारा है। यह जलधारा कमल नदी के रूप में लगभग 30 किमी बहकर नौगांव के पास यमुना में संगम बनाती है। यह जानकर मेरे अंदर नदी को देखने की उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई। लेकिन वहां तक जाने का कोई रास्ता नहीं था। हमें एक अंदाज के सहारे धुनगिर की सीधी पहाड़ी से नीचे की तरफ उतरना था। ऐसे कूद-कूदकर जाना है यह जानकर मेरी हिम्मत जवाब दे रही थी लेकिन सामने सीढ़ीदार खेत इतने खूबसूरत लग रहे थे कि कदम बरबस ही आगे बढ़ते गए।

एक दो बार लड़खड़ाए तो मैं पेड़ों और झाड़ियों की मदद लेकर चलने लगा। वह पहाड़ी लड़का जो सबसे आगे चल रहा था उसने बताया कि सर यह पत्थर बहुत ही भरोसेमंद होते हैं। अगर आपको पहाड़ चढ़ना है तो सबसे ज्यादा भरोसा इन पत्थरों पर करना होगा। यह आपके विश्वास को कभी नहीं तोड़ेंगे। इसलिए हाथ को हमेशा फ्री रखकर अपना पैर मजबूती से रखिए। मैंने ऐसा ही किया और हम उस पहाड़ी से नीचे उतरने में सफल रहे।

पहाड़ पर हमेशा मजबूती से पैर रखना होता है, खासकर तब जब आप किसी ढलान पर हों। मैंने यहीं पत्थरों पर खुदसे ज्यादा विश्वास करना और अपना पैर जमाना सीखा तो सचमुच मुश्किल रास्ता भी थोड़ा-थोड़ा आसान लगने लगा। नदी कुछ ही नीचे पर दिखाई दे रही थी।

यह बारहों महीने बहने वाली कमल नदी शनै-शनै बहती हुई अपने आस-पास कमलेश्वर से रामा, बेष्टी, कण्डियाल गांव, कुमोला, देवढुंग, पुरोला, चन्देली, नेत्री, हुडोली, सुनाराछानी, थलीछानी सहित पचपन गांवों की लगभग 4500 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई करती है।

लोग बताते हैं कि इस क्षेत्र से कमल नदी नहीं बहती तो राज्य के अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा यहां पलायन का ग्राफ सर्वाधिक होता। कमल नदी पूरे सिंराई घाटी की प्राकृतिक सौन्दर्य को अपने जल से निखारकर सुरम्य बना देती है। इस पूरी पट्टी को रामासिंराई और कमलसिंराई के नाम से जाना जाता है।

रास्ते में इक्के दुक्के घर भी थे लेकिन यहां के घरों तक बिजली और पानी की पहुंच नहीं थी। कुछ ग्रामीण महिलाएं ओखल में धान कूटती दिखाई दीं तो एक बार बचपन की स्मृतियों तक का सफर कर आया। मेरे गांव में भी तकरीबन पन्द्रह साल पहले इसी तरह से धान से चावल निकाला जाता था।

यहां 'लाल चावल' की पैदावार खूब होती है। मुझे लोगों ने बताया कि यहां पैदा होने वाला यह ह्यलाल चावलह्ल कोई मामूली चावल नहीं। यह पूरी दुनिया में विख्यात है। रामासिंराई, कमलसिंराई क्षेत्र में लाल चावल की भारी पैदावार लोगों को अपने साथ बांध कर रखती है। यह यहां की नकदी फसलों में से एक है। यह पुरोला और नौगांव विकासखण्ड के लगभग सौ गांवों के लोग की अजीविका का मुख्य स्रोत है। हिमाचल के आधा किनौर क्षेत्र की पूर्ति भी सिंराई क्षेत्र का 'लाल चावल' करता है।

नदी पर पहुंचने ही वाले थे कि देखा गील्लू भी हमारे साथ पीछे पीछे आ गई है। गिल्लू एक पहाड़ी बिल्ली थी जो कि कुछ दिन पहले मुझे घायल अवस्था में इन्हीं पहाड़ियों में मिली थी। गले पर चोट के निशान थे। शायद किसी जानवर ने इस पर हमला कर दिया था। वह बहुत छोटी थी मुश्किल से एक महीने की। मुझे उसे उसके हाल पर छोड़ना अच्छा नहीं लगा इसलिए उसे अपने साथ उठा लाया था।

तीन दिन के ईलाज के बाद अब वह चलना और गुरार्ना सीख गई थी। इतनी ठंड में यहां देखकर मेरे चेहरे पर हैरानी और परेशानी के भाव उभर आए लेकिन अब किया भी क्या जा सकता था? मैंने उसे अपने हाथ में उठा लिया और नदी पर पहुंचने के बाद उसे एक सुती बोरी के अंदर रख दिया ताकि ठंड ना लगे और उसके शरीर की गरमाहट बनी रहे।

कमल नदी को देखकर मन प्रसन्नता से भर उठा। यह एक छिछली नदी है जिसमें ज्यादा पानी नहीं होता। बावजूद इसके हम खुश होकर अपनी मस्ती में डूब गए। जमकर नहाया, घंटों तक फोटोग्राफी किया तथा संकरे और हरे भरे रास्तों से माता की यात्रा को जाते हुए लोगों को देखता रहा।

इस यात्रा के बारे में मैं जानना चाहता था पर शाम ढलने लगी थी, सोचा कि फिर कभी, लेकिन सीढ़ीदार खेत अभी भी मेरी आंखों में तैर रहे थे। इन खेतों की भी क्या गजब की खूबसूरती होती है। परंतु हर जगह की स्थिति ऐसी नहीं है। उत्तराखंड के सत्तरह हजार जल स्रोत सूख चुके हैं जिसकी वजह से धीरे-धीरे यह खेती कम होती जा रही है जो कि आने वाले समय के लिए बहुत बुरा संकेत है। हालांकि इस बात को लेकर लोगों में चिंता भी है और सरकार ने भी इस दिशा में कई कदम उठाये हैं और तरह-तरह की योजनाओं पर काम किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में पर्यटन के साथ साथ इस जगह की प्राकृतिक सम्पदा का भी ख्याल रखा जाएगा और इन प्रयासों के बेहतर परिणाम होंगे।

कविता

निखिल सिंह
प्रयागराज

मेरा और तुम्हारा प्रेम

मैं तुमसे डरता हूँ
मैं तुम्हारे प्रेम से डरता हूँ
कहीं उसको पाकर
मैं अहंकारी न हो? जाऊं
कहीं मुझमें गुमान न आ जाए
कहीं मैं बदल न? जाऊं।

मैं तुम्हें जब भी देखता हूं
मुझे आजाद रुह की
झलक नजर आती है
मैं तुममे अपनी क्रान्ति देखता हूं
मैं तुममे खुद को देखता हूं।

मैं तुम्हारे अल्फाजों को
तोड़ना चाहता हूं
उसको पिरोना चाहता हूं
उसको दुनिया की सबसे खूबसूरत
मोहब्बत बनाना चाहता हूं
उसको? मैं एक कविता बनाना चाहता हूं।

तुम मेरे? लिए परियों की
रानी नहीं हो
ना ही कोई राजकुमारी
तुम मेरे लिए ना ही चांद हो
ना ही कोई ताज
तुम मेरे लिए बस
भगत का इंकलाब
और गांधी की अहिंसा हो
अम्बेडकर की जागरूकता
तो लोहिया का समाजवाद हो
तुम सावित्री बाई सी नारीवादी
तो फूले सा साहस हो।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'शुभकामनाओं की सुनामी'

दिलीप कुमार

आप लोगों को इस साल में भले ही कुछ नयापन नजर न आ रहा हो, हमें तो मौजा ही मौजा दिख रहा है।

चुनावी साल है तो जनता जनार्दन की बल्ले -बल्ले रहने वाली है।

व्यंग्यकार को चिकोटी शब्दों की चिकोटी काटने के खूब मौके मिलेंगे।

भारत की क्रिकेट टीम ने कायदे से हारना शुरू कर दिया है तो क्रिकेट विश्वकप की हार की टीस कुछ कम होगी ,क्योंकि बड़ी हार छोटी हार के दुख को भुलाने में मदद करती है।

शेयर बाजार पहले दिन हरियाली में बंद हुआ तो आगे मिडिल क्लास का पोर्टफोलियो बढ़ेगा।

फिक्र न करें साबुन, मंजन, तेल इस साल भी बच्चन साहब बेचते रहेंगे और सेट मैक्स पर सूर्यवंशम दिखाई जाती रहेगी जो कि अमरता का वरदान पा चुकी है अश्वत्थामा की तरह।

अपनी और देश की सुरक्षा को लेकर कतई चिंतित न हों बोटोक्स और मेकअप के साथ वीयफएक्स के जरिये शाहरुख खान और सलमान खान रा के एजेंट बनकर चीन और पाकिस्तान के हमलों से आपको सुरक्षित रखने की गारंटी देते रहेंगे टाइगर,पठान ,जवान आदि बनकर। जिस तरह से सलमान और शाहरुख निरन्तर देश की सुरक्षा रा एजेंट बनकर कर रहे हैं सरकार को अपने सुरक्षा बजट पर विचार करना चाहिए।

नए कवियों ने सीधे सीधे नए साल की शुभकामना देने के बजाय कविता के जरिये शुभकामना देने की सुनामी ला दी है। कोई किसी की कविता पढ़ न रहा सब एक दूसरे को कविता ठेल रहे हैं ।

आइए कुछ पुराने उस्तादों ने नए साल पर क्या कहा था उससे भी रूबरू हो लें -

मिर्जा गालिब ने नये साल कुछ यूं कहा है-

उन के देखे से जो आ जाती है मुंह पर रौनक
वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है

देखिए पाते हैं उश्शाक बुतों से क्या फैज
इक बरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है

फैज लुधियानवी ने नये साल का स्वागत कुछ इस तरह से किया है-

हर तरफ खल्क ने क्यों शोर मचा रखा है
रौशनी दिन की वही तारों भरी रात वही
आज हम को नजर आती है हर एक बात वही
आसमान बदला है अफ़्सोस ना बदली है जमीं
एक हिंदिसे का बदलना कोई जिद्दत तो नहीं
अगले बरसों की तरह होंगे करीने तेरे
किसे मालूम नहीं बारह महीने तेरे
जनवरी फरवरी मार्च में पड़ेगी सर्दी
और अप्रैल मई जून में होगी गर्मी
तेरा मन दहर में कुछ खोएगा कुछ पाएगा
अपनी मीआ'द बसर कर के चला जाएगा
तू नया है तो दिखा सुब्ह नई शाम नई
वर्ना इन आंखों ने देखे हैं नए साल कई
बे-सबब लोग क्यों देते हैं मुबारक-बादें
गालिबन भूल गए वक़्त की कड़वी यादें
तेरी आमद से घटी उम्र जहाँ से सब की
फैज' ने लिक्खी है ये नज़्म निराले ढब की

वैसे शाब्दिक शुभकामना का कोई खास महत्व न है अगर किसी ने नए साल पर खाने पीने के लिए बुलाया है तो उसे ही असली शुभकामना मानें।

डिस्क्लेमर -बीवी को कविता सुनाकर नया साल मनाने से परहेज करें कुछ उपहार भी दें वरना नए साल में पुराने हथकंडे आप पर अपनाए जा सकते हैं , स्वस्थ रहें मस्त रहें। नव वर्ष मंगलमय हो

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

चित्र प्रदर्शनी

राजनंदिनी
छपरा, बिहार।

1

2

BRIEF NEWS

सुदेश महतो ने दवाई सारथी दवाखाना का किया उद्घाटन

RANCHI : आजसु पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने शनिवार को पिठौरिया चौक स्थित ₹दवाई सारथी₹ दवाखाना का उद्घाटन फीता काटकर किया। मौके पर मौजूद दवाखाना के मालिक अजीज कमर ने जानकारी देते हुए बताया कि दवाई सारथी दवाखाना खोलने का उद्देश्य गरीब लोगों को सस्ते दामों में दवाइयां उपलब्ध कराना है। हमारे यहां अच्छी कंपनियों की जेनेरिक दवाइयां 85 प्रतिशत तक की छूट में मिलेगी। साथ हर महीने अच्छे डॉक्टरों के साथ मुफ्त जांच शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आजसु जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी, भरत काशी, उपाध्यक्ष मोजिबुल अंसारी, आजम अंसारी, डॉ अशोल नाग, निर्मला भगत, बबली कुमारी, पूर्व जीप सदस्य ऐनुल हक अंसारी, सत्रुधन महतो, अमन लाल, सज्जाद रजा, अजीज कमर, एहतेशाम आमीर, सरफराज आलम, सुरेंद्र महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

अपराध नियंत्रण व वाहन चेकिंग के लिए अतिरिक्त बलों की हुई तैनाती

RANCHI : राजधानी रांची में अपराध नियंत्रण और वाहन चेकिंग को लेकर लगभग 200 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर शहर के अलग-अलग हिस्सों में अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। इसके अलावा पुलिस की ओर से जगह-जगह एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही रांची के संवेदनशील स्थान और पूरे शहर की मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जा रही है। एसएसपी ने शनिवार को बताया कि अपराध नियंत्रण और वाहन चेकिंग करने के लिए अतिरिक्त बलों की तैनाती की गयी है।

उपायुक्त ने मुआवजा भुगतान की दी स्वीकृति

RANCHI : रांची में प्राकृतिक आपदा (अग्निकांड) से हुई मकान क्षतिपूर्ति के लिए जिला प्रशासन की ओर से मुआवजा दिया जायेगा। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने अंचल क्षेत्र तमाड़ के दो प्रभावितों को मुआवजा भुगतान की स्वीकृति शनिवार को प्रदान की है। तमाड़ के अंचल अधिकारी के आवेदन के अनुसार प्राकृतिक आपदा (अग्निकाण्ड) से सोमवारी देवी और सिंगार मछुवा के कच्चा मकान की गंभीर क्षति का आकलन कर 101900 रुपये की दर से क्षतिपूर्ति की कुल राशि दो लाख तीन हजार आठ सौ रुपये अनुदान की स्वीकृति दी गई है।

atom
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट में कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा की चुनाव याचिका पर हुई सुनवाई

समरी लाल के खिलाफ दायर याचिका पर आठ जनवरी से प्रतिदिन होगी बहस

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाईकोर्ट में कांके विधायक समरी लाल द्वारा वर्ष 2019 झारखंड विधानसभा चुनाव में दिए गए जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा की चुनाव याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में रिटर्निंग ऑफिसर आर्डर शीट की सर्टिफाइड कॉपी और हाई कोर्ट का कुछ जजमेंट कोर्ट के समक्ष रखा गया। इसके बाद कोर्ट ने आठ जनवरी से मामले की सुनवाई डे-टू-डे करने का निर्देश दिया। अब आठ जनवरी को सुरेश बैठा की ओर से बहस होगी। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विभास सिन्हा ने पैरवी की। पूर्व की सुनवाई में समरी लाल की ओर से हुई गवाही में लगभग सभी गवाहों ने कोर्ट में बताया है कि समरी लाल का परिवार आजादी के पहले से रांची में रह रहा है लेकिन इससे संबंधित कोई दस्तावेज उसके पास उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में कांके से भाजपा के टिकट पर समरी लाल जीते थे। सुरेश बैठा ने चुनाव याचिका में समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए उनके निर्वाचन को रद्द करने का आग्रह कोर्ट से किया है।

विधानसभा अध्यक्ष के मामले की हुई सुनवाई

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में विधानसभा अध्यक्ष सह नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो के निर्वाचन को चुनौती देने वाली संतोष हेंब्रम की चुनाव याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में प्रतिवादी रवींद्रनाथ महतो की ओर से दायर प्रारंभिक आपत्ति पर दोनों पक्षों की बहस हुई। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर प्रतिवादी रविंद्रनाथ महतो के अधिवक्ता अरविंद लाल को जवाब देने के लिए आठ जनवरी की तिथि निर्धारित की है। इससे पहले प्रारंभिक आपत्ति पर सुनवाई के दौरान प्रतिवादी रवींद्रनाथ महतो की ओर से कोर्ट को बताया गया की उक्त चुनाव याचिका में कई त्रुटियां हैं। याचिकाकर्ता ने कोई ऐसा बिंदु नहीं दिया है, जिससे इस चुनाव याचिका पर सुनवाई हो सके। यह चुनाव याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, इसलिए इसको निरस्त कर देना चाहिए। क्योंकि, इस चुनाव याचिका में एक तरफ कोर्ट का समय बर्बाद हो रहा है। दूसरी तरफ प्रतिवादी रवींद्रनाथ महतो को भी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। याचिकाकर्ता ने चुनाव याचिका में कहा है कि रवींद्रनाथ महतो ने विधानसभा चुनाव के दौरान एक पंफलेट छपवाया था, जिसमें उनके खिलाफ चुनाव में दुष्प्रचार किया गया, जिससे उनका जनाधार खत्म हुआ है। इसलिए रवींद्रनाथ महतो का निर्वाचन रद्द किया जाए।

पत्रकारों पर दर्ज एफआईआर रद्द करें : विजय शंकर नायक

PHOTON NEWS RANCHI :

विजय शंकर नायक।

रांची के वरीय पत्रकारों पर जेल में बंद योगेंद्र तिवारी द्वारा एफआईआर दर्ज करने को लेकर संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड-छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने एफआईआर रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एफआईआर रद्द नहीं करने पर स्वतंत्र एवं निर्भीक पत्रकारिता का गला घोटने का प्रयास माना जाएगा। इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल, मुख्यमंत्र और डीजीपी को ईमेल भेज कर एफआईआर रद्द करने की मांग की है। ईमेल में कहा है कि रांची के पत्रकारों के खिलाफ खेलगांव थाना में जेल में बंद शराब कारोबारी योगेन्द्र तिवारी के फर्जी शिकायत पर दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व में योगेन्द्र तिवारी जेल से ही फोन कर पत्रकारों को धमकी दी थी, जिसकी जांच भी चल रही है। उन्होंने मामले को संज्ञान लेकर पत्रकारिता की स्वतंत्रता, निर्भीकता और झुठे मुकदमा के उत्पीड़न से पत्रकारों को बचाने के लिए सकरात्मक ठोस पहल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि झुठे एफआईआर को अपराध अनुसंधान विभाग के उच्च स्तरीय जांच कमिटी गठन कर एक सप्ताह के अंदर जांच करके रद्द किया जाये अन्यथा सरकार एवं अभियुक्त योगेंद्र तिवारी की सांठगांठ की जांच सीबीआई एवं ईडी से कराने की मांग को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन किया किया जाएगा।

रांची के बड़ा तालाब से युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI :

बड़ा तालाब के पास जुटी भीड़। ● फोटोन न्यूज

रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। शनिवार की सुबह स्थानीय लोगों ने शव देखा, इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। तालाब से शव मिलने की सूचना पर तालाब के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पानी से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। शव की शिनाख्त लोरेन आरिफ (25) के रूप में हुई है। वह सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित शाह बाग निवासी अकरम आरिफ का पुत्र था। वह एक जनवरी को घर से निकला था।

राज्य के उपायुक्तों को ग्रामीण विकास विभाग ने लिखा पत्र

RANCHI : राज्य के कई जिलों में अबुआ आवास योजना के आवेदन की ऑनलाइन प्रविष्टि प्रखंड या पंचायत स्तर पर लंबित होने की शिकायत ग्रामीण विकास विभाग को मिली थी। इसपर विभाग ने एक्शन लेते हुए पोर्टल पर ऑनलाइन प्रविष्टि दर्ज करने का समय सीमा नौ जनवरी तक कर दी है। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव ने राज्य के सभी उपायुक्त, उप विकास आयुक्त को पत्र लिखकर हर हाल में आवेदनों को पोर्टल पर ऑनलाइन प्रविष्टि दर्ज करने का निर्देश दिया है। विभागीय सचिव ने पत्र में लिखा है कि उक्त अवधि के बाद भी यदि प्रखंड या पंचायत स्तर पर आवेदन लंबित पाया जाता है तो उक्त से संबंधित दोषी पदाधिकारी, कर्मी और पंचायत प्रतिनिधि को चिह्नित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाये।

तीन साल से एक ही जगह तैनात पदाधिकारियों के तबादले के निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI :

राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में तीन साल से अधिक समय से जमे पदाधिकारी और कर्मियों को चुनाव आयोग ने दूसरे जगह पदस्थापित करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव आयोग के निर्देश के तहत 30 जनवरी तक ऐसे सभी सरकारी सेवकों को हटाया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश की जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर आयोग द्वारा दिए गए निर्देश की जानकारी राज्य सरकार को उपलब्ध करा दी गई है।

भारत निर्वाचन आयोग के इस निर्देश के बाद राज्य सरकार के द्वारा सभी विभागों में तीन वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित पदाधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है। जल्द ही बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फिर बदल किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक 14 जनवरी के बाद सरकार के द्वारा ऐसे पदाधिकारियों को हटाने की कारवाई की जायेगी। ऐसे भी चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार 30 जनवरी के बाद सरकार को एक्शन टेकेन रिपोर्ट आयोग को देनी है, इसे ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के द्वारा ट्रांसफर पोस्टिंग की कवायद शुरू कर दी गई है। आयोग ने सरकार से यह भी जानकारी मांगी है कि 30 जनवरी के बाद कितने ऐसे पदाधिकारी हैं जो तीन साल से अधिक समय से अभी तक पदस्थापित हैं और इसके पीछे की वजह क्या है। जाहिर तौर पर आयोग के इस निर्देश के बाद जो भी 30 जनवरी के बाद तीन साल से अधिक समय से एक ही जगह पर जमे हुए पदाधिकारी पाये जाएंगे उन पर आयोग के द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

होपवेल अस्पताल में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से मरीज का सफल ऑपरेशन

ऑपरेशन के बाद मीडिया को जानकारी देते डॉ शहबाज आलम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI :

राजधानी के कर्बला चौक के निकट नूर टावर स्थित होपवेल अस्पताल में उपलब्धियों के नित नए आयाम जुड़े रहे हैं। अस्पताल के व्यवस्थापक व शहर के जाने-माने सर्जन डॉ. शाहबाज आलम एवं उनकी टीम द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में अस्पताल निरंतर उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसमें एक और नया अध्याय जुड़ गया है। राजधानी रांची में पहली बार कोलेडोकल सिस्ट (टाइप वन, लीवर के नीचे वाले भाग में सूजन व संक्रमण) से पीड़ित एक मरीज की सफल सर्जरी रू एंड वाई हेपाटिकोजेजुनोस्टोमी विधि द्वारा की गई। इस संबंध में डॉ. शाहबाज आलम ने शनिवार को प्रेस वार्ता में संवाददाताओं को बताया कि गोमिया निवासी 45 वर्षीय महिला सरस्वती देवी अपच, पेट में दर्द और गॉलब्लैडर में पथरी की शिकायत लेकर उनके पास पहुंची थी। इसके पूर्व वह अन्य अस्पतालों के चिकित्सकों से भी संपर्क की थी। चिकित्सकों ने इन्हें ओपन सर्जरी करने की सलाह दी थी। इस बीच मरीज के परिजनों को राजधानी रांची के होपवेल अस्पताल के संचालक डॉक्टर शाहबाज आलम के पास संपर्क करने की सलाह दी गई।

तत्पश्चात मरीज के परिजन मरीज को लेकर होपवेल अस्पताल पहुंचे।मरीज को जौंडिस,फीवर, पेट दर्द आदि की शिकायत थी। डॉ. आलम ने संबंधित जांच कर उन्हें लेप्रोस्कोपिक विधि द्वारा गॉलब्लैडर से पथरी निकालने और कोलेडिकल सिस्ट को हटाने की सलाह दी।उन्होंने बताया कि इस बीमारी से पीड़ित मरीज को लीवर के नीचे नली (सीबीडी) में संक्रमण फैल जाता है।

चेक गणराज्य की महिला टीम पहुंची रांची, पारंपरिक तरीके से हुआ स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI :

चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम । ● फोटोन न्यूज

चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम शनिवार को जोश और दृढ़ संकल्प के साथ रांची पहुंची। सभी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। टीम ने उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की उत्सुकता व्यक्त की। कतेरीना लासीना के नेतृत्व में और मुख्य कोच गैरेथ ग्रुंडी के कुशल मार्गदर्शन में चेक गणराज्य की टीम आगे आने वाली चुनौती के लिए तैयार है। टीम का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करके ओलंपिक में अपनी पहली सीट सुरक्षित करना है। वर्तमान में टीम विश्व स्तर पर 25वें स्थान पर है।

चेक गणराज्य पूल ए में है, जहां वे 13 जनवरी को अपने शुरूआती गेम में पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान के खिलाफ अपनी खोज शुरू करेंगे। इसके बाद 14 जनवरी को टूर्नामेंट के दूसरे मैच में चेक गणराज्य टीम चिली से भिड़ेगी। उनका अंतिम पूल मैच 16 जनवरी को ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ निर्धारित है। मैदान में अन्य टीमों में पूल बी में मेजबान भारत, न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टूर्नामेंट की तैयारियों और रणनीतियों के बारे में कप्तान कतेरीना लासीना ने कहा कि हमारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारी शारीरिक क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित था, जो हमारे खेल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि हम यहां लड़ने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए आये हैं। हमें विश्वास है कि हम पेरिस ओलंपिक में जगह बनायेंगे। लासीना ने कहा कि हम जर्मनी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हॉकी के खेल में कुछ भी सामने आ सकता है और हम हर मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं।

सहायक कोच टॉमस प्रोचाज्का ने कहा कि रांची में इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। यह एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि मैं इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। हमारा उद्देश्य मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और टूर्नामेंट के शुरू होते ही उसे आगे बढ़ाना है। हमारी रणनीति हमारी रक्षा को मजबूत करने, पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाने और जवाबी हमलों का उपयोग करने के इर्द-गिर्द घूमती है। एक युवा टीम के साथ हमारा प्राथमिक लक्ष्य मूल्यवान अनुभव इकट्ठा करना है।

एयरपोर्ट से 90 लोगों का जत्था हज उमराह के लिए हुआ रवाना

हज उमराह जाने के पूर्व दुआ करते लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI :

मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप गिरिडीह पिछले 13 वर्षों से हज उमराह करा रही है। आज 90 जायरीन को उमराह के लिए रांची से जद्दा बाई फ्लाइट रवाना हुए। इस मौके पर बोलते हुए मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप के मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि आज 90 लोगों का जत्था रांची से जा रहा है। एक के बाद एक हज और उमरा करो, क्योंकि ये दोनों गरीबी और गुनाहों को उसी तरह दूर हटाता हैं जैसे जलती भट्टी लोहे से जंग को हटा देती है। मौलाना ने कहा की मुझे काम करने पर यकीन है। उन्होंने कहा कि सभी जायरीन रांची, चतरा, हजारीबाग, गिरिडीह और कोडरमा के हैं। मेरा यह काम करने का मकसद झारखंड के मुसलमानो के खिदमते खल्क करना है। मक्का में 500 मीटर की दूरी पर और मदीना में 600 मीटर की दूरी पर ठहराया जाएगा। और सभी जायरीन को मक्का और मदीना की सभी जगह की जियारत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी जायरीन को बस की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। सभी जायरीन को भारतीय भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। यह जत्था मौलाना जौहर मजाहिरी के नेतृत्व में जा रहा है। वहीं मौलाना मोहम्मद जौहर मजाहिरी ने कहा कि इसी महीना 24 जनवरी को रांची से फ्लाइट के द्वारा 45 जायरीन का जत्था जाएगा। इस जत्थे में झारखंड के बड़े-बड़े उलेमा उमराह पर जा रहे हैं। 65 हजार में दिल्ली टू दिल्ली और 72 हजार में रांची टू रांची है। आज के जत्थे को फखरे झारखंड अमीर शरीयत व शैखुल हदीस हजरत मुफ्ती नजरे तौहीद चतरा की दुआ के बाद रवाना हुआ।

21 जनवरी को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की रामगढ़ में होगी जनसभा

झारखंड में पार्टी को मजबूत करना लक्ष्य : डॉ चौधरी

PHOTON NEWS RANCHI :

मीडिया को जानकारी देते डॉ अशोक चौधरी। ● फोटोन न्यूज

बिहार के भवन निर्माण मंत्री एवं झारखंड जदयू के प्रभारी डॉ अशोक चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव और दूसरे राज्यों में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस को और मजबूती के साथ गठबंधन में अपना दायित्व निभाना होगा। इण्डिया गठबंधन के पार्टनर साथ चुनाव प्रचार करते तो चार राज्यों में चुनाव परिणाम कुछ और होते। नीतीश कुमार ने सभी को एकजुट किया है। डॉ अशोक चौधरी रांची में पार्टी कार्यकर्ताओं के मंथन शिविर के बाद शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि झारखंड में 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता दल यूनाइटेड ने अपनी तैयारियों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। 21 जनवरी को बिहार के मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार के रामगढ़ आएंगे। यहीं से झारखंड में चुनावी शंखनाद होगा। विधानसभा और लोकसभा में अच्छा रिजल्ट पार्टी लाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद किसी दूसरे राज्य में नीतीश कुमार की यह पहली जन सभा होगी। यह अवसर प्रदेश जदयू को मिला है। नीतीश के कार्यक्रम में पचास हजार लोग जुटेंगे। 21 जनवरी की सभा झारखंड में जदयू और जदयू कार्यकताओं का भविष्य तय करेगी। निश्चित ही झारखंड में पार्टी का संगठन मजबूत हुआ है, मगर बड़ी लड़ाई के लिए कार्यकर्ता और मेहनत करें और समूह बड़ा बनाएं।

चौधरी ने कहा कि ईडी और सीबीआई को देश की जनता के समक्ष अपनी बात रखनी चाहिए, जिस तरह से उनके ऊपर सवाल खड़े हो रहे हैं, यह कहीं ना कहीं देश की व्यवस्था को खराब कर सकता है। राम मंदिर में आमंत्रण के सवाल पर उन्होंने कहा कि राम मंदिर सभी का है, जिसको जब मन होगा, वहां पर लोग जाएंगे। कोई पूर्णिमा में जाएगा, कोई एकादशी में जाएगा। 22 जनवरी को अयोध्या जाना कोई जरूरी नहीं।दुख इस बात का है कि भगवान राम को कुछ राजनीतिक पार्टियों ने इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया है।

जदयू के प्रदेश सह - प्रभारी मनोज यादव ने कहा कि जदयू जिस मजबूती के साथ विधानसभा में मौजूद थी, उसी मजबूती के साथ हमें पार्टी की सामाजिक न्याय की विचारधारा को अब प्रदेश से लेकर पंचायत तक, खेत - खलिहान- जंगल जमीन तक ले जाना है।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष -सह-राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि नीतीश जोहार यात्रा ऐतिहासिक होगी। झारखंड एक नई उलगुलान लिखेगा। 2024 की बदलाहट की अगुवाई झारखंड करेगा। नीतीश जोहार यात्रा के मार्फत रामगढ़ जिला की शहादत की नमक अदायगी पार्टी करेगी।

हेमंत सरकार पिछड़ा वर्ग विरोधी : आदित्य साहू

PHOTON NEWS RANCHI :

आदित्य साहू।

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने शनिवार को राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। साहू ने कहा कि हेमंत सरकार पिछड़ा विरोधी सरकार है। कांग्रेस झामुमो राजद के ठगबंधन का चरित्र ही पिछड़ा विरोधी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वर्षों तक पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। इसमें इनकी पिछड़ा विरोधी मानसिकता ही शामिल था। ये परिवार की सत्ता चलाने वाली सोच की पार्टियां हैं। इसलिए इन्हें पिछड़ा समाज के हित की चिंता नहीं। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का नाटक करने वाली सरकार ने पंचायत चुनाव में पिछड़ों के हक पर डाका डाला। आगे यह सरकार निकाय चुनाव भी बिना पिछड़ों को आरक्षण दिए कराने की मंशा रखती है।

उन्होंने कहा कि आखिर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद हेमंत सरकार ट्रिपल टेस्ट क्यों नहीं करा रही। एकतरफ यह सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देने का ढोंग करती है तो दूसरी ओर प्राप्त आरक्षण को भी छीनना चाहती है। हेमंत सरकार के कैबिनेट से पारित प्रस्ताव का अबतक क्या हुआ, जिसमें पिछड़ा वर्ग आयोग से ट्रिपल टेस्ट का प्रस्ताव पारित हुआ।

सांसद गीता कोड़ा के पीड़क कार्रवाई पर लगी रोक

RANCHI : आर्थिक अपराध से जुड़े एक मामले में आरोपित सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा पर रांची के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी केके मिश्रा की अदालत में शनिवार को सुनवाई हुई। अदालत ने अगले आदेश तक पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। आयकर विभाग की ओर से आर्थिक अपराध के तहत गीता कोड़ा के खिलाफ 2009-10 में आयकर रिटर्न नहीं भरने और उसका सही जानकारी नहीं देने को लेकर 2012 में केस दर्ज किया गया था। इसी मामले में गीता कोड़ा ने कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने गीता कोड़ा पर अगली सुनवाई तक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। केस दर्ज होने के बाद गीता कोड़ा झारखंड हाई कोर्ट गई थी, जहां लगभग पांच साल तक स्टे लग रहा है।

BRIEF NEWS

40 हजार का इनामी शार्प शूटर हरीश सिंह गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : पुलिस ने गैंगस्टर अखिलेश सिंह के शार्प शूटर को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि गैंगस्टर अखिलेश सिंह के मुख्य शूटर हरीश सिंह को पुलिस ने बिहार के पटना से गिरफ्तार किया है। जमशेदपुर पुलिस रविवार को इस पूरे मामले का खुलासा करेगी। हरीश सिंह के खिलाफ झामुमो नेता सह ट्रांसपोर्टर उपेंद्र सिंह की कोर्ट परिसर में हुई हत्या समेत लूट, आर्म्स एक्ट के 12 मामले दर्ज हैं। हरीश सिंह, छोटू सिंह उर्फ रेहान के नाम से भी जाना जाता है। 30 नवंबर, 2016 को जमशेदपुर न्यायालय परिसर में उपेंद्र सिंह की हत्या हरीश सिंह ने की थी। मूल रूप से बिहार भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र स्थित नसरत निवासी हरीश सिंह उर्फ छोटू सिंह उर्फ मोहम्मद रेहान पर हाल ही में 40 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एकल अभियान राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित : सारंगी

ROURKELA : बिरसा मुंडा स्टेडियम में एकल का स्टेट एथलेटिक्स मीट शनिवार से शुरू हुआ। तीन दिवसीय क्रीड़ा उत्सव में राज्य के 650 छात्र छात्राएं शामिल हुए। एकल अभियान द्वारा राउरकेला के बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में राज्य स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता उद्घाटन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बालासोर सांसद प्रताप षाड़ंगी ने कहा कि यह प्रयास उन बच्चों को आकर्षित करने के लिए है जो स्कूल नहीं आ पाते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री बिसेस्वर टुडू एवं सुंदरगढ़ सांसद जुएल ओमराम भी उपस्थित थे।

एंटरप्राइज ओडिशा कार्यक्रम के लिए रोड शो, कई औद्योगिक संघ हुए शामिल

ROURKELA : पश्चिम ओडिशा में उद्योग के विकास और आर्थिक विकास के लिए एंटरप्राइज ओडिशा मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला झारसुगुड़ा में 19, 20 और 21 तीन दिनों तक चलेगा। यह मेगा कार्यक्रम राज्य सरकार और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए शुक्रवार को राउरकेला मे फेयर विलेज में एक रोड शो आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राउरकेला चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकताओं सहित कई उद्योगपतियों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में इपकाल के एमडी भूपेन्द्र सिंह पुनिया, सीआईआई ओडिशा शाखा के अध्यक्ष शशि शेखर मोहंती, राउरकेला स्टील प्लांट के कार्यकारी निदेशक अतनु भौमिक शामिल हुए। इस कार्यक्रम में राउरकेला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील कयाल, पूर्व अध्यक्ष सुब्रत पटनायक और अन्य कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

गोलमुरी में घर-घर बांटा गया पूजित अक्षत व आमंत्रण पत्र

JAMSHEDPUR : राम जन्मभूमि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला विराजमान होने के उपलक्ष्य में पूजित अक्षत, आमंत्रण पत्र एवं मंदिर चित्र का वितरण जारी है। इस क्रम में शनिवार को राम जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त अक्षत एवं आमंत्रण पत्र घर-घर पहुंचाने के लिए गोलमुरी चौक स्थित श्री बजरंगबली मंदिर से भव्य यात्रा निकली गई। यह यात्रा गोलमुरी बाजार, केबुल टाउन होते हुए बिरला मंदिर पहुंची जहां श्री रामचंद्र जी की भव्य आरती के साथ संपन्न हुई। इस दौरान लोगों से अनुरोध कर बताया कि 22 जनवरी को तीर्थभूमि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इस शुभ अवसर के उपलक्ष्य में सभी अपने गांव के मंदिर में एकत्रित होकर भगवान राम का पूजन एवं कीर्तन भजन करें। साथ ही उस दिन संध्याकाल में सभी सनातनी अपने अपने घरों में दीपोत्सव का आयोजन करें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में हुई बैठक

कृषि विभाग की हुई समीक्षा, लंबित किसानों का ई-केवाईसी जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इसमें कृषि, आत्मा, भूमि संरक्षण, सहकारिता, गव्य विकास, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान विभाग तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना तहत निर्धारित लक्ष्य 35589 के विरुद्ध 25569 किसानों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके तहत उपायुक्त ने वर्तमान समय में लंबित 229 किसानों का ई-केवाईसी करवाने सहित मृत/पलायन इत्यादि से संबंधित किसानों के नाम को छोड़कर शेष किसानों का ई-केवाईसी कार्य पुरा करवाने का निर्देश दिया। साथ ही कृषि विभाग अंतर्गत संचालित किसान क्रेडिट कार्ड योजना, एग्री स्मार्ट ग्राम योजना, समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला का आयोजन

अधिकारियों संग बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल। ● फोटोन न्यूज

तहत संचालित कार्यों के प्रगति प्रतिवेदन का भी जायजा लिया। इस दौरान बताया गया कि जिले में 66316 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया है। जिले में पीपीपी मोड के तहत संचालित मृदा जांच प्रयोगशाला में चालू वित्तीय वर्ष में 10000 जांच का लक्ष्य निश्चित है। जिसके आलोक में 6120 नमूनों का जांच किया गया है। इस पर उपायुक्त ने आगामी बैठक के पूर्व 8000 नमूना का जांच पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में भूमि संरक्षण विभाग तहत संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभाग अंतर्गत 176 परकोलेशन टैंक निर्माण के विरुद्ध 127 तथा 120 तालाब जीर्णोद्धार के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 25 पर और 72 डीप बोरिंग निर्माण लक्ष्य के विरुद्ध 40 का प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है। समीक्षा बैठक के दौरान जिला पशुपालन विभाग अंतर्गत संचालित जोड़ा बेल वितरण व मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अलावा जिला गव्य विकास विभाग, जिला मत्स्य विभाग, जिला उद्यान विभाग तहत संचालित योजनाओं के प्रगति प्रतिवेदन का भी बिंदुवार जायजा लिया गया। बैठक में जिला सहकारिता विभाग की समीक्षा के

डीडीसी ने प्रखंड चक्रधरपुर कार्यालय का किया औचक निरीक्षण अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने शनिवार को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी ने कार्यालय में मनरेगा, अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, 15वें वित्त आयोग से संचालित सभी योजनाओं के अभिलेखों, आगत-निर्गत पंजी, व्यय पंजी, उपस्थिति पंजी, कैशबुक सहित फाइलों का संधारण कार्यों का गहनता से अवलोकन किया। इस क्रम में उप विकास आयुक्त ने अलग-अलग योजना/परियोजना से संबंधित प्रखंड

फाइलों का अवलोकन करते डीडीसी। ● फोटोन न्यूज

स्तरीय समन्वयक/प्रबंधक से कार्यों के अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए बिरसा सिंचाई कूप योजना तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने का निर्देश। वहीं निरीक्षण के दौरान बिना कारण अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों को स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अबुआ आवास योजना अंतर्गत मानदंडों के अनुरूप लाभूक सूची प्रकाशन एवं प्राप्त सूचना पर जांच उपरांत त्रुटि निराकरण करने के संदर्भ में भी आवश्यक निर्देश दिया। इसके अलावा डीडीसी ने मनरेगा तहत बिरसा हरित ग्राम योजना के प्रगति प्रतिवेदन का जायजा लेते हुए प्रत्येक गांव में नियमित योजनाओं का संचालन सुनिश्चित करने तथा योजना में अधिकाधिक मानव दिवस सृजन को लेकर भी निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि मनरेगा में सहायक व कनीय अभियंता के द्वारा भ्रमण हेतु टैग योजना में स्थल भ्रमण व एप्लीकेशन पर अपडेट कार्य संतोष जनक नहीं है, जिस पर अगले 7 दिनों के अंदर लक्ष्य मुताबिक क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश दिया, निर्देश का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

क्रम में धन उठाव में गवन संबंधित वसूली हेतु संलिप्त 6 लैम्पस के कर्मचारियों पर सर्टिफिकेट केस करने हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देशित किया गया, साथ ही फसल राहत योजना तहत फसल एवं लैंड वेरिफिकेशन का कार्य 20 जनवरी तक प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के माध्यम से पूर्ण कराने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिट एंड रन के नए कानून के विरोध में ड्राइवरों का हड़ताल जारी, यातायात प्रभावित

PHOTON NEWS SUNDARGARH : पूरे सुंदरगढ़ जिले में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है क्योंकि भारतीय न्याय संहिता के तहत नए हिट-एंड-रन कानून के खिलाफ ड्राइवरों के विरोध के कारण वाणिज्यिक वाहन और बसें सड़क से नदारद रहे।राउरकेला और जिले में 'मो बस' सेवा भी बाधित रही। जिले में ओडिशा ड्राइवर महासंघ के बैनर तले ड्राइवरों ने जिले भर के ब्लॉक और जिला मुख्यालयों में धरना दिया है।ड्राइवरों के धरने पर बैठने के कारण जिले के बस अड्डे वीरान नजर आए। महासंघ के सदस्य राउरकेला बालूघाट में एनएच-143 के किनारे सामूहिक रूप से धरने पर बैठे। आंदोलन का असर कटक नेताजी बस टर्मिनल, बालासोर, संबलपुर, ढेंकनाल, जाजपुर, कोरापुट,

हड़ताल पर बैठे ड्राइवर। ● फोटोन न्यूज

बेरहामपुर, राउरकेला और कई अन्य हिस्सों सहित पूरे राज्य में महसूस किया गया। माल ढोने वाले वाहन भी सड़क पर नेही चल रही हैं। ड्राइवरों के संगठन ने कहा कि हड़ताल का आह्वान किसी भी ड्राइवर पर जबरदस्ती नहीं थोपा गया है. यह एक बड़े उद्देश्य के लिए बिरादरी के सभी सदस्यों के लिए एक खुला आह्वान है। महासंघ ने चालकों से शांतिपूर्वक धरना देने की अपील की है। भारतीय न्याय संहिता के तहत नया हिट-एंड-रन कानून, देश भर में सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को रोकने के लिए पेश किया गया था। कानून हिट-एंड-रन मामलों के लिए सख्त दंड लगाता है, जिसमें 10 साल तक की कैद और 7 लाख रुपये का जुमार्ना है।

सरना धर्म कोड की मांग को लेकर सात अप्रैल को भारत बंद की घोषणा

JAMSHEDPUR : सरना धर्म कोड की मांग को लेकर जहां 30 दिसंबर को आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से भारत बंद आहूत किया गया था। इसी मुद्दे को लेकर एक बार फिर भारत बंद की घोषणा की गई है। कदमा में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने कहा कि अगर 31 मार्च तक सरना धर्म कोड का ऐलान नहीं हुआ तो 7 अप्रैल को एक बार फिर से भारत बंद किया जाएगा। इस दौरान रेल-रोड चक्का जाम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र भी लिखा गया है। सालखन मुर्मू का कहना है कि सरना धर्म कोड भारत के प्रकृति पूजक लगभग 15 करोड़ हैं। आदिवासियों के अस्तित्व, पहचान, हिस्सेदारी की जीवन रेखा है। मगर आदिवासियों को उनकी धार्मिक आजादी से वंचित करने के लिए कांग्रेस-बीजेपी दोषी है। 1951 की जनगणना तक यह प्रावधान था। बाद में कांग्रेस ने हटा दिया और अब भाजपा जबरन आदिवासियों को हिंदू बनाना चाहती है।

12 से 16 जनवरी तक 27वें राष्ट्रीय युवा दिवस का होगा आयोजन

केयू का प्रतिनिधित्व करेगी महिला कॉलेज की एनएसएस बीएड यूनिट

PHOTON NEWS CHAIBASA : प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं के लिए राष्ट्र स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 27 वें राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन 12 से 16 जनवरी तक नासिक, महाराष्ट्र के तपोवन मैदान में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महिला कॉलेज चाईबासा की एनएसएस बीएड यूनिट की वॉलंटियर एंजेल दादेल का चयन वॉलंटियर के रूप में किया गया है। कोल्हान विश्वविद्यालय से कुल तीन वॉलंटियर का चयन किया गया है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने कहा महिला कॉलेज चाईबासा के लिए ये बड़े गर्व की बात है कि हमारे महिला कॉलेज चाईबासा के बीएड की एनएसएस वॉलंटियर राष्ट्रीय युवा

बैठक में उपस्थित बीएड विभाग के लोग। ● फोटोन न्यूज

महोत्सव 2024 में कोल्हान विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही है। मेरी बहुत सारी शुभकामनाएं इनके साथ है कि ये जाकर सफलता प्राप्त करें।

युवा महोत्सव का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। जिसमें देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की प्रत्येक 100 युवाओं की टीमें शामिल होंगी। युवा महोत्सव में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) के युवा स्वयंसेवक और नेहरू युवा केंद्र संगठन के युवा स्वयंसेवक कुल मिलाकर लगभग 8 हजार लोग हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर उपस्थित बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष मोबारक करीम हाशमी, सुजाता किस्पोट्टा, सितेंद्र रंजन, डोरिस मिंज,धनंजय कुमार इत्यादि ने एंजेल दादेल को शुभकामनाएं दीं।

कलिंग हर्बल मेले में दूसरे दिन वैद्य सम्मेलन आयोजित

सम्मेलन में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : क्षेत्रीय कलिंग हर्बल मेला,स्थानीय भंज भवन प्रदर्शनी मैदान में शुरू हुआ है / दूसरे दिन की शाम आयोजित समारोह में राउरकेला एनआईटी के निदेशक प्रा.उमा महेश्वर राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सुंदरगढ़ डीएफओ सम्मानित अतिथि प्रदीप देवीदास मिरास थे, और केंदुझर डीएफओ. एचडी धनराज, राउरकेला आरसीसीएफ डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, प्रमुख ने भाग लिया ' राउरकेला डीएफओ यशवंत सेठी ने इसकी अध्यक्षता की ' एसीएफ सौम्य रंजन गोछायत ने स्वागत भाषण दिया। राउरकेला वनखंड अधिकारी कार्यालय और ओडिशा राज्य सरकार के औषधीय वृक्ष परिषद द्वारा आयोजित इस मेला 8 तारीख तक चलेगा। विशिष्ट अतिथि ने अपने भाषण में हर्बल मेले की सराहना की और उपचार के पारंपरिक तरीकों को अपनाने पर जोर दिया। मेले में हर्बल उत्पाद बिक्री के लिए रखे गये हैं।

13वां जात्रा महोत्सव का समापन, पूर्व हॉकी स्टार सुभद्रा प्रधान को किया गया सम्मानित

PHOTON NEWS SUNDARGARH : 13वां जात्रा महोत्सव का समापन शनिवार को हुआ। अंतिम दिन की शाम लाठीकाटा ब्लॉक से संताली नृत्य और कर्मा नृत्य, राजगांगपुर ब्लॉक से किसान नृत्य, म्यूजिक सर्कल राउरकेला द्वारा ओडिसी नृत्य, सुंदरगढ़ के जय कृष्णा अकादमी और नटराज कला परिषद द्वारा संबलवली नृत्य, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया। छउ, ज गंजाम के जोड़ी शंख और फेस ऑफ सुंदरगढ़ द्वारा फैशन शो ने प्रसिद्ध गायक पद्मश्री खातेई के साथ एक और स्टार-स्टडेड नाइट का आयोजन किया है। समारोह के अंतिम दिन अपजिलापलरवि नारायण साहू, अभिमन्यु माझी, पीडी डूडा, ललित सोरेन, सदर एवं वनेई पानपोस उपजिलापाल दशरथी सराबू, सुरंजन साहू एवं विजय साहू,

सुभद्रा प्रधान को सम्मानित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

सुंदरगढ़ हमेंद्र सेठी, सदर विकास अधिकारी मोतीलाल सुलिया, सदर तहसीलदार कुलमणि रणविडा शामिल हुए। पूर्व हॉकी स्टार सुभद्रा प्रधान को आज सम्मानित किया गया। सुंदरगढ़ समापन दिवस और ज्यात्र समारोह के अवसर पर आज विभिन्न स्कूल स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार अंतिम दिन ज्यात्र के सभी समिति सदस्यों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. पराग गभली एवं मुख्य विकास अधिकारी एवं कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज महाजन, वर्तमान पल्लश्री मेले में अच्छी प्रदर्शनी एवं अच्छा व्यवसाय करने वाले एसएचजी महिला टीम को सम्मानित किया गया और पल्लाश्री के कैलेंडर का अनावरण भी किया गया।

माइक्रो डोनेशन अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा ने की बैठक

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य हासिल करने को लेकर बूथ पर मजबूत रणनीति बनाकर आगे बढ़ रही है। बड़े लक्ष्य को केंद्रित कर पार्टी का पूरा ध्यान बूथों को सशक्त बनाने में है। इसी क्रम में शनिवार को पार्टी की महत्वपूर्ण सांगठनिक विषयों और आगामी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन और रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से भाजपा जमशेदपुर महानगर की कामकाजी बैठक भालूबासा स्थित आशीष किशोर संघ सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्ष गुंजन यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पूर्व सांसद आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री रीता मिश्रा समेत पार्टी के तमाम वरीय नेताओं के संग विभिन्न मंडल अध्यक्षगण मौजूद थे। इसमें 8 जनवरी को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री के द्वारा देशभर में मोदी की गारंटी वाली वैन के माध्यम से वर्चुअल संवाद सह संबोधन एवं नमो एप्प विकसित भारत ब्रांड एम्बेसडर एवं माइक्रो डोनेशन समेत अन्य विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से वीडियो प्रेजेंटेशन कर नमो एप्प विकसित भारत ब्रांड एम्बेसडर बनाने एवं माइक्रो डोनेशन की जानकारी दी गयी। बैठक के दौरान जमशेदपुर महानगर के चारों विधानसभा अंतर्गत विभिन्न बूथों के गठन संबंधी जानकारी साझा की गई।

इपिल सामड की अध्यक्षता में आदिवासी हो समाज युवा महासभा के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

उपरूम-जुमुर कार्यक्रम 14 जनवरी को, बनी रणनीति

PHOTON NEWS CHAIBASA : आदिवासी हो समाज युवा महासभा के पदाधिकारियों की बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इपिल सामड की अध्यक्षता में महासभा भवन हरिगुटू में हुई। बैठक में आगामी 14 जनवरी को सामाजिक मिलन समारोह उपरूम-जुमुर कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया है कि उपरूम-जुमुर हर वर्ष चाईबासा में वार्षिक कार्यक्रम के रूप में आयोजन होते आ रहा है। अगले दो-तीन दिन में आयोजन कमिटि

बैठक में उपस्थित आदिवासी हो समाज युवा महासभा के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

के अंतर्गत सभी तैयारी कमिटियों का गठन कर आदिवासी हो समाज युवा महासभा के सदस्यों को प्रभार देते हुए जिम्मेवारी सौंपा जाएगा। विशेष रूप से आयोजन स्थल को लेकर चर्चा हुआ है। जिसमें मानकी ललित सवैंया, दुर्गाचरण उर्फ मुण्डा सवैंया और कृष्णा सवैंया सहित रैयत परिवार इस आयोजन में बराबर सहयोग करते आये हैं। बीते कुछ अंतराल में किसी कार्यक्रम को लेकर कुछ भूल-चूक हुआ है। इसके लिए सामाजिक रूप से आदिवासी हो समाज महासभा तथा आदिवासी हो समाज युवा महासभा का पूरा परिवार रैयत परिवार से क्षमा प्रार्थी है। रैयत परिवार के इस सहयोग के प्रति हो समाज सदैव आभारी बना रहेगा। आदिवासी हो समाज युवा महासभा के पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से इस आयोजन में सामाजिक और आर्थिक रूप से सहयोग करने के लिए अपील किया है। बैठक में महासभा राष्ट्रीय कमिटि के दियुरी सदस्य मैथ्यु देवगम, आदिवासी हो समाज युवा महासभा के महासचिव गब्बर सिंह हेम्ब्रम, संगठन सचिव सुशील सवैंया, कोषाध्यक्ष महर्षि महेन्द्र सिंकू, पूर्व संगठन सचिव सुनील सामड, पूर्व अनुमंडल अध्यक्ष शेरसिंह बिरूवा, सदस्य संजीव सिंकू, एडु चांपिया, सत्यव्रत बिरूवा, ओएबन हेम्ब्रम, सोना सेलेम हासदा, दूदूगर पिंगुवा, जामदार हेम्ब्रम, जगमोहन हेम्ब्रम आदि लोग मौजूद थे।

श्री मंदिर लोकार्पण समारोह के दौरान वार्ड में भ्रमण करेगा श्रीजगन्नाथ रथ

PHOTON NEWS ROURKELA : श्री मंदिर का उद्घाटन समारोह 17 जनवरी को होने जा रहा है, 'जगन्नाथ रथ' भगवान को समर्पित करने के लिए गांव से लेकर शहर के हर घर से चावल और सुपारी इकट्ठा करने के लिए राज्य भर में घूम रहा है। श्रीजगन्नाथ रथ इसी क्रम में राउरकेला शहर के सभी वार्डों में घूम-घूम कर जगन्नाथ मय जैसा माहौल बनायेगा।

राउरकेला शहर में ट्रेन के सुचारू संचालन के लिए राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल और नगर निगम के आयुक्त शुभंकर महापात्र की अध्यक्षता में एक पूर्व तैयारी बैठक आयोजित

की गई है। रथ राउरकेला शहर के सभी 40 वार्डों में भ्रमण कर संकीर्तन के माध्यम से आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण का निर्माण करेगा। बैठक में महानगर निगम के उपायुक्त सुदाशांशु भोई, सीतादेवी माझी, रानीत कुमार सहित जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट सह संकीर्तन मंडली और आरएमसी कर्मचारी उपस्थित थे।

हज भवन में अस्पताल क्यों नहीं बनवा देते तेजस्वी

गिरिराज सिंह बोले- ओवैसी जैसे लोग समाज में नफरत फैलाते हैं

बेगूसराय । बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और कंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर से तेजस्वी पर हमला बोला है। तेजस्वी यादव द्वारा मंदिर के बदले अस्पताल बनाने संबंधी बयान दिए जाने को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि मैंने उनसे आग्रह किया था आप उपमुख्यमंत्री हैं और हेल्थ मिनिस्टर भी हैं, क्यों नहीं हज भवन को अस्पताल बना देते हैं। उन्होंने कहा कि वहां बहुत बढ़िया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनेगा पर उपदेश कुशल बहुतेरे। उपदेश देने से अच्छा है कि यह काम कर दें। मैंने उसे दिन भी कहा था और आज भी कर रहा हूं कि यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति करते-करते मोदी जी को गाली देते हैं।ओवैसी समाज में नफरत फैलाते हैं गिरिराज सिंह ने शनिवार को बेगूसराय में कहा है कि बीजेपी सबका साथ सबका विश्वास के साथ चलती है। बदरुद्दीन अजमल को भले बीजेपी से नफरत हो, लेकिन बीजेपी मुसलमान से नफरत नहीं करती है। लेकिन राम जन्मभूमि के पेटीशनर इकबाल अंसारी थे, उनके पिताजी और वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हो रहे हैं। ओवैसी और बदरुद्दीन अजमल जैसे लोग समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं। बीजेपी सर्वधर्म में भरोसा रखती है और सर्वधर्म का सम्मान करती है। इनके तरह नहीं है कि जो मुस्लिम धर्म नहीं माने वह काफिर है।सिर्फ हिन्दुओं से नफरत करेंगे राम मंदिर बनाने के बदले रोजगार देने का सवाल उठाए जाने पर पलटवार करते हुए गिरिराज ने क कहा कि जानता हूं यह कितना रोजगार दे रहे हैं। इफ्तार करेंगे, लेकिन गरीब हिंदुओं को कभी खाना नहीं खिलाएंगे, हज करने वालों से कभी नफरत नहीं करेंगे। उनको कभी शिक्षा नहीं देंगे, सिर्फ हिंदू से नफरत करेंगे। समय पर कभी अपने आप को जनेऊधारी कहेंगे तो कहीं टोपी धारी रहेंगे। कांग्रेस भ्रम नहीं फैलाए

शनिवार को दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर नहीं जाने पर सवाल उठाए जाने को लेकर गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है।गिरिराज सिंह ने कहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी पार्टी ने देश में हिंसा फैलाने के सिवा और कुछ नहीं किया है। मणिपुर जाकर के उन्होंने पॉलिटिकल टूरिज्म किया है। मणिपुर का समाधान हमारे गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र कर रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के समय में मणिपुर 6 साल तक जलता रहा था और हमने उस पर कंट्रोल करने का काम किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के नेता लोगों में भ्रम नहीं फैलाएं। टीएमसी नेता के राशन घोटाले में गिरफ्तारी पर गिरिराज सिंह कहा कि बंगाल में लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

मां-बेटे समेत तीन की पिटाई

आरा । भोजपुर के चांदी थाना के जहनपुर गांव में शुक्रवार को सरकारी नल लगाने के विवाद को लेकर पड़ोसियों ने पति पत्नी समेत तीन लोगों की लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। तीनों गंभीर रूप में घायल हैं। उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार घायल में चांदी थाना के जहनपुर गांव निवासी गंगा दयाल(30),उनकी पत्नी सविता देवी (28) रीता देवी(30) शामिल है।इधर,गंगा दयाल ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा अपनी तरफ सरकारी नल लगवा लिया गया है। जब वह अपने दरवाजे के पास सरकारी नल लगवाने के लिए गली में तोड़फोड़ कर रहे थे। तभी उनके द्वारा मना किया जाने लगा। जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उनके तीनों लोगों की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी गई। जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।वहीं दूसरी ओर जख्मी गंगा दयाल ने अपने पड़ोसी सुरेंद्र साह एवं उनके परिवार वालों पर मारपीट कर तीनों लोगों को जख्मी करने का आरोप लगाया है। मारपीट के बाद पीड़ित परिवारों ने इसकी सूचना पुलिस को दी । हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

गांजा के साथ तस्कर समेत तीन लोग गिरफ्तार

शेखपुरा । गांजा के कारोबारियों की तलाश में बरबीघा पहुंची टेक्निकल सेल की पुलिस स्थानीय बरबीघा थाना पुलिस के साथ पुराने पेट्रोल पंप के पास छापेमारी करने गई। पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा की विशेष तकनीकी टीम का छापेमारी के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।तकनीकी टीम को सूचना मिली थी कि बरबीघा के रिलायंस ट्रेंड्स मॉल के नीचे गुमटी से गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के लिए कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और छापेमारी का विरोध करना शुरू कर दिया। इसी दौरान कुछ लोग पुलिस टीम के साथ भिड़ गए और मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस के साथ मारपीट करने के आरोप में 2 सहोदर भाइयों को दबोचा। इसके अलावा एक तस्कर भी धराया है।गिरफ्तार दोनों आरोपी नालंदा के सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत इसुआ गांव निवासी परमानंद सिंह के पुत्र बाबूलाल सिंह और समरजीत सिंह हैं। टीम ने बगल के एक पक्की गली से गांजा से भरा एक थैला सहित एक गांजा तस्कर को पकड़ा। तस्कर निकटवर्ती नालंदा जिले के सारे थाना क्षेत्र अंतर्गत खेतलपुरा गांव निवासी जनार्दन सिंह का पुत्र रजनीश कुमार है। उसके पास से लगभग 50 हजार रुपए मूल्य का गांजा, 73 चिलम,190 गोटी बरामद किया गया।

बरबीघा थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर सुनील दत्त ने बताया कि गिरफ्तार तीन आरोपियों के विरुद्ध अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। छापेमारी के दौरान दो भाइयों ने पुलिस से मारपीट भी की।

ईंट-भट्ठा श्रमिकों के बच्चों की समुचित व्यवस्था होगी

किशनगंज । किशनगंज शहर खगड़ा स्थित सर्किट हाउस में बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु का वरीय अधिवक्ता सह समाजसेवी कौशल किशोर यादव ने बुके देकर स्वागत किया। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने पीसी के माध्यम से बताया कि बाल श्रम उन्मूलन पर युद्धस्तर पर कार्य करना है। बाल मजदूरी करवाना बचपन, उनके स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित करना बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। इस वित्तिय वर्ष में 27 बच्चे विमुक्त किए गए है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम करते पकड़े जाने पर 20 हजार से 50 हजार रुपए जुमार्ना का प्रावधान है।बाल श्रम आयोग के अध्यक्ष श्री चक्रपाणि ने कहा कि पिछले वर्ष 15 दिनों तक विशेष अभियान चलाया गया था। जिसमें ईंट भट्ठों से कई बच्चों को मुक्त करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि यह सर्वे किया जा रहा है कि कितने बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र में है। अगर संख्या कम है तो वैसे बच्चे कहां है। उन्होंने कहा कि बच्चे के लिए विद्यालय व खेल का मैदान है ना की ईंट भट्टे। बाल श्रम विमुक्ति को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस माह भी अभियान चलाकर बच्चों को विमुक्त किए जाने का निर्देश दिया गया है। 31 जनवरी तक विशेष अभियान चलाए जाने का निर्देश

राहुल गांधी के दादा-दादी-पिताजी ने देश को लूटा

गोपालगंज । गोपालगंज में मां थावे भवानी के मंदिर में दर्शन करने पहुंचे बिहार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी और बिहार विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष हरी सहनी ने एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के द्वारा किए गए कार्यों की उपलब्धियां गिनाई। साथ ही उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा की राहुल गांधी के दादा-दादी और उनके पिता जी ने देश को लूटने का काम किया है। इसलिए अभी तक गरीबों का कल्याण नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव में सभी सीटें जितने का किया दावा थावे मंदिर में पुजा-पाठ के बाद सम्राट चौधरी और हरी सहनी भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप उर्फ मंटू गिरी के आवास पर आयोजित सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा की एनडीए एकजुट होकर बिहार की सभी 40 सीट जीतेगी। क्योंकि बिहार की जनता यह जानना चाहती है। वही 34 वर्ष बिहार में नीतीश और लालू राज में नीतीश और लालू ने बिहार को लूटने का काम किया है। बिहार के चीजों को भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ाने का काम किया है। बिहार की जनता इस 40 वर्षों के पूरे नीतीश लालू और कांग्रेस के राज को मुक्त करते हुए भाजपा को एक मौका देगी। उन्होंने कहा की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में 2025 में भाजपा का कोई कार्यकर्ता बिहार का मुख्यमंत्री बनेगा।

विवाहिता रहस्मयी तरीके से गायब

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में एक विवाहिता रहस्मयी तरीके से गायब हो गई है। विवाहिता के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव को गायब करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मामला जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र का है।मुजफ्फरपुर जिले के सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र निवासी शिव शंकर साह अपनी बेटी पूजा कुमारी (21) की शादी जिले के मीनापुर थम क्षेत्र के मेथनापुर निवासी उपेंद्र शाह के 26 वर्षीय पुत्र जितेंद्र से की थी। शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार 6 दिसंबर 2021 को हुई थी। लड़की के परिजनों का कहना है कि शादी के बाद दोनों काफी अच्छे से रह रहे थे। शादी के छह महीना बीतने के बाद जितेंद्र और उसके परिजन लड़की पर दहेज के रूप में 5 लाख रुपया, मोटरसाइकिल, पलंग, फ्रिज व अन्य सामान के लिए दबाव बनाने लगे। लड़की ने कई बार अपने परिजनों को इस संबंध में जानकारी दिया। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण लड़की पक्ष दहेज देने में असमर्थ थे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी प्रशिक्षु एएनएम

बेगूसराय । एनएम कर रही छात्राओं का सही तरह से इंटर्नशिप नहीं होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बेगूसराय में शनिवार से इसको लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू हो गया है। एएनएम स्कूल बखरी की छात्राएं सदर अस्पताल में इंटर्नशिप कराने की मांग को लेकर आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गई है। इस संबंध में अधिकारियों से जानकारी लेने की कोशिश की गई, लेकिन कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

भूख हड़ताल पर बैठी प्रशिक्षुओं का कहना है कि हम लोग 2021-23 बैच के प्रशिक्षु हैं। एक तो हम लोगों की परीक्षा लेट से ली गई, हम लोगों ने बखरी पीएचसी में क्लीनिकल ड्यूटी की अब इंटर्नशिप का कोई विकल्प नहीं है।

फरवरी से होने वाले इंटर्नशिप के लिए हम लोगों को बखरी अनुमंडलीय अस्पताल आवंटित किया गया है। लेकिन अभी तक बखरी में अनुमंडलीय अस्पताल बना ही नहीं है तो हम लोग इंटर्नशिप कहां करेंगे। प्रशिक्षण छात्राओं का कहना है कि नियम के अनुसार अनुमंडल स्तरीय अस्पताल या सदर अस्पताल में इंटर्नशिप कराना है। एएनएम स्कूल के प्रशिक्षुओं का इंटर्नशिप सदर अस्पताल में हो रहा है। इसलिए हम लोगों का इंटर्नशिप सदर अस्पताल में कराया जाए। प्रशिक्षित छात्राओं का कहना है कि इस संबंध में जब तक आदेश नहीं जारी होगा, हम लोग खाना-पीना छोड़कर भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

पति की डांट के बाद महिला ने किया सुसाइड

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना में पति की डांट के बाद महिला ने सुसाइड कर लिया। फैक्ट्री में ही बने कमरे में महिला ने पंखे से फंदा लगाया। यहां वह पति के साथ रहती थी। 3 साल पहले शादी हुई थी। उसकी डेढ़ साल की बेटी भी है।

मृतक महिला की पहचान खुशी (23) निवासी पटना (बिहार) के रूप में हुई है। बीते शुक्रवार को उसका पति के साथ झगड़ा हुआ था। इसी दौरान पति ने उसे डांटा था। बिहार का रहने वाला नीतीश कुमार 5 साल से लुधियाना रेलवे स्टेशन के पास एकता मार्केट में एक फैक्ट्री में काम कर रहा है। 3 साल पहले बिहार में उसकी शादी खुशी से हुई। शादी के बाद वह खुशी को लुधियाना में ले आया। जिस फैक्ट्री में वह काम करता है, उसी की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में वह पत्नी के साथ रहता था। यहां खुशी ने बच्ची को जन्म दिया।डांटने के बाद पति काम पर चला गया था, पत्नी ने लगाया फंदा 5 जनवरी यानी शुक्रवार की दोपहर बाद खुशी और नीतीश में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान नीतीश ने पत्नी को डांट लगाई। इसके बाद वह नीचे फैक्ट्री में काम करने के लिए चला गया। इस डांट से खुशी इतनी आहत हुई कि उसने पंखे की रोड से फंदा लगाकर जान दे दी। इसका पता तब चला जब देर रात को नीतीश कमरे में पहुंचा। पत्नी को लटका देख उसके होश उड़ गए। इसके बाद उसने फैक्ट्री मालिक का सूचना दी। सूचना पर फैक्ट्री मालिक मौके पर पहुंचा और नीतीश के साथ मिलकर खुशी को नीचे उतारा। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों के बीच पहले भी झगड़ा होता रहता था।

29 दिसंबर से युवक लापता

नालंदा । 29 दिसंबर से नालंदा का एक युवक लापता है। मामला चेरो ओपी अंतर्गत तीरा गांव निवासी प्रेमन कुमार से जुड़ा हुआ है। इस मामले में प्रेमन के परिजन गुमशुदगी का मामला दर्ज कराने के लिए दर दर भटक रहें हैं। बावजूद पुलिस मामले में संज्ञान नहीं ले रही है।

प्रेमन कुमार की मां ने बताया कि 25 दिसंबर को उनका बेटा नौकरी के सिलसिले मे पटना जाने और 2 दिनों में वापस लौटने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन पटना जाने के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। कई बार प्रयास किया गया, इसके बाद 29 दिसंबर की सुबह में बात हुई और वह बोला कि वह अभी पटना में है। वो बाद में बात करेगा। उसके बाद फोन फिर से बंद हो गया।तब से लेकर आजतक उसका फोन स्विच ऑफ आ रहा है। काफी खोज बिन करने के उपरांत भी उसका कहीं अता पता नहीं चल सका।

चिकेन पार्टी में विवाद के बाद दोस्त का मर्डर

आरा । भोजपुर में रेलवे कर्मचारी के बेटे की हत्या मामले में पुलिस ने पांच लोगों को अरेस्ट किया है। चिकेन पार्टी के दौरान हंसी मजाक की वजह से हुआ विवाद के बाद मर्डर किया गया। उसके दोस्तों ने ही संतोष कुमार(18) को गोली मार दी। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चांदी थाना क्षेत्र भदवर गांव निवासी मनीष कुमार, ओम प्रकाश कुमार उर्फ प्रियांशु, निखिल कुमार, संजय कुमार उर्फ टिलू कुमार और जयजनम राय के रूप में हुई है। जयजनम राय ऑटो चालक हैं। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त एक देसी पिस्टल, एक कट्टा और चार एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए है। मृतक और आरोपित आपस में दोस्त है।इधर, एएसपी चंद्र प्रकाश ने बताया कि गुरुवार की रात गांव के बगीचे खाने-पीने के किसी बात के दौरान उपजे विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया है । संतोष गुरुवार की देर शाम अपने घर से खाना खाने के बाद दोस्तों के बुलाने के बाद अपने दोस्त मनीष के साथ बगीचे की ओर गया हुआ था। जहां पहले पांच से छह दोस्त वहां मौजूद थे। इस दौरान बगीचा में चिकेन पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

डाका डालने मुंबई से फ्लाइट से आता बिहार

लूट गैंग करती हायर, पहली गोली वही चलाता, बेगूसराय-समस्तीपुर में लूटे थे एक-एक करोड़

बेगूसराय। बिहार पुलिस ने ऐसे डकैत को गिरफ्तार किया है,जो वारदात को अंजाम देने के लिए मुंबई से फ्लाइट से आया करता था। यहां की लूट गैंग उसे हायर करती थी। वारदात के दौरान सबसे पहले हथियार वहीं निकलता था।

हाल ही में बेगूसराय में रत्न मंदिर ज्वेलर्स लिमिटेड में दिनदहाड़े हुई डकैती मामले में पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया है। इसका नाम कृष्णा उर्फ विवेक है। दिसंबर 2022 को समस्तीपुर में भी हीरा ज्वेलर्स में हथियार के बल पर डकैती हुई थी। जहां एक करोड़ के गहने समेत 50 हजार कैश की लूट हुई थी। कृष्णा इसमें भी शामिल था। बेगूसराय में लूटकांड का सीसीटीवी भी सामने आया था। इसके जरिए पुलिस ने लूटकांड में शामिल 6 बदमाशों को अरेस्ट किया है। अपराधियों के बीच 4 देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, एक लाख कैश और भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया है कि 15 दिन पहले नगर थाना क्षेत्र में हथियार के बल पर दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात को अपराधियों ने अंजाम दिया था। विरोध करने पर एक स्टाफ को गोली मारकर घायल कर दिया था। गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। सीसीटीवी के फुटेज के आधार पर बदमाशों को चिन्हित किया गया। गिरफ्तारी के लिए 6 विशेष टीम को लगाया गया था।समस्तीपुर लूट के वक्त भी मुंबई से आया था6 दिसंबर 2022 को समस्तीपुर में हीरा ज्वेलर्स में हथियार के बल पर डकैती हुई थी। डकैतों ने एक करोड़ के गहने समेत 50 हजार कैश लूट लिए थे। कृष्णा उर्फ विवेक इस वारदात में भी शामिल था। बताया जाता है कि उस वक्त वो फ्लाइट से मुंबई से पटना आया था। उसके बाद कार से समस्तीपुर पहुंचा था। कृष्णा मुंबई में फ्लैट लेकर रहता है। वो मूल रूप से मुजफ्फरपुर का रहने वाला है।कृष्णा उर्फ विवेक पर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। बेगूसराय लूट में सबसे पहले कृष्णा ने ही पिस्टल निकालकर रत्न मंदिर ज्वेलर्स के कर्मचारियों को अपने कब्जे में लिया था।पिता पर भी हत्या का आरोप...मुंबई में रहता है पूरा परिवार

चौंकाने वाला डर

हिट-एंड-रन दुर्घटना वाले मामलों को जल्दबाजी या लापरवाही से हुई मौत का गंभीर रूप मानने वाला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का प्रावधान, इस नए और शीघ्र ही लागू की जाने वाली संहिता का पहला ऐसा नुक्ता है जिसकी गंभीरता की परख होनी है। बीएनएस की धारा 106 के निहितार्थों को लेकर चिंतित ट्रक चालकों द्वारा काम बंद कर दिए जाने के मद्देनजर, सरकार ने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के साथ परामर्श के बाद ही इस धारा को लागू करने का वादा किया है। हालांकि ट्रांसपोर्टरों के संगठनों द्वारा यह रुख व्यक्त किए जाने के बाद कि हड़ताल का सहारा मुख्य रूप से चालकों द्वारा लिया गया है जिन्हें अतिरिक्त आपराधिक दायित्व का डर सता रहा है, इस मसले से कुशलता के साथ निपटने की जरुरत है। यह अब एक ऐसा मुद्दा बन गया है जो परिवहन का व्यवसाय चलाने वालों से ज्यादा परिवहन क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों से जुड़ा है। ऐसा लग सकता है कि हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं से संबंधित दंडात्मक प्रावधानों को और ज्यादा सख्त बनाने वाले कानून के खिलाफ होने वाली यह हड़ताल अनुचित है, खासकर उस संदर्भ में जब सड़क दुर्घटनाएं इस देश में होने वाली मौतों का एक प्रमुख सबब बन रही हैं। हालांकि, इस हड़ताल ने इस सवाल पर भी ध्यान खींचा है कि क्या सभी मामलों में दुर्घटनाओं के लिए जेल की सजा को दो से बढ़ाकर पांच साल और अधिकारियों को दुर्घटना के बारे में सूचित करने में विफल रहने पर 10 साल तक बढ़ाना जायज है। बीएनएस की धारा 106 उस भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304ए की जगह लेगी, जो गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में नहीं आने वाली जल्दबाजी और लापरवाही भरी हरकतों के चलते होने वाली मौत पर दंड देती है। मौजूदा धारा में दो साल की जेल की सजा का प्रावधान है। धारा 106 के तीन घटक हैं: पहला, इसमें जल्दबाजी या लापरवाही से किए गए कार्यों के चलते होने वाली मौत के लिए जुमार्ने के अलावा पांच साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। दूसरा, यह धारा पंजीकृत चिकित्सकों के लिए कम आपराधिक दायित्व का प्रावधान करती है। अगर चिकित्सा प्रक्रिया के दौरान मृत्यु होती है, तो दो साल की जेल की सजा हो सकती है। इस धारा का दूसरा खंड सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित है, जिसमें अगर तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने वाला व्यक्ति घटना के तुरंत बाद किसी पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को इसकी सूचना दिए बिना भाग जाता है, तो कारावास की सजा को 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुमार्ना लगाया जा सकता है। चालक भीड़ द्वारा पीटकर मार दिए जाने के डर से दुर्घटनास्थल से भाग जाते हैं। ऐसे मामलों में, अधिकारियों का यह मानना है कि ऐसे ड्राइवर अपराध स्थल से दूर जा सकते हैं और फिर पुलिस को सूचित कर सकते हैं। हिट-एंड-रन शब्दावली का आशय वैसे मामलों से है जिसमें दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान नहीं हो पती है। इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि एकबारगी घातक दुर्घटना करने वाले व्यक्ति की पहचान हो जाने के बाद, जल्दबाजी या लापरवाही के लिए दोषी साबित करने की जिम्मेदारी पुलिस पर पहले जैसी ही रहे।

नेतन्याहू को झटका

इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नेसेट (संसद) द्वारा पारित न्यायपालिका की शक्तियों को कम करने वाला कानून रद्द कर दिया है। यह गाजा में नृशंस युद्ध लड़ रहे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए एक साफ झटका है। जुलाई 2023 में विपक्ष के बहिष्कार के बाद 120-सदस्यीय संसद में 64-0 से पारित इस कानून ने युक्तियुक्तता के सिद्धांत (रीजनेबिलिटी डॉक्ट्रिन) को हटा दिया था। यह सिद्धांत एक कानूनी कसौटी था जिसका इस्तेमाल देश के जजों द्वारा सरकार के निर्णयों और मंत्रालयी नियुक्तियों के आकलन के लिए किया जाता था। इजराइल के बुनियादी कानूनों में संशोधन करने वाला यह नया कानून दक्षिणपंथी-धार्मिक सरकार के उस सुधार पैकेज का हिस्सा था जिसका मकसद न्यायपालिका पर सरकार को ज्यादा शक्ति प्रदान करना है। सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन के बावजूद, गठबंधन सरकार ने नेसेट में इसका पहला हिस्सा पारित कर दिया। सरकार समर्थकों का दावा है कि अदालत के पास किसी बुनियादी कानून पर फैसला देने की शक्ति नहीं है, और अतीत में उसने ऐसा कभी नहीं किया है। लेकिन सोमवार को, सुप्रीम कोर्ट अपने इतिहास में पहली बार 15 जजों के पूरे पैनल के साथ बैठा और 12 बनाम 3 के बहुमत से यह निर्णय दिया कि उसे बुनियादी कानूनों पर फैसला देने का अधिकार है। सात असहमत जजों के मुकाबले आठ जजों ने युक्तियुक्तता कसौटी हटाने वाला कानून रद्द करने के पक्ष में फैसला दिया। युक्तियुक्तता सिद्धांत कोई ऐसी अनोखी कसौटी नहीं है जिसका इस्तेमाल सिर्फ इजराइल की अदालतों में होता है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन जैसे दूसरे उदार लोकतंत्रों में जज सरकार के निर्णयों के युक्तियुक्त होने का आकलन करते हैं। इजराइल एक-सदनीय संसद, औपचारिक राष्ट्रपति और बिना किसी लिखित संविधान वाला देश है। ऐसे देश में व्यवस्था में चेक और बैलेंस (नियंत्रण एवं संतुलन) के लिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता बेहद अहम है। इजराइल की धुर-दक्षिणपंथी सरकार इस संतुलन को उस नेसेट के पक्ष में झुकाना चाह रही है, जिसमें दक्षिणपंथी, बस्तियां बसानेवालों की समर्थक और अति-रूढ़िवादी दलों का दबदबा है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल के लिए न्यायिक सुधार की इस योजना पर ब्रेक लगा दिया है। उसका फैसला नेतन्याहू के लिए अनिश्चितता भरे समय में आया है।

पूर्वोत्तर: नवाचार के माध्यम से विकास को गति

ANALYSIS

जी किशन रेड्डी

दस साल बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिरीबाम-इम्फाल में दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे घाट पुल एक जीवंत तकनीकी चमत्कार है, जो स्थलाकृति की चुनौतियों के बावजूद निर्बाध परिवहन संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। 2014 के बाद से क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 5 लाख करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं। प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास की रणनीति के अनिवार्य हिस्से बन गए हैं, जिनसे इस पहल को और गति मिली है। सार्वजनिक सेवा सुविधा व शासन से लेकर युवा और उद्यम तक, प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग पूर्वोत्तर भारत के अमृत काल में एक नई क्रांति का वादा कर रहा है। मजबूत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के निर्माण में नवीनतम तकनीक का प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इससे प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी सड़कें अधिक सुदृढ़ रहेंगी। इसके अलावा, उत्तर पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के तत्वावधान में सभी राज्यों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्र; आपदा प्रबंधन; वन, पारितंत्र और पर्यावरण; जल संसाधन प्रबंधन; चिकित्सा और स्वास्थ्य; योजना और विकास तथा परिवहन संचार के क्षेत्र में कार्य योजनाएं तैयार की हैं।

एक दशक पहले विशाल वन क्षेत्र और भूमि से घिरी भौगोलिक स्थिति के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण स्थलाकृति को क्षेत्र के विकास और परिवहन संपर्क के लिए एक प्राकृतिक बाधा के रूप में माना जाता था। दस साल बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिरीबाम-इम्फाल में दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे घाट पुल एक जीवंत तकनीकी चमत्कार है, जो स्थलाकृति की चुनौतियों के बावजूद निर्बाध परिवहन संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। 2014 के बाद से क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 5 लाख करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं। प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास की रणनीति के अनिवार्य हिस्से बन गए हैं, जिनसे इस पहल को और गति मिली है। सार्वजनिक सेवा सुविधा व शासन से लेकर युवा और उद्यम तक, प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग पूर्वोत्तर भारत के अमृत काल में एक नई क्रांति का वादा कर रहा है। मजबूत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के निर्माण में नवीनतम तकनीक का प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इससे प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी सड़कें अधिक सुदृढ़ रहेंगी। इसके अलावा, उत्तर पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के तत्वावधान में सभी राज्यों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्र; आपदा प्रबंधन; वन, पारितंत्र और पर्यावरण; जल संसाधन प्रबंधन; चिकित्सा और स्वास्थ्य; योजना और विकास तथा परिवहन संचार के क्षेत्र में कार्य योजनाएं तैयार की हैं। कृषि और बागवानी इस क्षेत्र के दो सबसे संभावना वाले क्षेत्र हैं, जिनमें आर्थिक विकास और आजीविका

सृजन की अपार संभावनाएं हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग भू-क्षेत्र व बागवानी अवसंरचना को मापने, स्थल उपयुक्तता के मूल्यांकन, किसानों के लिए मोबाइल ऐप आदि के लिए किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसटीआईएनईआर), जो एनईआर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पूर्वी परिषद (एनईसी) के तहत एक समर्पित योजना है, के माध्यम से 600 से अधिक उद्यमियों, हजारों किसानों और कारीगरों को विभिन्न प्रौद्योगिकियों से लाभ हुआ है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय परियोजनाओं की निगरानी के लिए भी प्रौद्योगिकी का गहनता से उपयोग कर रहा है। लगभग सभी परियोजना स्थलों को जियो-टैग किया गया है और एक परियोजना निगरानी पोर्टल लॉन्च किया गया है। डिजिटल नवाचार परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन और कुशल निगरानी में मदद कर रहा है। पहली बार पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने राज्य सरकारों के साथ सहज सहयोग के लिए सभी राज्यों में अपनी क्षेत्रीय इकाइयां स्थापित की हैं। क्षेत्रीय इकाइयों के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से इकाइयां परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन और राज्य सरकार तथा केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेंगी। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, टेलीमेडिसिन और मोबाइल डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से डिजिटल उपायों का समन्वय चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। धरातल पर किए जाने वाले एक महत्वपूर्ण विकास में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और टाटा ट्रस्ट के सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। इन सहयोगात्मक प्रयासों का लक्ष्य सभी पूर्वोत्तर राज्यों में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल स्थापित करना है। डोनर ने पहले ही गुवाहाटी में उच्च तकनीक वाले डॉ. बी. बोरूआ कैंसर संस्थान के लिए पीएम-डिवाइन पहल के तहत 129 करोड़ रुपये का पर्याप्त अनुदान आवंटित किया है। इसके अलावा, 5जी आधारित स्वास्थ्य अनुप्रयोगों को इस क्षेत्र के सभी राज्यों में शुरू किया गया है ताकि घर-घर निदान, टेलीमेडिसिन आदि जैसी सुविधाओं को संभव बनाया जा सके। इन उपलब्धियों में नई कड़ी जोड़ते हुए, असम के गुवाहाटी में एक अत्याधुनिक 3डी प्रिंटिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया है जो स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। तकनीकी प्रगति से इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली व कुशल युवाओं के लिए नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। हाल ही में, हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में भारत की पहली 5-जी प्रशिक्षण प्रयोगशालाएं शुरू कीं। ये प्रयोगशालाएं डिजिटल खाई को पाटने और भविष्य के अनुकूल कौशल हासिल करने में युवाओं की सहायता करेंगी। सिक्किम और असम में 75 सरकारी स्कूलों और 4 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटी) में स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम सुविधाएं स्थापित कर-के टेली-एजुकेशन की एक सफल परियोजना क्रियान्वित की गई है। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य इस इलाके के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। डोनर भविष्य में ऐसी और पहलों को वित्तपोषित करेगा। प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में उभरते उद्यमियों की अगली कतार तैयार करने हेतु एमईआईटीवाई देशभर में विशिष्ट डोमेन से जुड़े उत्कृष्टता केन्द्र भी स्थापित कर रहा है। इस क्षेत्र के सभी आठ राज्यों की राजधानियों में स्वास्थ्य सेवा, कृषि में आईओटी, ग्राफिक डिजाइन, गेमिंग, जीआईएस आदि से संबंधित उत्कृष्टता केन्द्र खोले जा रहे हैं। यह क्षेत्र जल्द ही शुरू होने वाले पूर्वोत्तर के लिए राष्ट्रीय डेटा सेंटर से भी लाभान्वित होने के लिए तैयार है। कुल 348 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा यह डेटा सेंटर इस क्षेत्र की डिजिटलीकरण क्षमता को बढ़ाएगा, सभी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और सभी क्षेत्रों में सेवाओं की आपूर्ति को सुदृढ़ करेगा। हाल के वर्षों में पूर्वोत्तर ने डिजिटल सुविधाओं को अपनाने की दिशा में काफी संभावनाएं दर्शायी हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में, 47 प्रतिशत लोगों के पास स्मार्टफोन हैं, जो 48 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत लगभग बराबर है। दिलचस्प बात यह है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में मोबाइल और बैंक खातों का लिंकेज भी 86 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत के बराबर है। हम सामान्य सेवा केंद्रों के विकास, आधार की पहुंच में वृद्धि और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण व भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु इस अवसर का उपयोग करके इसका लाभ उठाने के लिए विभिन्न गतिविधियों की रणनीति बना रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पास प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से अपने विकास को गति देने का जबरदस्त अवसर है। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप, नीति निमार्ताओं, व्यवसाय जगत तथा व्यक्तियों को एक साथ आना चाहिए और इस अवसर का लाभ उठाने तथा व्यापक जन कल्याण के उद्देश्य से इसे अपनाने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करना चाहिए। निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए और अपनी दक्षता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने हेतु डिजिटलीकरण, स्वचालन और डेटा विश्लेषण को अपनाना चाहिए। पूर्वोत्तर क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव का हिस्सा बनने का यह एक रोमांचक समय है और इस क्षेत्र को तकनीकी-नवाचार और तकनीक-आधारित उद्यमिता के पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

लेखक, भारत सरकार में केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री हैं।

गुणवत्ता मानकों पर कफ सीरप सैंपल्स की विफलता

देश की 54 दवा निमार्ता कंपनियों के कफ सीरप के 128 सैंपल्स का गुणवत्ता के मामलों में खरा नहीं उतरना चिंता का विषय होने के साथ जघन्य अपराध से कम नहीं आंका जाना चाहिए। मामला सीधे स्वास्थ्य से जुड़ा होने के साथ देश की अस्मिता को भी प्रभावित करने वाला है। दरअसल भारतीय दवा निमार्ता कंपनियों द्वारा निर्यात किए जाने वाले कफ सीरप की गुणवत्ता को लेकर गाम्बिया में 70 बच्चों और उज्बेकिस्तान के 18 बच्चों के कफ सीरप के कारण किडनी पर गंभीर असर होने से मौत होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मुद्दा गंभीरता से उठ गया और ऐसे हालात में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गंभीर चिंता जताने में कोई देरी नहीं की। लाख सफाई देने के बावजूद इससे ना केवल देश की प्रतिष्ठा पर प्रभाव पड़ा है अपितु भारत के दवा उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा होना पड़ा है। हालांकि इस घटना के बाद भारत सरकार ने 1 जून, 2023 से ही देश से बाहर निर्यात होने वाले कफ सीरप की गुणवत्ता व मानकों पर खरा होने का सरकारी प्रयोगशाला से परीक्षण कराकर विश्लेषण प्रमाणपत्र प्राप्त करना जरूरी कर दिया है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय दवा उद्योग का दबदबा होने के साथ वैक्सीन निर्माण, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर उपलब्ध होना बड़ी उपलब्धि रही है। हमारे देश में बनी जेनेरिक दवाओं की तो अमेरिका सहित दुनिया के देशों में जबरदस्त मांग है। देखा जाये तो भारतीय दवा उद्योग की विश्वव्यापी पहचान और धाक है। कोरोना का उदाहरण हमारे सामने है जब अमेरिका द्वारा मलेरिया की दवा प्राप्त करने के लिए भारत पर दबाव बनाया गया, वहीं दुनिया के देशों को सर्वाधिक कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराने में भारत की भूमिका को समूचे विश्व द्वारा सराहा गया। ऐसे में कफ सीरप की गुणवत्ता को लेकर उठाया गया प्रश्न ना केवल चिंता का विषय है अपितु विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। दवाओं के निर्यात में भारत की भूमिका को इसी से देखा जा सकता है कि भारत द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 17.6 बिलियन डॉलर के केवल कफ सीरप का निर्यात किया गया। दुनिया के देशों की टीकों की मांग की 50 प्रतिशत आपूर्ति हमारे देश द्वारा की जा रही है। अमेरिका में जेनेरिक दवाओं की 50 प्रतिशत मांग को हमारे यहां से किया जा रहा है। इंग्लैण्ड में दवाओं की मांग की 25 प्रतिशत पूर्ति भारत द्वारा की जा रही है। समूचे विश्व में भारतीय दवाओं की मांग है। इसका एक कारण गुणवत्ता है तो दूसरी ओर तुलनात्मक रूप से सस्ती होना भी है। ऐसे में कफ सीरप के कुछ सैंपल का गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरने की रिपोर्ट पर भारत सरकार गंभीर हो गई। सवाल यह उठता है कि ऐसे हालात ही क्यों आए? आखिर निर्यात करने वाली दवा कंपनियों का भी दायित्व होता है। जब कोई वस्तु निर्यात की जाती है तो उसके गुणवत्ता मानकों पर खरा होना भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। वैसे भी दवा जीवनरक्षक होती है अगर यह जीवन लेने का कारण बन जाए तो यह गंभीर अपराध हो जाता है। कोई दो राय नहीं कि भारत सरकार गुणवत्ता को लेकर और अधिक गंभीर हो गई है पर सैंपल जांच के जो परिणाम प्राप्त हुए हैं यह अपने आप में गंभीर है। प्राप्त सरकारी आंकड़ों के अनुसार केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन संस्थान द्वारा विभिन्न कंपनियों के कफ सीरप के सैंपल्स का परीक्षण किया गया, इनमें से 54 कंपनियों के 128 सैंपल्स गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। अब कहा यह जा रहा है कि केवल 6 प्रतिशत सैंपल्स विफल रहे हैं पर सवाल 6 प्रतिशत का नहीं है। यह सफाई भी नहीं दी जा सकती कि सैंपल तो एक भी विफल होता है तो वह किसी की जान लेने का कारण बन सकता है। गुणवत्ता मानकों की जांच से यह तथ्य सामने आया है और यह तब है जब दवा निमार्ता कंपनियों का अपना परीक्षण का सेटअप होता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि दवा निमार्ता कंपनियों की प्रयोगशालाएं गुणवत्ता जांच को लेकर उतनी गंभीर नहीं है जितनी गंभीरता होनी चाहिए। केन्द्र सरकार का कहना है कि 125 से अधिक कंपनियों का जोखिम आधारित विश्लेषण किया गया जिसमें से 71 कंपनियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। 18 कंपनियों को बंद करने के नोटिस दिए गए हैं। इसे सरकार की सकारात्मक पहल माना जा सकता है पर जो कुछ किया जा रहा है वह नाकाफी है। सरकार को कड़े कदम उठाने ही होंगे। कंपनियों को बंद करना कोई इलाज नहीं है क्योंकि कल यही किसी दूसरे नाम से कंपनी बनाकर सामने आ जाएंगे। वैसे भी नकली दवा बनाना या गुणवत्ता मानकों में दवाओं का विफल रहना किसी क्रिमिनल अपराध से कमतर नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में कठोर से कठोर सजा के प्रावधान के साथ ऐसे उदाहरण भी सामने आने चाहिए कि नकली या गुणवत्ता पर खरी नहीं उतरने पर दवा निमार्ता को कठोर दंड दिया गया। कपंनियों को भी अपनी प्रयोगशाला को अधिक आधुनिक व इंटरनेशनल मानकों के मुताबिक बनानी होगी ताकि इस तरह के हालात ना आयें।दवा चाहे खांसी की हो या किसी सामान्य बीमारी की, गुणवत्ता के मानकों को उसे पूरा करना ही होगा। इसे सरकार को जहां सुनिश्चित कराना होगा वहीं निमार्ता कंपनियों को भी सुनिश्चित करना होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

प्रभु श्री राम की पावन नगरी अयोध्या को दुनियाभर से जोड़ने के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्प है। इसी कड़ी में यहां के एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट घोषित करने के साथ ही इसका नाम ह्यमहर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह कदम महर्षि वाल्मीकि जी को देशभर के हमारे परिवारजनों की ओर से एक आदरपूर्ण श्रद्धांजलि है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

महिला विरोधी हेमंत जी जवाब दीजिए कि नारी सुरक्षा या नारी हितों को लेकर आपकी 4 साल की फरेबी सरकार ने झूठे वादे,फरेबी सोच और जुमेलबाजी के अलावा प्रदेश में नारी सशक्तिकरण को लेकर क्या कदम उठाए? मानव तस्करी, महिलाओं के साथ अत्याचार और दुष्कर्म को बढ़ावा देने के अलावा आपकी भ्रष्टाचारी सरकार ने क्या किया? झारखंड में ठगबंधन के सरगना बने हेमंत सोरेन माफीनामा दो, इस्तीफा दो या तो जवाब दो!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नये साल में चुनाव, मुद्दे और दल

हम कह सकते हैं कि 2023 प्रतिध्रुवों का वर्ष रहा। राजनीतिक एवं धार्मिक टकराव, केंद्र-राज्य तनाव, खेल स्कैंडल, जांच एजेंसियों का अतिक्रमण और प्रतिस्पर्धात्मक कल्याण योजनाओं की घोषणा आदि ने जहां आख्यान को आक्रांत किया, वहीं शेयर बाजार में तेजी, मनोरंजन उद्योग का विस्तार, खेलों में जीत और अंतरिक्ष अभियानों ने देश का मान बढ़ाया। नया साल अतीत को दुहराने के लिए तैयार दिख रहा है। पहली छमाही में पहले से भी अधिक अभद्रता और टकराव देखने को मिल सकता है, क्योंकि पार्टियां चुनावी मैदान में उतरेंगी। सोशल मीडिया पर झूठ और मूर्खता का वर्चस्व होगा। भरोसेमंद टिप्पणी और समाचार की जगह आरोप-प्रत्यारोप के शोर से भरे टीवी चैनल अखाड़ों की तरह दिखेंगे। पार्टियां और कॉर्पोरेट माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर लाखों खाते बनायेंगे। डीप फेक के जरिये विरोधियों को बदनाम करने की कोशिशें होंगी। मुख्य रूप से निम्न मुद्दों की गूंज पूरे साल सुनाई देगी। अजेय और भरोसेमंद होने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि हालिया चुनावों में और पक्की हुई है। उनके शब्द उनके समर्थकों के लिए अकाट्य सत्य होते हैं। ह्यमोदी की गारंटीह्व भविष्य के लिए भाजपा का नया पासवर्ड है। पूरे साल ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की चर्चा होगी, जो वादों से अधिक कार्य करते हैं। देश भर में उनके पोस्टर और बोर्ड होंगे। उनकी उपस्थिति शारीरिक, भावनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वोटरों तक पहुंचती रहेगी। किसी भी अन्य प्रधानमंत्री की तुलना में अधिक समय उन्होंने दिल्ली से बाहर बिताया है और देश भर में पार्टी का हौसला बढ़ाया है। उन्हें भारत की फिर से खोज करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे देश की विविधताओं से अच्छी तरह परिचित हैं। उन्होंने अपने हिंदुत्व एजेंडा को पूरा किया है, पर 2024 में उन्होंने अधिक विकास मुहैया कराना होगा। कल्याण योजनाओं का मोदी का अर्थशास्त्र उन्हें वोट दिला सकता है, पर दीर्घ काल में आर्थिक मजबूती इससे कमजोर हो सकती है। उन्हें जल्दी से आय विषमता को ठीक करना चाहिए और धन वितरण पर ध्यान देना होगा ताकि पूंजीवाद बढ़ाने का कोई संकेत न निकले। मोदी के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी मोदी ही हैं। इस वर्ष उनकी गारंटी है कि वे अपने बेहतरीन स्वरूप से भी बेहतर साबित होंगे। क्या भारत को सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता मिलेगी? क्या यह ग्लोबल साउथ का नेता हो सकता है? क्या पड़ोसियों से संबंध बेहतर होंगे? अमेरिका का सहयोगी होने की अपनी छवि से क्या भारत मुक्त हो सकता है? चुनावी रणनीति के निर्देशन में मोदी के व्यस्त होने के कारण विदेश मंत्री जयशंकर को पुतिन से मुलाकात कर कूटनीतिक रूप से सभी से बराबर दूरी रखने का संकेत देना पड़ा। जी-20 में मिले मोदी के लाभ पूरे साल बहाल रहने चाहिए। गाजा संघर्ष में भारत की भूमिका नहीं दिख रही है। विश्व नेताओं के साथ प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत संबंधों के लाभ के लिए उन्हें आक्रामक चीन और पाकिस्तान से निपटना होगा। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी ने 120 देशों की यात्रा में 240 दिन बिताये हैं। जयशंकर का आंकड़ा 290 दिनों का है। उनका पसंदीदा गंतव्य अमेरिका है। भारत ने अमेरिकी खेमे के विरुद्ध एक अन्य कूटनीतिक दबाव समूह बनाने में ठोस प्रगति की है। पिछले साल अमेरिका-रूस तनातनी के कारण भारत रणनीतिक कूटनीति में प्रभावी भूमिका नहीं निभा सका, पर इस वर्ष भारत हर वैश्विक मामले को प्रभावित करने की स्थिति में होगा। भाजपा का ठोस विकल्प बनाने का विचार पिछले साल आया, पर अंततः विपक्षी खेमे में विचारधारा और नेतृत्व को लेकर दरारें पड़ गयीं। हाल में कांग्रेस की हार विपक्ष को किसी तरह एकजुट होने को मजबूर करेगी।

त्रुटियों-भरी बाध्यता

सरकार ने आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के जरिए भुगतान पाने के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत काम करनेवालों के आधार ब्योरे को उनके जॉब कार्ड से जोड़ने की समयसीमा 31 दिसंबर, 2023 के बाद बढ़ाने से इनकार कर दिया है। इसे देखते हुए यह प्रणाली अब बाध्यकारी बन चुकी है। चिंता की बात यह है कि यह निर्णय भुगतान के इस तरीके के लिए तकरीबन 35 फीसदी जॉब कार्ड धारकों को और 12.7 फीसदी ह्यसक्रियह्व कामगारों (जिन्होंने बीते तीन वित्तीय वर्षों में कम-से-कम एक दिन काम किया है) को प्रभावित करेगा। इससे यह मांग-चालित योजना बहुत से लोगों के लिए आकर्षक नहीं रह जायेगी। केंद्र सरकार का दावा है कि एबीपीएस लागू होने से जल्द भुगतान सुनिश्चित होगा, भुगतान खारिज होने के मामले घटेंगे और तमाम घपले बंद होंगे। सरकार का यह भी तर्क है कि चूंकि मनरेगा में एबीपीएस 2017 से ही है, और आधार नंबर की उपलब्धता भारत में लगभग सर्वव्यापी हो चुकी है, इसलिए एबीपीएस मजदूरी भुगतान का एक सशक्त और ज्यादा सुरक्षित तरीका है। हालांकि, तकनीकी साधनों पर अति-निर्भरता ने समस्याजनक क्रियान्वयन को जन्म दिया है, जहां लाभार्थियों के पास प्रणाली में भूल-सुधार के लिए कोई उचित उपाय नहीं है। लिबटेक इंडिया द्वारा विश्लेषित आंकड़े बताते हैं कि आधार और जॉब कार्ड के बीच असंगति व अन्य कारणों के चलते बीते 21 महीनों में 7.6 करोड़ कामगारों के नाम हटाये गये हैं। इनमें बहुत से नाम त्रुटिपूर्ण ढंग से हटाये गये हैं। आधार-आधारित भुगतान के इस्तेमाल से दूसरे मसले भी जुड़े हुए हैं। इसमें प्रक्रिया के किसी भी चरण में त्रुटि से भुगतान विफल हो जाते हैं। कामगारों के जॉब कार्ड और आधार के बीच वर्तनी (स्पेलिंग) की असंगति का मसला है। इसके अलावा, बहुतों के आधार नंबर गलत बैंक खातों से जोड़ दिये गये हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

टीपीएफ पर सामाजिक सुरक्षा समझौते, वीजा, कृषि मुद्दों पर चर्चा होगी

नई दिल्ली ।

भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की अगले सप्ताह आयो जित होने वाली बैठक में भारत प्रस्तावित सामाजिक सुरक्षा समझौते, वीजा और कृषि व्यापार को प्रोत्साहन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन तेई 13-14 जनवरी को दिल्ली में बैठक होना है जिसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शिरकत करेंगे। यह भारत-अमेरिका टीपीएफ की 14वीं मंत्री-स्तरीय बैठक होगी। भारत अमेरिका के साथ समग्र समझौते के संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा की मांग कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि बीज-रहित अंगूर से संबंधित मुद्दे हैं। अमेरिका के भी कुछ मुद्दे हैं। सामाजिक सुरक्षा समझौता और गतिशीलता पर हमारा मुख्य ध्यान रहने वाला है। इस समझौते में किसी भी देश में रहने वाले प्रवासी को मेजबान देश की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अंशदान की जरूरत नहीं होती है। यह समझौता होने पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को लाभ होगा। फिलहाल भारतीय पेशेवर अमेरिकी सामाजिक सुरक्षा के लिए भुगतान कर रहे हैं लेकिन इसका कोई लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इस मंच की पिछली बैठक जनवरी, 2023 में वाशिंगटन में हुई थी। उस बैठक में भारत ने अपने नागरिकों को बिजनेस वीजा जारी करने में देरी का मुद्दा उठाया था। अधिकारी के मुताबिक वाशिंगटन बैठक में दोनों देशों ने यह स्वीकार किया था कि पेशेवरों और कुशल श्रमिकों एवं कारोबारी यात्रियों की आवाजाही द्विपक्षीय आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ाने में योगदान देती है। टीपीएफ भारत और अमेरिका के बीच व्यापार एवं निवेश से जुड़े मुद्दों के निपटान का एक उच्च-स्तरीय मंच है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इनका द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 129.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 60 फीसदी बढ़ी सड़क की लंबाईः सचिव

- चालू वित्त वर्ष के दौरान 13,814 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण लक्ष्य हासिल करने का भरोसा

नई दिल्ली ।

मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने मी डिया से कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई दिसंबर, 2023 तक 60 प्रतिशत बढ़कर 1,46,145 किलोमीटर हो गई है। इसके पहले 2014 में इसकी लंबाई 91,287 किलोमीटर थी। उन्होंने कहा कि राजमार्ग निर्माण की गति 2023-24 में अब तक पिछले साल से बेहतर है और हमें चालू वित्त वर्ष के दौरान 13,814 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है।

जैन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में दिसंबर, 2023 के ओ खिर तक मंत्रालय ने 6,217 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया, जो पिछले साल समान अवधि के 5,774 किलोमीटर से अधिक है। उनके अनुसार सरकार 2023-24 में 10,000 किलोमीटर की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं आवंटित करने की योजना बना रही है।

जैन ने यह भी कहा कि सरकार ने कंपनियों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा है। सचिव ने कहा कि चार और उससे अधिक लेन के राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की लंबाई 2.5 गुना होकर दिसंबर, 2023 में 46,179 किलोमीटर हो गई, जो 2014 में 18,387 किलोमीटर थी।

उन्होंने कहा कि उच्च गति के गलियारों की कुल लंबाई 2014 में 353 किलोमीटर थी, जो 2023 में बढ़कर 3,913 किलोमीटर हो गई।

दो-लेन से कम वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के अनुपात में 2014 के 30 प्रतिशत से घटकर 2023 में 10 प्रतिशत रह गई। जैन ने कहा कि सड़क मंत्रालय ने 2023-24 में दिसंबर तक 6,217 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया है। मंत्रालय का राजमार्ग निर्माण पर खर्च 2014 की तुलना में 2023 में 9.4 गुना बढ़कर 3.17 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। वाहन कबाड़ नीति के तहत, भारत में 44 पंजीकृत वाहन कबाड़ इकाइयां (आरवीएसएफ) चालू हैं, जबकि 19 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों ने रियायत और मोटर वाहन कर की घोषणा की है।

कनाडा की ब्रुकफील्ड एटीसी के भारतीय कारोबार का करेगी अधिग्रहण

- ब्रुकफील्ड दूरसंचार टॉवर प्रबंधन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी

मुंबई ।

कनाडा की ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट ने अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन (एटीसी) के भारतीय कारोबार को 16,628 करोड़ में खरीदने की योजना बनाई है। कंपनी ने कहा कि भारत के दूरसंचार क्षेत्र में चार साल के भीतर यह उसका तीसरा सौदा है और अब ब्रुकफील्ड दूरसंचार टॉवर प्रबंधन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी। इस सौदे के तहत ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट के सहयोगी द्वारा प्रायोजित डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (डीआईटी), एटीसी इंडिया की 100 प्रतिशत इक्विटी का अधिग्रहण करेगा। डीआईटी इस समय समिट डिजिटेल और क्रेस्ट डिजिटेल के माध्यम से भारत में ब्रुकफील्ड का दूरसंचार टॉवर का कारोबार संभालती है। ब्रुकफील्ड ने कहा कि यह अधिग्रहण पूरा होने के बाद डीआईटी के राजस्व में और वृद्धि होने के साथ-साथ भारत में मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर के साथ संबंधों में भी विस्तार होने की संभावना है। वर्ष 2007 में शुरू होने के बाद एटीसी इंडिया ने अपना पोर्टफोलियो मजबूत करते हुए पूरे देश में लगभग 78 हजार टावर साइट तैयार कीं। ब्रुकफील्ड के पास भी लगभग 175,000 टावरों से सजा पोर्टफोलियो हैं। उसने 2020 में रिलायंस इंड स्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ऐंड होल्डिंग लिमिटेड से इस कारोबार का अ धिग्रहण किया था। रिलायंस जियो ब्रुकफील्ड की प्रमुख ग्राहक है। एटीसी का कारोबार अपनी झोली में डालने के बाद ब्रुकफील्ड का संयुक्त उद्यम 253,000 टावर का होने की उम्मीद है। इस तरह ब्रुकफील्ड का कारोबार मौजूदा समय में इस क्षेत्र की शीर्ष कंपनी इंडस टावर से बड़ा हो जाएगा। सितंबर तिमाही के अनुसार इंडस देशभर में 204,000 टावर साइट का प्रबंधन करती है।

इस उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि एटीसी भारत में अपना कारोबार बेचने के लिए 2023 की शुरुआत से ही बातचीत कर रही थी, लेकिन संभावित ग्राहक भविष्य में कंपनी के राजस्व को लेकर चिंतित नजर आ रहे थे।

संस्थागत निवेशकों को शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के बारे में पहले ही बताना होगा: सेबी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बाजार में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए कहा कि संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर देते समय ही बताना होगा कि प्रस्तावित लेनदेन शॉर्ट सेलिंग है या नहीं। सेबी ने बाजार में शॉर्ट सेलिंग से संबंधित मानदंड बदले हैं। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में शॉर्ट सेलिंग के बढ़ते चलन और उसके बाद होने वाले उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताएं सामने आई हैं। शॉर्ट सेलिंग का आशय उस शेयर को बेचने से है जो सौदे के समय विक्रेता के पास होता ही नहीं है। हालांकि खुदरा और संस्थागत दोनों निवेशकों को शेयरों की शॉर्ट सेलिंग की मंजूरी मिली हुई है। सेबी ने पिछले साल शॉर्ट सेलिंग पर जारी अपने परिपत्र को संशोधित करते हुए कहा कि संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर देने के समय पहले ही बताना होगा कि लेनदेन शॉर्ट सेल है या नहीं। हालांकि खुदरा निवेशकों को लेनदेन के दिन कारोबारी अवधि के ओ खिरी तक शॉर्ट सेलिंग के बारे में खुलासा करने की अनुमति होगी। सेबी ने परिपत्र में कहा कि ब्रोकर को शेयर-आधारित शॉर्ट सेलिंग के बारे में ब्योरा जुटाने, आंकड़ा एकत्रित करने और अगले कारोबारी दिन व्यापार शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर उसे अपलोड करना होगा। सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉजिटरी को जारी परिपत्र में कहा कि एक्सचेंज ऐसी जानकारी को एकत्र करेंगे और साप्ताहिक आधार पर सार्वजनिक जानकारी के लिए अपनी वेबसाइट पर इसे जारी करेंगे।

नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर सेबी ने लिया एक्शन, बाजार में लगाया बैन

नई दिल्ली ।

सेबी की ओर से नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर बड़ा फैसला लिया गया है। जानकारी के अनुसार बाजार नियामक द्वारा नेकेड शॉर्ट सेलिंग को पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। हालांकि, शॉर्ट सेलिंग अभी की जा सकती है, लेकिन इस स्थिति में सेटेलमेंट के समय शेयरों की डिलीवरी देनी होगी। जानकारों की मानें तो शॉर्ट सेलिंग' का आशय उस शेयर को बेचने से है जो सौदे के समय विक्रेता के पास होता ही नहीं है। इसके अलावा सेबी की ओर से संस्थागत निवेशकों को द्वारा की जाने वाली डे-ट्रेडिंग और इंट्राडे ट्रेड पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। ऐसे में अब संस्थागत निवेशकों की ओर से की जाने वाली इंट्राडे ट्रेडिंग अब पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इस मामले में सेबी की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया कि शॉर्ट सेलिंग के लिए उपलब्ध स्टॉक्स की लिस्ट का सेबी नियमित अंतराल पर समीक्षा करेगी। बाजार नियामक द्वारा ये निर्णय शॉर्ट सेलिंग के नियमों को सख्त बनाने के लिए किए गए हैं। अब ब्रोकर को शेयर-आधारित शॉर्ट सेलिंग के बारे में ब्योरा जुटाने, आंकड़ा एकत्रित करने और अगले कारोबारी दिन व्यापार शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर उसे अपलोड करना होगा।

सेबी द्वारा जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि स्टॉक्स एक्सचेज ऐसे ब्रोकर्स के खिलाफ एक्शन लेने के नियम बनाएंगे, जो सेटेलमेंट के समय स्टॉक्स की डिलीवरी नहीं दे पाएंगे। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा सेबी को यह जांचने के लिए कहने के बाद आया है कि क्या निवेशकों को नुकसान हुआ है और क्या पिछले साल यूएस शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से पहले कानून का उल्लंघन करके कोई शॉर्ट पोजीशन बनाई गई थी।

गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि अडानी समूह में वित्तीय गड़बड़ी है।

अगले पांच साल में मोदी समूह करेगा 6,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । अगले पांच साल में मोदी समूह दो रियल एस्टेट परियोजनाओं में 6,000 करोड़ रुपए के निवेश करने पर विचार कर रहा है। समूह (पूर्व में बीके मोदी समूह) के संस्थापक भूपेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी समूह 4,000 करोड़ रुपए के निवेश से दिल्ली के साकेत में एक हैल्थ सिटी विकसित करेगा। इसके अलावा समूह ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के मोदीपुर में शहर विकास परियोजनाओं में 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने पर विचार करेगा। हाल ही में मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा कि साकेत परियोजना में एक शहर, अस्पताल और अन्य परियोजनाएं होंगी और मोदीपुर में हमारे पास नगर विकास होगा, जहां हम एक संपूर्ण शहर का निर्माण करेंगे। तब हमारे पास निवेश करने के लिए कुछ और जगह होगी। मोदी का कहना है कि समूह देश के बाहर भी 2,000 करोड़ रुपए का निवेश की योजना बना रहा है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में और कुछ भी कहने से इनकार किया है। भूपेंद्र मोदी ने कहा कि यह कुल 8,000 करोड़ रुपए होगा। साकेत परियोजना में 20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में तीन प्रमुख इमारतें होंगी। इनमें आवासीय इमारतों के अलावा

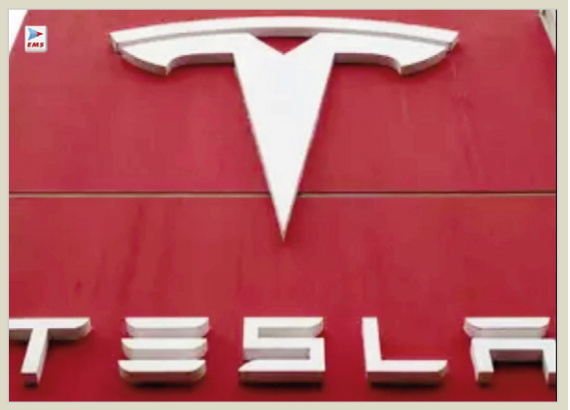

डोर लॉक में गड़बड़ी, टेस्ला ने 16 लाख से अधिक कारों को वापस बुलाया

नई दिल्ली । डोर लॉक में गड़बड़ी के चलते अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने चीन से 16 लाख से अधिक कारों को वापिस बुलाया है। रिकॉल में जो कारें शामिल हैं उनमें मॉडल एस, एक्स, 3, वाई और 7,538 आयातित वाहन बताये जा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि डोर लॉक सिस्टम में गड़बड़ी और स्वचालित स्टीयरिंग के फंक्शन में समस्या के चलते कारों को रिकॉल किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार चीन के बाजार नियामक प्रशासन ने शुक्रवार को रिकॉल की घोषणा की। सूचना में कहा गया है कि बीजिंग और शंघाई में टेस्ला मोटर्स गड़बड़ियों को ठीक करने के लिए रिमोट अपग्रेड तकनीक का इस्तेमाल करेगी। इसके ज्यादातर मामलों में कार मालिकों को अपग्रेड प्राप्त करने के लिए टेस्ला सेवा केंद्रों पर जाने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने बताया कि वर्तमान सिस्टम में स्वचालित स्टीयरिंग फंक्शन का इस्तेमाल करने वाले ड्राइवरों की ओर से संयुक्त ड्राइविंग सिस्टम का दुरुपयोग करने की आशंका है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। यहां गौरतलब है कि इससे पहले टेस्ला ने पिछले महीने अमेरिका में 20 लाख से अधिक ईवी को रिकॉल किया था। यह रिकॉल यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से दो साल की जांच के बाद किया गया था। जांच के दौरान सिस्टम में खो मियां देखी गई थी।

देश की अर्थव्यवस्था के 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । देश की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2023-24 में 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 प्रतिशत थी। एक सरकारी अनुमान में यह संभावना जाहिर की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने राष्ट्रीय आय के बारे में अपने पहले अग्रिम अनुमान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) यानी 2011-12 की स्थिर कीमतों पर जीडीपी के 171.79 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी के 160.06 लाख करोड़ रुपये रहने का अस्थायी अनुमान 31 मई 2023 को जारी किया गया था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 296.58 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जबकि 31 मई, 2023 को जारी वर्ष 2022-23 के अस्थायी अनुमानों के मुताबिक जीडीपी 272.41 लाख करोड़ रुपये थी। एनएसओ के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि 2022-23 में यह 16.1 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में 2023-24 के लिए देश की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया।

बीता सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सोमवार और बुधवार को शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ तो हुई ले किन बाद में बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं मंगलवार को बाजार में गिरावट रही तो गुरुवार और शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के पूरे सप्ताह के कारोबार पर नजर डालें तो भारतीय शेयर बाजार 2024 के पहले दिन सोमवार को गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 155 अंक की गिरावट के साथ 72,085 पर खुला और 31.68 अंकों की बढ़त के साथ 72,271.94 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 अंकों की गिरावट के साथ 21,694 पर खुला और 10.50 अंकों की मजबूती के साथ 21,741.90 पर बंद हुआ। मंगलवार को प्रमुख भारतीय शेयर सूचकांक मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 127 अंक की गिरावट के साथ 72,144 पर खुला और 379.46 अंकों की गिरावट के साथ 71,892.48 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 18 अंक की गिरावट के साथ 21,723 पर खुला और 76.11 अंक फिसलकर 21,665.80 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में गिरावट के बाद भारतीय बेंचमार्क शेयर सूचकांक बुधवार को लगातार दूसरे सत्र में गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 203 अंक की गिरावट के साथ 71,689 के स्तर पर खुला और 535.88 अंकों की बढ़त के साथ 71,356.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 51 अंकों की गिरावट के साथ 21,614 के स्तर पर खुला और 148.46 अंक टूट कर 21,517.35 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को हरे निशान पर शुरुआत हुई। इस दौरान सेंसेक्स 300 अंकों की बढ़त के साथ 71,700 पर खुला और 490.97 अंकों की बढ़त के साथ 71,847.57 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 80 अंकों की मजबूती के साथ 21,600 के लेवल पर खुला और 141.25 अंकों की बढ़त के साथ 21,658.60 पर बंद हुआ। अगले सप्ताह से शुरू होने वाले तिमाही परिणामों से पहले बैंकिंग, वाहन, ऊर्जा और आईटी शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर सूचकांक शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में बीएसई सेंसेक्स 277 अंक की बढ़त के साथ 72,125 पर खुला और 178.58 अंकों की बढ़त के साथ 72,026.15 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 89 अंकों की तेजी के साथ 21,748 पर खुला और 52.21 अंकों की मजबूती के साथ 21,710.80 पर बंद हुआ।

जेएसडब्ल्यू स्टील ओडिशा में लगाएगी हजारों एकड़ में नया प्लांट

नई दिल्ली । ओडिशा में जेएसडब्ल्यू स्टील के प्लांट लगाने में आ रही सारी रुकावटें दूर हो चुकी हैं। कंपनी को जरूरी मंजूरियों के बाद जमीन का कब्जा भी मिल गया है। अब जल्दी ही कंपनी का हजारों एकड़ का यह स्टील प्लांट बनकर तैयार होगा। जेएसडब्ल्यू स्टील ने एक दिन पहले इस बारे में शेयर बाजारों को सूचित किया था। कंपनी ने कहा कि उसकी सब्सिडियरी जेएसडब्ल्यू उत्कल स्टील लिमिटेड को ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट लगाने के लिए ओडिशा के राजनगर में 2,677.80 एकड़ वन विभाग की भूमि का कब्जा मिल गया है। कंपनी को इसके लिए 2022 में पर्यावरण संबंधी मंजूरियां प्राप्त हो गई थीं, जिन्हें 2023 में फिर से वैलिडेट किया गया था। कंपनी 272.51 एकड़ नॉन-फॉरेस्ट लैंड को भी लीज पर ले चुकी है। कंपनी ने बताया कि उसकी सब्सिडियरी को 13.2 मिलियन टन सालाना क्रूड स्टील की क्षमता वाला प्लांट लगाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से 2022 में मंजूरियां मिल गई थीं। मंत्रालय के द्वारा अतिरिक्त व संशोधित पर्यावरण संबंधी मंजूरियों के साथ उन्हें सितंबर 2023 में फिर से वैलिडेट किया गया था। प्रोजेक्ट के लिए कुल 2,950.31 एकड़ जमीन की जरूरत थी। जेएसडब्ल्यू स्टील के इस इंटीग्रेटेड प्लांट में सीमेंट व पावर प्लांट भी होंगे। ओडिशा के राजनगर में पहले कोरियाई कंपनी पोस्को का प्लांट लगने वाला था। हालांकि उसे जमीन अधिग्रहण में स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। आवश्यक मंजूरियां मिलने में भी देरी हो रही थी। अंततः पोस्को ने प्रोजेक्ट से हाथ पीछे खींच लिया था। पोस्को की योजना 12 मिलियन टन सालाना क्षमता वाला प्लांट लगाने की थी। यह प्लांट ओडिशा के पारादीप पोर्ट के नजदीक है।

अब डाकघरों में भी बदले जा सकेंगे 2000 के नोट, आरबीआई का बड़ा अपडेट

मुंबई ।

अब डाकघरों में भी 2000 रुपये के नोट बदले जा सकेंगे। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नोटिफिकेशन जारी किया है। आरबीआई ने कहा है कि चलन से वापस लिए जा चुके 2,000 रुपये के नोट डाकघरों की मदद से भी बदले जा सकते हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के एक समूह में कहा कि लोग अपने बैंक खाते में राशि प्राप्त करने के लिए किसी भी डाकघर से उसके 19 कार्यालयों में से किसी को भी 2,000 रुपये के नोट भेज सकते हैं। इसके लिए लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध एक आवेदन पत्र भरना होगा और नोटों को भारतीय डाक की किसी भी सुविधा से आरबीआई के कार्यालय को भेजना होगा। नोट बदलने वाले फॉर्म आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दरअसल 2,000 रुपए के नोट बदलने के लिए आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में अब भी लोगों की कतारें लग रही हैं। आरबीआई के एफएक्यू के मुताबिक एक व्यक्ति डाकघर से मिलने वाली सुविधा के साथ रिजर्व बैंक के 19 कार्यालयों में एक बार में 20,000 रुपए की सीमा तक नोट बदल सकता है या जमा कर सकता है। आरबीआई ने पिछले साल मई में 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने के अपने फैसले की घोषणा की थी। इस नोट को नवंबर, 2016 में नोटबंदी के समय पहली बार जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा था कि 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि इनमें से अधिकांश नोट अपनी अपेक्षित जीवन-अवधि पूरा कर चुके हैं और लोग भी लेनदेन में इनका अधिक इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए मूल्य के 97.38 प्रतिशत से अधिक नोट वापस लिए जा चुके हैं। हालांकि अब बैंक शाखाओं में इस नोट को बदलने या जमा करने की अनुमति नहीं है लेकिन आरबीआई ने वैकल्पिक व्यवस्था की है।

पेट्रोल और डीजल छत्तीसगढ़ में सस्ता, राजस्थान-पंजाब में महंगा

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 78.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इसका कोई बड़ा असर देखने को नहीं मिल रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। आंध्रा प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा में शे निवार को पेट्रोल और डीजल सस्ता हुआ है जबकि राजस्थान, पंजाब और तमिलनाडु में ईंधन की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी है। वहीं देश के प्रमुख 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है।

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिन तुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तुम्हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

- नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।
- कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।
- यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।
- अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है।

हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर शब्द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो - तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान - लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ प्यारी सी डायरी - देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

ग्रीटिंग कार्ड बनाओ - तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद - आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल - अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन - जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी - अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर - अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग - दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल - तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। **कंप्यूटर को 'नो'**- हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

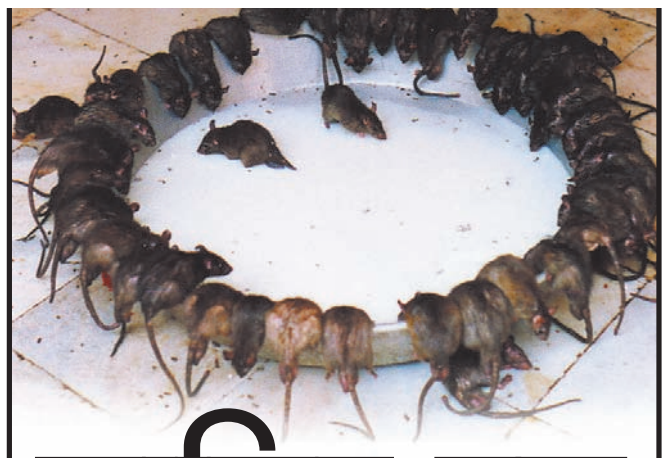

जानिए इन रहस्यमयी जगहों को

लोगों के घूमने-फिरने की कोई सीमा नहीं है। देश-विदेश की सीमा पार कर लोग अपने घूमने के लिए जगह तलाश ही लेते हैं, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। लेकिन दुनियाभर के कई पर्यटक स्थलों को कुछ खौफनाक या डरावने इतिहास के लिए याद किया जाता है। बावजूद लोग वहां भी घूमने जाते हैं।

सोनोरा चुड़ैल मार्केट, मेक्सिको

मैक्सिको की राजधानी का सोनोरा मार्केट सैलानियों को आकर्षित करने वाला है। इस बाजार की सबसे दिलचस्प खासियत यह है कि यहां तंत्र-मंत्र और जादू टोने की हर सामग्री मिलती है। विदेशी सैलानी यहां सैर-सपाटे के लिए आते हैं तो स्थानीय लोग सांप का खून और सुखाया हुआ हमिंगबर्ड खरीदने। इन्हें यहां पर अच्छे भविष्य की निशानी माना जाता है।

मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, अमेरिका

अमेरिका के फिलाडेल्फिया का मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, पुराने मेडिकल संसाधनों का पिटारा है।यहां कई पुराने उपकरण रखे हुए मिल जायेंगे। लेकिन सबसे डरावनी बात यह है कि यहां मानव खोपड़ियों का विशाल संग्रह है। लोग इन्हें देखने के लिए आते हैं।

करणी माता मंदिर, राजस्थान

राजस्थान के देशनोक गांव का करणीमाता मंदिर पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। इसकी वजह इस मंदिर का स्थापत्य कला या धार्मिक कारण न होकर यहां दिखायी देने वाले चूहे हैं। करणीमाता मंदिर में सैंकड़ों की संख्या में चूहे बिना डरे से इधर-उधर घूमते नजर आते हैं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

विंचेस्टर हाउस, कैलिफोर्निया, अमेरिका

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक घर को भूत बंगला के तौर पर जाना जाता है। 160 कमरों का महलनुमा यह घर पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। खास कर यह उन लोगों के लिए रोमांचक जगह है, जिन्हें भूत-प्रेत में विश्वास है। माना जाता है कि यहां सारा नामक एक लड़की की आत्मा घूमती रहती है।

मैरी किंग्स, एडिनबर्ग, ब्रिटेन

यह वह जगह है, जहां की गलियां बीते दिनों की भयावह सच्चाइयां उजागर करती हैं। यहां कभी प्लेग के शिकार लोगों को सड़कों पर यूं ही तड़पता हुआ मरने के लिए छोड़ दिया गया था और वे तड़प-तड़प कर मर गये। इस हृदय विदारक जगह पर अब पर्यटकों की भीड़ लगती है। ये पर्यटक यहां पर अदृश्य शक्तियों की तलाश करते है।

इसीलिए डोक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहतें हैं : बच्चे का शरीर से अलग हुआ हाथ जोड़ा

सूरत ।धरती पर डोक्टर को भगवान का दूसरा रूप लोग ऐसे नहीं कहते।सूरत में एक बच्चे के शरीर से अलग हाथ को जोड़कर डोक्टरों ने इसे सार्थक कर दिया है। 3-4 दिन पहले सूरत के डिंडोली क्षेत्र में 6 साल के एक बच्चा मंदिर में दर्शन कर लौट रहा था।सड़क पार करते समय एक ट्रक ने बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ट्रक का पहिया बच्चे के एक हाथ को रौंदते हुए आगे बढ़ गया।गंभीर दुर्घटना में बच्चे का हाथ उसके शरीर से अलग हो गया। सात बहनों के बीच इकलौते भाई की ऐसी हालत देख पूरा परिवार बिलख उठा। 3 जनवरी की इस दुर्घटना का शिकार हुए बच्चे को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में डोक्टरों की टीम ने पांच घंटे की जटिल सर्जरी कर बच्चे का हाथ उसके शरीर से फिर जोड़ दिया।हाथ जोड़ने के बाद रक्त संचार नियमित होने से डोक्टर समेत परिवार में खुशी है। महाराष्ट्र के मूल निवासी प्रकाश सूरत के डिंडोली में अपने परिवार के साथ रहते हैं और संचा मशीन में बतौर ऑपरेटर काम करते हैं।परिवार में 6 बेटियां और एक 6 वर्षीय बेटा गौरव है।गत 3 जनवरी को गौरव रोज की भांति घर के निकट महादेव जी के मंदिर में दर्शन करने गया था। जहां से घर लौटते समय ट्रक की चपेट में आ गया था और इस हादसे में गौरव का बायां हाथ कट कर शरीर से अलग हो गया था।

उपराष्ट्रपति ने उनकी मिमिक्री करने वाले सांसद को दी जन्मदिन पर बधाई

कोलकाता।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनकी मिमिक्री करने वाले टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। मिली जानकारी के अनुसार हुगली के श्रीरामपुर के सांसद ने खुद एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बंगाल के पूर्व राज्यपाल तथा वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनकी पत्नी से फोन पर बात की।उन्होंने जन्मदिन पर बधाई दी तथा अपने घर पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित भी किया। कल्याण ने इसके बदले में उन्हें धन्यवाद दिया है। गौरतलब है कि पिछले महीने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारकर सियासत गरमा दी थी। उस दौरान भाजपा ने इसकी कड़ी आलोचना की थी।हालांकि, टीएमसी सांसद अपने रवैये पर अड़े रहे और कहा था कि मैं बार-बार नकल उतारूंगा। यह उनका मौलिक अधिकार है।टीएमसी नेता ने कहा कि मुझे जेल में भी डाल दिया जाए, तब भी मैं मिमिक्री करता रहूंगा। मुझे मिमिक्री करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास शिक्षा नहीं है और उसे हास्य समझ में नहीं आता तो मैं क्या कर सकता हूं।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 में 55 देशों के पतंगबाज शामिल होंगे

अहमदाबाद। गुजरात के पर्यटन विभाग ने 7 जनवरी से 14 जनवरी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 का आयोजन किया है। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर वल्लभसदन के निकट अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव होगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल कल यानी 7 जनवरी को सुबह 8 बजे पतंग महोत्सव का उदघाटन करेंगे। पतंगबाजों का उत्साह बढ़ाने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी पतंगबाजी पर हाथ आजमाएंगे।इस मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेरा भी उपस्थित रहे। पतंग महोत्सव में विश्व के 55 देशों के 153 अंतर्राष्ट्रीय पतंगबाज शामिल होंगे।इसके लिए देश के 12 राज्यों के 68 राष्ट्रीय और गुजरात के 23 शहरों के 865 जितने पतंगबाज भाग लेंगे।पतंगबाजों के विभिन्न आकार के पतंग लोगों में आकर्षण का केन्द्र होंगे।गुजरात सरकार ने हर साल की भांति गुजरात के विभिन्न शहरों में पतंग महोत्सव का आयोजन किया है।7 जनवरी को अहमदाबाद के बाद 8 जनवरी को वडोदरा में, 9 जनवरी को एकता नगर और देवभूमि द्वारका में, 10 जनवरी को सूरत और राजकोट, 11 जनवरी को धोरडो और वडनगर, 12 जनवरीको नडाबेट में पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया है।अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 में खास तौर पर पतंग का इतिहास दर्शाते थीम पर पैवेलियन बनाया गया है।पतंग महोत्सव के दौरान राज्य के हस्तकला के कारीगर अपने हाथ से बनाई गई चीज-वस्तुएं बेच सकें, इस उद्देश्य से हस्तकला बाजार के स्टोल्स और पतंगरसियाओं के लिए खान-पान के स्टोल भी लगाए गए हैं।पतंग महोत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पतंगबाजों की परेड का भी आयोजन किया गया है।इतना ही नहीं पतंग महोत्सव के दौरान 7 से 13 जनवरी के दौरान शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। गुजरात सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा पतंग महोत्सव के आयोजन से देश-विदेश के पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन हुआ है।जिससे अर्थतंत्र मजबूत होने के साथ ही पर्यटन विभाग से जुड़े लोगों को रोजगार मिलने से उनके जीवनस्तर में भी सुधार हुआ है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की 2 संपत्तियां हुई नीलाम

मुंबई।मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले के मुख्य और वांछित भगोड़ा आरोपी दाऊद इब्राहिम से जुड़ी चार संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया शुक्रवार को आयकर विभाग द्वारा आयोजित की गई।इनमें से दो संपत्तियों की नीलामी पूरी हो गई. आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तालुका के मुंबके गांव के दाऊद इब्राहिम कासकर के परिवार की चार संपत्तियों के लिए शुक्रवार को मुंबई के आयकर भवन में बोली लगाई गई।जब्त की गई इन संपत्तियों की नीलामी तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेरकर्ता (संपत्ति की जब्ती) अधिनियम (सफेमा) एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के साथ-साथ बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अधिनियम के तहत की गई थी।मुंबके गांव में 171 वर्ग मीटर के कृषि भूखंड के लिए 2 करोड़ रुपये की सबसे सफल बोली थी।जबकि 1730 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली एक अन्य कृषि भूमि के लिए 3.28 लाख रुपये की उच्चतम बोली लगाई गई. ये दोनों संपत्तियां एक ही व्यक्ति के कब्जे में चली गई हैं. अन्य दो भूखंडों के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई।सुरक्षा कारणों से खरीददार का नाम जारी नहीं किया गया है. आपको बता दें कि दाऊद इब्राहिम कासकर और उसके भाई-बहनों ने 1970 में मुंबई आने से पहले अपना बचपन मुंबके गांव में बिताया था।कहा जाता है कि मुंबई सीरियल ब्लास्ट के बाद दाऊद पाकिस्तान के कराची में रह रहा है।

कश्मीरी पंडितों व मजदूरों का हत्यारा लश्कर आतंकी बिलाल हुआ ढेर

-शोपियां जिले में हुई मुठभेड़ के दौरान सेना ने की घेराबंदी, मरने की हुई पुष्टि

श्रीनगर ।लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी बिलाल अहमद सेना से हुई मुठभेड़ में ढेर हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में बिलाल मारा गया।पुलिस ने बताया कि वह सेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट उमर फैयाज के 2017 में अपहरण और हत्या के मामले में भी शामिल था।इसके साथ ही उसने कई मजदूरों तथा कश्मीरी पंडितों की हत्या की थी।पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के छोटीगाम में आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने तड़के इलाके घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। जब सुरक्षा कर्मी संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, तो छिपे हुए आतंकवादी ने उनपर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसका उचित जवाब दिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गई।उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी की मौत हो गई और मुठभेड़ स्थल से उसका शव बरामद हुआ। आतंकवादी की पहचान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एलईटी से जुड़े चेक चोलन के निवासी बिलाल अहमद भट के रूप में हुई है।बिलाल भट कई आतंकी मामलों में शामिल था, जिसमें सुदसन कुलगाम के निवासी सेना के अधिकारी उमर फैयाज की हत्या का मामला भी शामिल है।मई 2017 में 2 राजपूताना राइफल्स के 22 वर्षीय सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट फैयाज छुट्टियों के दौरान शोपियां में अपने चचेरे भाई के विवाह समारोह में शामिल हुए थे तब आतंकवादियों ने उनका अपहरण कर लिया था और बाद में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी।शोपियां की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने बताया कि लेफ्टिनेंट फैयाज की हत्या के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में भट का नाम शामिल था। वह उस समय आतंकियों का सक्रिय सहयोगी था और उसका नाम पु ?लिस की प्राथमिकी में दर्ज किया गया था।पुलिस ने कहा कि भट ने हरमैन में गैर-स्थानीय मजदूरों पर भी ग्रेनेड फेंका था, जिसके परिणामस्वरूप दो मजदूरों की मौत हो गई थी।भट कश्मीरी पंडित सुनील कुमार की हत्या और एक अन्य कश्मीरी पंडित प्रीतिंबर नाथ को घायल करने में भी शामिल था, जो छोटीगाम शोपियां के निवासी थे।वह छोटीगाम निवासी स्थानीय बाल कृष्ण उर्फ सोनू पर हमले में भी शामिल था।

यदि एलजी की बात सही हुई तो आप पर लगाएंगे भारी जुर्माना: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार और एलजी के बीच आए दिन विवाद हो रहे हैं। इन्हे सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा रहा है। इस बार फरिश्ते योजना को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। इस विवाद पर कोर्ट ने जहां एलजी को नसीहत दी हैं वहीं यह भी कहा कि एलजी का जवाब आने के बाद यदि उनकी बात सही निकली तो आम आदमी पार्टी पर भारी भरकम जुर्माना लगाएंगे। बता दें कि दिल्ली सरकार की फरिश्ते योजना है जिसके तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को नजदीकी सरकारी या निजी अस्पताल में पहुंचाने पर उसका मुफ्त इलाज होता है और अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाता है। दिल्ली सरकार ने एलजी और अधिकारियों पर फंडिंग में अड़चन पैदा करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने इस मामले में एलजी को नोटिस जारी किया था।

नोटिस का जवाब देने के लिए एलजी की ओर से अडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन पेश हुए। उन्होंने बीआर गवई और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि योजना में एलजी की कोई भूमिका नहीं है। इसका संचालन एक सोसायटी के माध्यम से किया जाता है जिसके मुखिया दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री हैं। सरकार और

सोसायटी की बैठक के बाद फंड जारी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एलजी को बेवजह इसमें घसीटा जा रहा है। जैन से सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप अपने एलजी से कहें कि हर मुद्दे को प्रतिष्ठा का सवाल ना बनाएं। इस पर जैन ने कहा कि यह कैबिनेट बनाम एलजी का मुद्दा नहीं है जिस तरह याचिका में बताया गया है। जैन ने बेंच के सामने इस मामले को चाय के कप में तूफान बताया। इसके बाद शीर्ष अदालत ने एलजी के वकील से कहा कि आप इस बारे में एक हलफनामा दाखिल करें। अगर हमें पता चलता है कि मंत्री ने हमें धोखा दिया है, तो हम उचित जुर्माना लगाएंगे। इस पर जैन ने कहा कि 'किसी ने भी किसी को धोखा नहीं दिया है और उम्मीद की है कि याचिकाकर्ता ने इस अदालत के मंच का इस्तेमाल किसी चीज को उत्तेजित करने के लिए किया है। यह चाय के प्याले में तूफान का एक क्लासिक उदाहरण है।' वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ से कहा कि 'यह योजना एक सोसायटी द्वारा संचालित थी और सोसायटी की हाल ही में 2 जनवरी को हुई बैठक में धनराशि जारी करने का निर्णय लिया है, जिससे सभी लंबित दावों को जारी किया जाएगा।

ममता की धरती पर केंद्रीय मंत्री ने दी चुनौती, बोले- लोकसभा चुनाव से पहले लागू करेंगे सीएए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार घोषणा कर चुकी है कि किसी भी हाल में उनके राज्य में सीएए लागू नहीं होने देंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री का बयान आया है कि लोकसभा चुनाव से पहले हर हाल में बंगाल में सीएए लागू करेंगे। अब दोनों ही तरफ से सीएए को लेकर घमासान शुरु हो गया है। लोकसभा चुनाव से पहले संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) नियमों की अधिसूचना जारी होने की खबरों के बीच केंद्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने दावा किया है कि चुनाव से पहले सीएए लागू हो जाएगा। हावड़ा के बाली इलाके में विकसित भारत संकल्प यात्रा में हिस्सा लेने आए बनगांव से भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर ने पत्रकारों द्वारा सीएए को लेकर पूछे गए सवाल पर स्पष्ट कहा कि इसे लेकर कोई संशय नहीं है। लोकसभा चुनाव के पहले ही पूरे देश में सीएए लागू हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनेगी। दूसरी तरफ, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में सीएए किसी हाल में लागू नहीं होगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता व राज्य सरकार में मंत्री डा शशि पांजा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आम चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए ऐसी खबरें फैलाई जा रही हैं। बता दें कि केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि सीएए के नियम लोकसभा चुनाव की घोषणा से काफी पहले अधिसूचित किए जाएंगे।

ईडी की टीम पर हुए हमले को लेकर भड़के केंद्रीय मंत्री बोले-पश्चिम बंगाल में किमजोंग जैसी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में राशन घोटाले की जांच करने पश्चिम बंगाल पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ था। इस हमले में कई अफसर घायल हुए थे। इस मामले ने अब सियासी रंग ले लिया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने गुस्से में यहां तक कह दिया की पश्चिम बंगाल में उत्तर कोरिया की किम जोंग जैसी तानाशाही वाली सरकार चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में लोकतंत्र स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन जैसी सरकार का नेतृत्व कर रही हैं।पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र जैसा कुछ नहीं है। ऐसा लगता है कि वहां किम जोंग-उन की सरकार है। अधीर रंजन ने कहा है कि अगर हत्या भी हो जाए तो कोई नई बात नहीं होगी। यह ममता बनर्जी का लोकतंत्र है। इस बीच टीएमसी के साथ इंडिया गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस ने भी ममता बनर्जी शासित राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करके उस पर कड़ा प्रहार किया। पश्चिम बंगाल के प्रभारी और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राज्य में अब कानून व्यवस्था चरमरा गई है उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी शासित राज्य में अधिकारियों की हत्या हो जाए तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

बता दें कि जांच एजेंसी की एक टीम पर उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में उस समय हमला किया गया और उसके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर

दिया गया, जब वह कथित राशन घोटाले के सिलसिले में टीएमसी के ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी शाहजहां शेख और शंकर अद्या और उनके रिश्तेदारों के घर पर छापा मारने पहुंची थी। सजहान को राज्य मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक का करीबी सहयोगी माना जाता है। उन्हें करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।बड़ी संख्या में टीएमसी सदस्यों और समर्थकों ने ईडी अधिकारियों का घेराव किया और उनके साथ धक्का-मुक्की की। अधिकारियों को अपने क्षतिग्रस्त वाहनों को वहीं छोड़ने और ऑटोरिक्शा और दोपहिया वाहनों से सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी अधिकारियों पर हमले की निंदा करते हुए इसे खतरनाक, निंदनीय और भयानक घटना बताया है।उन्होंने कहा, यह एक भयानक घटना है। यह चिंताजनक और निंदनीय है। लोकतंत्र में बर्बरता को रोकना एक सभ्य सरकार का कर्तव्य है। यदि कोई सरकार अपने मूल कर्तव्य में विफल रहती है, तो भारत का संविधान अपना काम करेगा। उचित कार्रवाई के लिए मेरे सभी संवैधानिक विकल्प आरक्षित हैं। इस चुनाव पूर्व हिंसा का शीघ्र अंत होना चाहिए। यह उस अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा, बंगाल कोई बनाना रिपब्लिक नहीं है। सरकार को लोकतंत्र में बर्बरता बंद करनी चाहिए।

जेडीयू को रास नहीं आ रहा इंडिया में सीट बंटवारे का फार्मूला

-कांग्रेस 14 जनवरी तक सीट बंटवारे को लेकर नहीं करेगी कोई बातचीत

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस के सीट बंटवारे को लेकर दिए गए फार्मूले पर जेडीयू सहमत नहीं हैं। हालांकि बिहार में इंडी अलायंस में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा तेज है। माना जा रहा है जल्द औपचारिक तौर पर सीट शेयरिंग पर जेडीयू आरजेडी कांग्रेस और लेफ्ट के बीच बात शुरू हो जाएगी। लेकिन, सीट शेयरिंग पर बात से पहले ही कांग्रेस ने इसे 14 जनवरी तक टाल दिया है। इसके लिए कांग्रेस की तरफ से पोजिशनिंग शुरू हो गई है। पार्टी के बिहार अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पिछली बार लोकसभा चुनाव में महा गठबंधन में सीट बंटवारे का हवाला देते हुए इस बार फ्लेक्सिबल होने की सलाह दे दी है। यानी अखिलेश चाहते हैं कि कांग्रेस भी फ्लेक्सिबल होगी, लेकिन गठबंधन में शामिल जेडीयू आरजेडी और लेफ्ट को भी थोड़ा लचीला होना पड़ेगा। अब इंडी गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर 14 जनवरी तक कांग्रेस कोई बात नहीं करेगी। यह निर्णय कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान की बैठक में लिया गया है। गौरतलब है कि 14 जनवरी से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू हो रही है। इधर सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने गठबंधन को अपनी सूची भेज दी है। इस मामले में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में पिछली बार कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लिहाजा इस बार भी एक दो सीटों का ही अंतर होगा। पिछली बार उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी पांच, जीतन राम मांझी की पार्टी तीन और मुकेश सहनी की पार्टी तीन सीटों पर चुनाव लड़ी थी। यानी कुल 11 सीटों पर ये तीनों क्षेत्रीय पार्टी चुनाव लड़ी थी। इस बार यह तीनों पार्टियां इंडिया अलायंस में नहीं हैं। कुल अंतर 5 सीटों का ही है। यानी केवल पांच सीटें ही जेडीयू के आने के बाद सबको एडजस्ट करना पड़ेगा। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि यह पांच सीट जदयूस, राजद, कांग्रेस सभी मिलकर आपस में कम करें और सभी दल लचीला रुख अपनाए।

22 जनवरी को कालाराम मंदिर के दर्शन और गोदावरी नदी के किनारे 'महा आरती करुंगा : उद्धव ठाकरे

- राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए नहीं मिला निमंत्रण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के नेता 22 जनवरी को नासिक के कालाराम मंदिर के दर्शन और गोदावरी नदी के किनारे 'महा आरती करुंगा। ठाकरे को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अभी तक कोई निमंत्रण नहीं मिला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी मां दिवंगत मीना ठाकरे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि जब भी उनका मन करेगा तब वह अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा, अयोध्या के राम मंदिर का अभिषेक गौरव और आत्म-सम्मान का विषय है। नासिक के पंचवटी इलाके में स्थित कालाराम मंदिर भगवानराम को समर्पित है। मंदिर को काले रंग के पत्थर से बनी भगवान राम की मूर्ति के लिए यह नाम मिला। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम वनवास के दौरान अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी में रहे थे। डॉ.

आंबेडकर ने 1930 में कालाराम मंदिर में दलितों के प्रवेश की मांग कर मंदिर परिसर में एक प्रदर्शन की अगुवाई की थी। ठाकरे ने कहा कि 23 जनवरी को उनके पिता और शिवसेना संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की जयंती पर पार्टी नासिक में एक रैली करेगी। उन्होंने कहा था, ''मुझे अभी तक कोई निमंत्रण नहीं मिला है और मुझे अयोध्या जाने के लिए किसी निमंत्रण की जरूरत नहीं है क्योंकि राम लल्ला सभी के हैं। जब भी मेरा मन होगा तब मैं जाऊंगा। शिवसेना ने राम मंदिर आंदोलन में काफी योगदान दिया था।

रायबरेली सीट पर भाजपा की नजर... सोनिया के खिलाफ उतर सकती हैं अदिति सिंह

-अमेठी के साथ रायबरेली में भी जीती की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू होकर मुंबई तक जाएगी। यात्रा का सबसे अहम पड़ाव उत्तर प्रदेश होगा। कांग्रेस की ओर से शेयर रूट मैप के मुताबिक यूपी में यात्रा करीब 1000 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसके तहत तीन अहम पड़ाव जिले की तीन सीटें वाराणसी, रायबरेली और अमेठी होंगी। इन सभी में जाकर कांग्रेस अलग-अलग संदेश देना चाहती है।

काशी से कांग्रेस यह संदेश देगी कि वह सीधे पीएम मोदी को चुनौती देने की स्थिति में है। इसके अलावा रायबरेली में वह अपने गढ़ को बरकरार रखने की कोशिश करेगी, जबकि अमेठी में वह अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाने का संकल्प लेगी। अमेठी से 2019 में राहुल गांधी हार गए थे, लेकिन संभव है कि इस बार अमेठी से ही राहुल गांधी फिर मैदान में उतरें।

इस बीच रायबरेली से भाजपा की तैयारियों की भी चर्चा जोरों से है। चर्चा है कि रायबरेली से भाजपा अदिति सिंह को उतार सकती है, जो लोकप्रिय हैं और

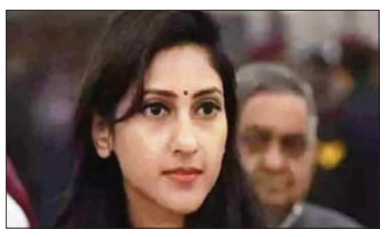

महिला कार्ड भी उनके नाम पर चल जाएगा। अदिति सिंह के पिता अखिलेश सिंह का भी जिले में अच्छा कद था और वह निर्दलीय ही विधायक चुने जाते थे। रायबरेली संसदीय सीट पर 2019 में सोनिया गांधी ने 1 लाख 67 हजार वोटों से जीत हासिल की थी। यूं यह अंतर काफी है, लेकिन पहली बार उनकी जीत का अंतर इतना कम था। इसके पहले यह कम से कम 3 लाख तक रहता था। इसके बाद भाजपा इस अंतर को अपने लिए उम्मीद के तौर पर देख रही है। 2019 में भाजपा ने अमेठी सीट जीती ही थी और अब रायबरेली पर उसकी नजर होगी। दरअसल सोनिया गांधी बीते 5 सालों में रायबरेली बहुत कम आई हैं। इतना ही नहीं उनकी गैरमौजूदगी में आने वालीं प्रियंका गांधी वाड्रा भी यहां नहीं दिख रही हैं। इसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले भी थोड़े गिरे हुए हैं। भाजपा के लोगों का कहना है कि हम इस बार रायबरेली में पूरा जोर लगाएंगे। रायबरेली, सलोन, हरचंदपुर सहित ज्यादातर विधानसभा सीटें भी भाजपा के पास ही हैं। इसकारण भाजपा को यहां उम्मीद की किरण दिख रही है। यहां से लोकसभा चुनाव में सपा कैंडिडेट नहीं देती है। यह भी कांग्रेस की जीत की एक वजह माना जाता है, क्योंकि जब वह विधानसभा चुनावों में कैंडिडेट देती है, तब कांग्रेस को झटका लगता है। इस बीच कांग्रेस में एक चर्चा यह भी है कि रायबरेली से राहुल गांधी को ही उतारा जा सकता है, जबकि अमेठी में महिला बनाम महिला कार्ड के लिए प्रियंका को वहां स्मृति के मुकाबले भेजा जा सकता है। हालांकि यह सभी चर्चाएं स्थानीय स्तर पर ही चल रही हैं और आधिकारिक स्तर पर कुछ कहा नहीं जा रहा है। गौरतलब है कि यूपी में कांग्रेस ने 2009 के आम चुनाव में 22 सीटें जीती थीं, लेकिन 2014 में यह आंकड़ा 2 पर ही सिमट गया। फिर 2019 में तब रायबरेली के अलावा सब जगह हार मिली। अमेठी में राहुल गांधी भी हार गए और वह अब केरल की वायनाड लोकसभा सीट से ही सांसद हैं।

अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को मिल सकता है लाभ

- महाराष्ट्र की सभी 48 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने शुरू की तैयारी

- कांग्रेस को अपने ही सहयोगी दल कर रहे नजरअंदाज

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की अगुवाई में बनी इंडिया अलायंस ने सीटों के बंटवारे की समय सीमा दिसंबर के अंत तक तय की थी. लेकिन अभी भी किसी भी राज्य में सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हो सका है. दरअसल इंडिया अलायंस में जो भी दल है वो अपने-अपने राज्य में अधिक से अधिक सीटों पर लड़ने को इच्छुक है. कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के पक्ष में कई राजनीतिक दल उत्सुक नजर नहीं आ रहे. इसमें बंगाल से तृणमूल की ममता बनर्जी, बिहार से जदयू के नीतीश कुमार, आरजेडी के लालू यादव, महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार गुट) के शरद पवार, शिवसेना के उद्धव ठाकरे तथा उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश सिंह प्रमुख हैं. कमोबेश यही हाल दिल्ली का भी है जहां आप पार्टी के अरविन्द केजरीवाल दिल्ली की सभी लोकसभा सीटों पर अपनी ही पार्टी की दावेदारी बता रहे हैं. ऐसे में कांग्रेस के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो चली है. सूत्रों की मानें तो महत्वपूर्ण बात ये भी है कि अधिकांश प्रमुख राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा चाहे वो नितीश कुमार हों, शरद पवार या फिर लालू यादव हों या ममता बनर्जी और अखिलेश यादव ये सभी प्रधानमंत्री का पद कांग्रेस को खासकर राहुल गाँधी को नहीं देने की अंदरखाने बात कर रहे हैं. इन सब बातों से कांग्रेस के पास एक ही विकल्प बचता है कि वो इस बार लोकसभा चुनाव अपने बलबूते लड़े. राजनीतिक जानकार भी यही बताते हैं कि अगर कांग्रेस पार्टी ने योग्य उम्मीदवार दिया और कम सीटों पर दमदार तरीके से चुनाव मैदान में उतरी तो बेहतर प्रदर्शन कांग्रेस कर सकती है. बात करें महाराष्ट्र की तो यहां लोकसभा की 48 सीटें हैं. एबीपी सी वोटर सर्वे के मुताबिक राज्य में महाविकास अघाड़ी को 26 से 28 सीटें मिलने का अनुमान है. जबकि सत्ताधारी महागठबंधन को 19 से 21 सीटें मिल सकती हैं. इस बीच कांग्रेस एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने राज्य की सभी 48 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है. दरअसल उद्धव ठाकरे गुट ने 23 सीटों की मांग की है, जबकि वंचित बहुजन विकास अगाड़ी ने 12 सीटों पर जोर दिया है. जबकि शरद पवार की एनसीपी भी 15 सीटों पर जोर दे रही है. इसलिए कांग्रेस ने अब 48 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम मांगे हैं। इसको लेकर महाविकास अघाड़ी में अन्य घटक दलों के बीच हलचल शुरू हो गई है. कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि जो नेता लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं वे अपना नाम बताएं. कांग्रेस के इस रुख के बाद अब शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के सांसद संजय राउत कहते हैं कि महाविकास अघाड़ी में पार्टियों का सीटों का बंटवारा अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी से भी चर्चा चल रही है. महाविकास अघाड़ी में पार्टियों के बीच कोई मतभेद नहीं है. राउत ने यह भी कहा कि कांग्रेस और एनसीपी को वंचितों को लेकर कोई आपत्ति नहीं है. सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने 3 जनवरी को नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की. इसके बाद पटोले ने राज्य के सभी शहर और जिला अध्यक्षों को इच्छुक उम्मीदवारों के नाम भेजने का निर्देश दिया. इसलिए यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी. इसको लेकर राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस अपने दम पर महाराष्ट्र ही नहीं समूचे देश में लोकसभा चुनाव लड़ती है तो उसे लाभ मिलेगा. इसके लिए कांग्रेस योग्य उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे और 548

सीटों के बजाय 400 सीटों पर ही अपना उम्मीदवार दे. राजनीतिक जानकार यहां तक कह रहे हैं कि कांग्रेस को अपने ही सहयोगी दल नजरअंदाज कर रहे हैं. यही वजह है कि अधिकांश सहयोगी दल अधिक से अधिक सीटों पर दावा कर रहे हैं और प्रधानमंत्री पद कांग्रेस को नहीं देने को लेकर अंदरखाने दवाब बना रहे हैं. बहरहाल अब देखने वाली बात ये होगी कि कांग्रेस आलाकमान इसपर क्या रुख अपनाती है ?

बांग्लादेश में चुनाव से पहले भड़की हिंसा, ट्रेन फूंका, 5 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में कल यानी 7 जनवरी को आम चुनाव हैं। यहां राज्य की वर्तमान शेख हसीना सरकार के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है। जिसके चलते दो दिन पहले कई विपक्षी नेताओं ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था। अब चुनाव से ठीक पहले उपद्रवियों ने एक ट्रेन में आग लगा दी,जिससे 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। आग के हवाले की गई बेनापोल एक्सप्रेस के चार डिब्बे जलकर खाक हो गए। बांग्लादेश फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रेन के जले हुए डिब्बों से पांच शव बरामद किए। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। काफी जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम करीब 9.35 बजे घटनास्थल पर पहुंची थी और रात साढ़े 11 बजे आग पर काबू पाया गया। ट्रेन ढाका जा रही थी। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। और अधिक जानकारी की प्रतिक्षा है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका गोपीबाग इलाके में यह घटना शुक्रवार की रात करीब 9.05 बजे हुई। बता दें कि यह घटना बांग्लादेश में आम चुनाव से ठीक दो दिन पहले हुई। 7 जनवरी को यहां चुनाव है। इससे पहले उपद्रवियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। यात्री ट्रेन में आगजनी की इस घटना के अफरा तफरा मच गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बता दें कि बांग्लादेश में सात जनवरी को आम चुनाव है। बांग्लादेश में इस समय शेख हसीना की सरकार है। उनकी पार्टी का नाम आवामी लीग है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी देश की मुख्य विपक्षी पार्टी है। बीएनपी ने पूरी तरह चुनाव का बहिष्कार किया है। बांग्लादेश में कुल 300 सीटें हैं। पिछले चुनाव में आवामी लीग ने 300 में से 290 सीटें जीती थीं।

बीच आसमान में प्लेन की खिड़की टूटकर गिरी, विमान का हिस्सा भी हुआ गायब

-अलास्का एयरलाइंस की कराई इमरजेंसी लैंडिंग, ढूंढा जा रहा कारण

ओरेगॉन । अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस के एक विमान की खिड़की अचानक से आसमान में ही टूटकर बाहर गिर गई, इसके साथ ही विमान का कुछ हिस्सा भी टूट गया। शनिवार को हुए इस बड़े विमान हादसे के बाद इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, अलास्का एयरलाइंस की एक फ्लाइट की खिड़की और विमान का एक हिस्सा बीच हवा में ही उड़ गया। इसके बाद इस प्लेन की ओरेगॉन शहर में किसी तरह इमर्जेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार एक यात्री ने स्थानीय मीडिया को प्लेन के अंदर की तस्वीर भेजी, जिसमें यात्री की सीटों के बगल में एक खाली छेद दिख रहा है। हालांकि फिलहाल यह पता नहीं चल सका कि इस हादसे में कोई घायल हुआ है या नहीं। उधर अलास्का एयरलाइंस ने कहा कि वह इस घटना के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। कंपनी ने एक ईमेल बयान में कहा, 'ओरेगॉन के पोर्टलैंड से कैलिफोर्निया में ओंटारियो के लिए उड़ी अलास्का एयरलाइंस की उड़ान 1282 में उड़ान भरने के तुरंत बाद यह हादसा हुआ। यह विमान 174 मेहमानों और चालक दल के 6 सदस्यों के साथ पोर्टलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से वापस उतर गया।' कंपनी ने कहा कि और ज्यादा जानकारी अभी नहीं मिल पाई है, लेकिन जल्दी ही बताया जाएगा। बता दें कि यह उड़ान शाम 4:52 बजे पोर्टलैंड से रवाना हुई थी। लेकिन शाम 5:30 बजे से ठीक पहले लौट आए। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान 16,000 फीट की ऊंचाई तक उठा और फिर नीचे उतरने लगा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक यात्री द्वारा भेजी गई तस्वीरों से पता चलता है कि हवाई जहाज का एक बड़ा हिस्सा गायब था। एफएए ने एपी द्वारा जानकारी के लिए ईमेल अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। ऑनलाइन एफएए रिकॉर्ड के अनुसार, बोइंग 737-9 मैक्स ने असेंबली लाइन बंद कर दी और इसे दो महीने पहले ही प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

न्यूजीलैंड की युवा सांसद ने पार्लियामेंट में नाचकर दिया भाषण

वेलिंग्टन । न्यूजीलैंड की सबसे युवा सांसद रहिती माइपे-क्लार्क ने पार्लेयमेंट में नाच-नाचकर जोरदार भाषण दिया। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सांसद रहिती माइपे-क्लार्क ने संसद में माओरी संस्कृति का डांस हाका परफॉर्म करते हुए अपना मुद्दा उठाया। यहां गौरतलब है कि हाका एक युद्धगीत होता है जिसे पूरी ताकत और भाव-भंगिमाओं के साथ प्रस्तुत किया जाता है। जानकारी के अनुसार माइपे-क्लार्क ने जब संसद में डांस हाका परफॉर्म कर अपना मुद्दा उठाया तो उनके चेहरे की भाव भंगिमा डरा देने वाली थी। इतना ही नहीं संसद में बड़ी संख्या में लोगों ने इसे उनके पीछे दोहराया भी था। गौरतलब है कि ये दुनियाभर की संसदों में अपने तरह का पहला भाषण है। माइपे-क्लार्क का वीडियो वायरल होते ही एक ट्विटर यूजर ने लिखा, यही वजह है कि मेरी नजर में यह सबसे ईमानदार और लोकप्रिय संसद है। एक अन्य ने लिखा कि इस युवा महिला की ऊर्जा देखिए। एक शख्स ने लिखा- काश मुझे समझ आता कि वह क्या कह रही है, लेकिन उनका जुनून गजब है! यहां गौरतलब है कि ये हाका डांस जनजातियों का स्वागत करने का एक पारंपरिक तरीका है और यह युद्ध में जाते समय योद्धाओं को उत्साहित करने का भी काम करता है। जहां तक माइपे-क्लार्क की बात है तो वह 21 साल की हाना 170 साल में न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की सांसद बनीं हैं। वह एओटेरोआ में 1853 के बाद से सबसे कम उम्र के सांसद बताई जाती हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महिला सांसद नानिया महुता को हराया भी था।

अमेरिकी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज का ऑर्डर दिया

वाशिंगटन । अमेरिकी सेना ने अपनी 105 मिलीमीटर और 155 मिलीमीटर के अपने हॉवित्जर तोपखाने के उपयोग के लिए 87 करोड़ डॉलर से अधिक के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज का ऑर्डर दिया है। रक्षा विभाग ने इसकी जानकारी दी गई है। एल3 फ्यूजिंग एंड ऑर्डनेंस सिस्टम्स [ऑफ] सिनसिनाटी, ओहियो को एम762ए1/एम767ए1 इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग फ़्यूज के लिए 87करोड 15लाख डॉलर से अधिक का अनुबंध दिया गया है। रक्षा विभाग ने कहा कि अनुबंध पर काम करने में प्रत्येक ऑर्डर के साथ पांच साल लगने का अनुमान है,इसके पूरा होने की अनुमानित तारीख 4 जनवरी, 2029 है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, एम762ए1/एम767ए1 एक अद्वितीय सैन्य तोपखाना फ़्यूज़ है जिसका उपयोग सभी मौजूदा और भविष्य की अमेरिकी सेना के होवित्जर 105 मिमी और 155 मिमी हथियार प्रणालियों पर किया जायेगा है।

यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के संबंध में रूस ने बुलाई बैठक

न्यूयार्क । रूस ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के संबंध में बैठक बुलाई है। रूस ने आगामी 22 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। सुरक्षा परिषद के एक सूत्र ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रूस ने 22 जनवरी को कीव को हथियारों की आपूर्ति के विषय पर एक बैठक का अनुरोध किया है। इस बीच पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर 10 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

हेनले-ऑन-थेम्स, ब्रिटेन में तूफान हेन्क के बाद बाढ़ वाले घास के मैदानों को पार करने के लिए अपनी कश्ती का उपयोग करता एक आदमी।

बाइडेन ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को बताया लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

-पूर्व राष्ट्रपति डोलाल्ड ट्रम्प को मुख्य खतरा बताकर लगाए गंभीर अरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को अमेरिका में लोकतंत्र बचाने की लड़ाई के रूप में पेश किया और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मुख्य ख़तरा बताया। बाइडेन ने वर्ष के अपने पहले चुनावी भाषण में कहा कि आज हम यहां सबसे महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने के लिए हैं, क्या लोकतंत्र अभी भी अमेरिका का पवित्र कारण है? उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव इसी के बारे में है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा ख़तरा हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप उसी तरह इतिहास चुराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे उन्होंने चुनाव चुराने की कोशिश की थी। 'हमने इसे अपनी आंखों से देखा। ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसक हमला किया, वे विद्रोही थे। भाषण में बाइडेन 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर ट्रम्प के समर्थकों द्वारा किए गए हमले का जिक्र कर रहे थे। राष्ट्रपति का भाषण अमेरिकी इतिहास में अमेरिकी लोकतंत्र पर सबसे घातक हमले की तीसरी बरसी की पूर्व संध्या पर आया और यह पेंसिल्वेनिया राज्य के एक सामुदायिक कॉलेज से दिया गया था। इस दौरान बाइडेन ने 30 मिनट के भाषण में 44 बार ट्रम्प का नाम लेकर उल्लेख किया, इससे पूर्व राष्ट्रपति उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में जनता के सामने स्थापित हो गए हैं।

इस पर कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि बाइडेन वास्तव में ट्रम्प के खिलाफ फिर से प्रतिस्पर्धा को पसंद करते हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं के बीच अपनी लोकप्रियता के बावजूद, ट्रम्प पर दो बार महाभियोग चलाया गया, और चार मामलों में 90 से अधिक अपराधों का आरोप लगाया गया। उन्हें दो राज्यों, कोलोराडो और मेन में मतदान से बाहर कर दिया गया है। बाइडेन अपने कुछ अन्य रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वियों जैसे दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में संघीय कैबिनेट-रैंक के पद पर राजदूत निक्की हैली के बजाय ट्रम्प के खिलाफ चुनाव लड़ना पसंद करेंगे। आयोवा में एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव को लोकतंत्र की लड़ाई के रूप में चित्रित कर रहे हैं, क्योंकि वह अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाना चाहते हैं।

वहीं ट्रंप ने प्रशासन और राष्ट्रपति पर उनके खिलाफ मामले दर्ज करने के लिए सरकार का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सरकार को हथियार बना लिया है और वह कह रहे हैं कि मैं लोकतंत्र के लिए खतरा हूं। राष्ट्रपति बाइडेन को अपने अधिकांश राष्ट्रपति पद के लिए कम मतदान संख्या के साथ संघर्ष करना पड़ा है, पहले कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों के कारण और फिर बेतहाशा मुद्रास्फीति के कारण परेशान होना पड़ा।

हमास के डिप्टी चीफ सालेह अल अरौरी की मौत का बदला लेगा हिजबुल्लाह

तेलअवीव। हाल ही में हुए एक हमले में हमास के डिप्टी चीफ सालेह अल अरौरी की मौत हुई थी। इस हमले से तिलमिलाए हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरुल्ला ने धमकी देते हुए कहा है कि इस मौत का बदला जरुर लेंगे। यदि आज हम चुप बैठे तो पूरा लेबनान इजरायली हमले के दायरे में आ जाएगा। हमास के डेप्युटी चीफ सालेह की इसी हफ्ते राजधानी बैरूत में जान ले ली गई थी। इसको हमास के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया। हिजबुल्लाह के मुखिया हसन नसरल्ला एक हफ्ते में दूसरी मर्तबा अपने लोगों और संगठन को संबोधित कर रहे थे। नसरल्ला ने कहा है कि जिस तरह का अतिक्रमण हुआ, हिजबुल्लाह चुप नहीं बैठेगा।

परमाणु हथियारों की सनक में बर्बाद हुआ उत्तर कोरिया, अब आर्थिक संकट से घिरा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। दबंगता इतनी की दुनिया का कोई भी देश दमदारी से विरोध भी नहीं कर पाया। इन हथियारों के लिए उत्तर कोरिया के मुखिया किम जोंग ने पानी की तरह पैसा बहाया। अब हालात ये है कि यहां की आर्थिक स्थिति बदहाल होने लगी है। किम जोंग इल ने 9 अक्टूबर 2006 में पहला परमाणु परीक्षण करके दुनिया को चौंका दिया। इसके बाद से ही उत्तर कोरिया अब फिर से अमेरिका के निशाने पर आ गया और दक्षिण कोरिया समेत दूसरे यूरोपीय देशों से उसके रिश्तों को टकराव की स्थिति में ला खड़ा किया। मगर दबने की बजाय किम जोंग इल ने अपनी ताकत दिखाते हुए एक और परमाणु परीक्षण कर डाला। देश की अर्थव्यवस्था चरमरा रही थी और इसे बचाने की बजाय उसने अपनी पूरी ताकत सैन्य कार्यक्रमों में लगानी शुरू कर दी। साल 2011 में किम जोंग इल की मौत के बाद उसका बेटा और उत्तर कोरिया का मौजूदा तानाशाह किम जोंग उन गद्दी पर बैठा। सत्ता मिलते ही उसने भी उत्तर कोरिया में परमाणु परीक्षणों की झड़ी लगा दी। 12 फरवरी 2013 को उत्तर कोरिया ने तीसरा, 6 जनवरी 2016 को चौथा, 9 सितंबर 2016 को पांचवां और 3 सितंबर 2017 को उसने छठा परमाणु परीक्षण कर डाला। किम जोंग के परमाणु हथियारों की सनक ने एक अच्छे खासे और तरक्की करते देश को पीछे धकेल दिया। तानाशाही और दुनिया से दुश्मनी के चलते देखते ही देखते उत्तर कोरिया पिछड़ता चला गया, जिसके बाद देश में सिर्फ भूखमरी, बेरोजगारी और खस्ता माली हालत ही रह गई। आज कोरियाई प्रायद्वीप के इन दो देशों में फर्क सिर्फ इतना ही है कि दक्षिण कोरिया खेल से लेकर तकनीक तक हर क्षेत्र में काफी आगे निकल गया है।

अगले माह 8 तारीख को पता चलेगा कि ट्रंप चुनाव लड़ पाएंगे या नहीं?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव लड़ने को लेकर आशंका जताई जा रही है। उन पर कई मामले दर्ज हैं जिसके कारण अमेरिकी कोर्ट ने उन्हे चुनाव लड़ने से मना किया है। लेकिन ट्रंप लगातार अपना पक्ष रखते हुए चुनाव लड़ने की अनुमति मांग रहे हैं। ऐसे में अगले माह 8 फरवरी को सुप्रीम फैसला आएगा,जिसमें तय हो जाएगा कि ट्रंप चुनाव लड़ पाएंगे या नहीं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ट्रंप की अपील पर सुनवाई करने को राजी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह 8 फरवरी को दलीलों के साथ मामले की सुनवाई करेगा और कोलोराडो कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कोलोराडो कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की दायर की थी। अगर सुप्रीम कोर्ट कोलोराडो कोर्ट के फैसले को बरकरार रखता है तो डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश आने तक कोलोराडो का फैसला प्रभावी नहीं होगा।

ट्रंप ने दायर अपील में कोलोराडो कोर्ट के उस फैसले को पलटने का अनुरोध किया है, जिसमें उन्हें राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहराया गया था। कोलोराडो कोर्ट ने ट्रंप को अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत अयोग्य ठहराया था। कोलोराडो कोर्ट ने कैपिटल हिल हिंसा मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया था। कोलाराडो कोर्ट ने 4-3 से फैसला सुनाते हुए उन्हें अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के बाद उत्तर पूर्वी राज्य मेन ने भी ट्रंप को झटका दिया था. मेन राज्य की सेक्रेटरी ऑफ स्टेट शेना ली बेलोज ने कैपिटल हिल हिंसा मामले में फैसला सुनाया कि ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। ट्रंप को मेन के बैलेट से हटा दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि ट्रंप अगले साल अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं ले सकते हैं। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार को इस धारा के तहत राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहराया गया हो। बता दें कि अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव है और डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।बता दें कि यह पूरा मामला 6 जनवरी 2021 का है, जब ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। नतीजे आने के बाद उन्होंने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। भारी संख्या में ट्रंप के समर्थन अमेरिकी संसद में घुस गए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने हिंसा भी की थी। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी. हिंसा भड़काने का आरोप बाद में ट्रंप पर लगा।

इजराइल और हमास जंग के कारण यह जगह अब रहने लायक नहीं बची

गाजा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के तीन महीने बाद गाजा के हालात इतनी अधिक खराब हैं, कि यह जगह अब रहने लायक नहीं बची है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर सचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स ने यह कहकर चेतावनी दी कि गाजा में भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है तथा वहां एक भीषण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा की स्थिति पैदा हो सकती है।

ग्रिफिथ्स ने कहा कि गाजा के 23 लाख लोग प्रतिदिन अपने अस्तित्व के लिए पैदा हो रहे खतरों का सामना करते हैं, जबकि दुनिया सिर्फ देखती रहती है।

उन्होंने कहा कि इस युद्ध में अब तक हजारों लोग मारे गए हैं अथवा घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अधिकारी ने कहा कि गाजा में तापमान में गिरावट के बीच कई परिवार खुले में सोने को मजबूर हैं, और जिन क्षेत्रों में फलस्तीनियों को स्थानांतरित होने के लिए कहा गया था, उन क्षेत्रों पर भी बमबारी की गई है।

ग्रिफिथ्स ने कहा, गाजा में लोग खाद्य असुरक्षा के अब तक के उच्चतम स्तर का सामना कर रहे हैं और भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है। गाजा अब रहने लायक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि गाजा में आंशिक रूप से सक्रिय कुछ अस्पतालों में मरीजों की तादाद काफी अधिक है और चिकित्सा सामग्री तथा दवाइयों की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है। इस बीच, अस्पतालों पर लगातार हमले हो रहे हैं और संक्रामक रोग फैल रहे हैं। इस अराजकता के बीच लगभग 180 फलस्तीनी महिलाएं प्रतिदिन प्रसव पीड़ा से गुजरती हैं।

ग्रिफिथ्स ने युद्ध को तत्काल समाप्त करने और सभी बंधकों की रिहाई के लिए संयुक्त राष्ट्र की मांग को दोहराकर कहा कि यह समय है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस युद्ध को समाप्त कराने के लिए हरसंभव प्रयास करे।

युद्ध की वजह से पहले ही गाजा की 23 लाख आबादी का 85 फीसदी हिस्सा विस्थापित हो चुका है, जिससे क्षेत्र का उत्तरी इलाका वीरान हो गया है। इजराइल के हवाई और जमीनी हमले बढ़ने के कारण दक्षिण में भी विस्थापन का खतरा बढ़ गया है। फलस्तीनी नागरिकों को अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं लग रही है। इजराइली सेना के व्यापक अभियान ने पहले ही उत्तरी गाजा के अधिकांश हिस्सों को वीरान कर दिया है। युद्ध में पहले ही 21,300 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है और भीषण मानवीय संकट पैदा हो गया है, जिससे गाजा की एक चौथाई आबादी भुखमरी

का सामना कर रही है। इजराइल में सात अक्टूबर के हमले में हमास ने करीब 1200 लोगों की हत्या करने के अलावा लगभग 240 लोगों का अपहरण कर लिया था।

तानाशाह किम जोंग उन की बेटी उसकी प्रबल उत्तराधिकारी

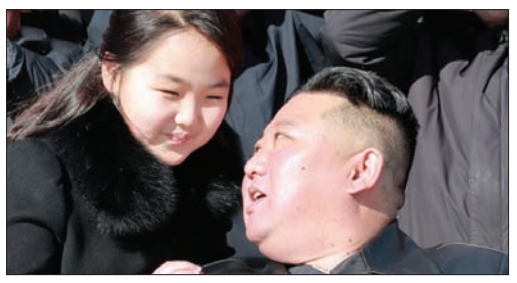

प्योंगयान। साउथ कोरिया की जांच एजेंसी का मानना है कि उत्तर कोरियाई के तानाशाह किम जोंग उन की युवा बेटी उसके सबसे प्रबल उत्तराधिकरियों में से एक है। एक साल पहले ही किम जोंग उन की बेटी की पहली झलक दुनिया के सामने आई थी। बताया जा रहा है कि उसकी उम्र महज 10 साल की है। बेटी ने सितंबर 2022 में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई थी। पिता के साथ लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षण-प्रक्षेपण के दौरान वहां नजर आई थी। तब से उत्तर कोरिया के तानाशाह की बेटी पिता के साथ कई प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होती रही है। बीते साल सितंबर में एक सैन्य परेड के दौरान वहां ताली बजाती हुई दिखीं। नवंबर में वायु सेना मुख्यालय की यात्रा के दौरान एक बिंदु पर उनके पिता के सामने उनकी तस्वीर खींची गई थी, जिसमें दोनों किम धूप का चश्मा और लंबे आराम की जैकेट पहने हुए थे। नए साल की पूर्वसंध्या के जश्न में प्योंगयांग स्टेडियम में किम जोंग उन ने बेटी को किस किया और बेटी ने भी पिता को किस किया।

जेल में इमरान, ब्रिटिश मीडिया में छप गया लेख... पाकिस्तान सरकार के हाथपांव फूले

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि वह जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हवाले से लेख के प्रकाशन को लेकर एक ब्रिटिश मीडिया संस्थान से संपर्क करेगी क्योंकि इस लेख ने संपादकीय निर्णय और विषय-वस्तु की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं।

दरअसल इमरान ने आगाह किया कि पाकिस्तान चुनाव तमाशा हो सकता है'' शीर्षक से लेख प्रकाशित हुआ। लेख में इस पर काफी संदेह जताया गया है कि क्या पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाला चुनाव घोषणा के अनुसार होगा। खान ने लेख में ''अमेरिका के दबाव'' में प्रतिष्ठान द्वारा 2022 में सत्ता से उन्हें ''साजिशन'' हटाने और चुनावों में ''समान अवसर न दिए जाने'' की बात दोहरायी है।

पाकिस्तान सरकार और अमेरिका के विदेश विभाग ने पहले ही इस लेख को खारिज किया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान (71) तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई अन्य मुकदमे चलाए जा रहे हैं। खबर के मुताबिक, कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने कहा कि सरकार जेल में बंद खान के हवाले से लिखे एक लेख के संबंध में ब्रिटिश प्रकाशन के संपादक को पत्र लिखेगी। सोलांगी ने कहा कि यह हैरान और परेशान करने वाली बात है कि इतने प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान ने उस व्यक्ति के नाम से लेख प्रकाशित किया है, जो जेल में है।

उन्होंने कहा, हम यह जानना चाहते हैं कि संपादकीय निर्णय कैसे लिए जाते हैं और ब्रिटिश मीडिया द्वारा सामग्री की वैधता एवं विश्वसनीयता के संदर्भ में क्या ध्यान में रखा जाता है। अखबार ने बताया कि खान की पार्टी के सूत्र इस पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं कि यह लेख जेल के भीतर से ब्रिटिश मीडिया संस्थान तक कैसे पहुंचाया गया। हालांकि, उन्होंने माना कि लेख निश्चित रूप से खान के शब्दों में लिखा गया है। कुछ पर्यवेक्षकों ने इस पर संदेह जताया है कि क्या लेख वाकई खान ने लिखा है, लेकिन कई पर्यवेक्षकों का कहना है कि लेख की और विषय-वस्तु खान के विचारों के अनुरूप है।

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान को मिली लगातार 17वीं हार, 0-3 से गंवाई सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में हार का मुंह देखना पड़ा है। नए कप्तान शान मसूद की अगुआई में पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने की उम्मीद लेकर जरुर गई थी, लेकिन मेजबानों ने उसे 0-3 से हरा ?दिया। टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 0-3 से हर चुकी है। जानकारी के अनुसार सिडनी में खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर पाकिस्तान का सीरीज में सूपड़ा साफ किया। नए साल में पाकिस्तान की ये हाल करने में उसके बल्लेबाजों का अहम रोल रहा जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के सामने आसानी से सरेंडर करते नजर आए। पाकिस्तान की ऑस्ट्रेलिया में यह लगातार 17वीं हार है। इससे पहले पाकिस्तान की टीम ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में 1995 में टेस्ट मैच जीती जीता था। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान की ओर से रखे गए 130 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे डेविड वॉर्नर के शानदार 57 और मार्नस लैबुशेन के नाबाद 62 रन के दम पर मैच जीत लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर उस्मान ख्वाजा का विकेट गंवा दिया।

इधर मैच के दौरान साजिद खान ने उस्मान को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद डेविड वॉर्नर और लैबुशेन ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला और दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की टीम को जीत दिलाई। वॉर्नर ने 75 गेंदों पर 7 चौके लगाए। लैबुशेन ने 73 गेंदों पर 9 चौके जड़े जबकि स्टीव स्मिथ 4 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले पाकिस्तान ने चौथे दिन के खेल की शुरुआत 7 विकेट पर 68 रन से की। कल के नाबाद लौटे बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और आमेर जमाल ने पारी की शुरुआत की। रिजवान अपने कल के निजी स्कोर में 22 रन और जोड़कर 28 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए। उन्हें स्पिनर नाथन लियोन ने वॉर्नर के हाथों कैच कराया। आमेर जमाल 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कमिंस ने अपना शिकार बनाया।

सबालेंका ने अजारेंका को हराया, ब्रिसबेन फाइनल में अब रिबाकिना से होगी भिड़ंत

ब्रिसबेन (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यहां 2 बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका पर 6-2, 6-4 की जीत से ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत एलीना रिबाकिना से होगा। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में भी सबालेंका और रिबाकिना का सामना हुआ था। इसमें सबालेंका ने रिबाकिना पर 4-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

सबालेंका ने 2022 विम्बलडन चैम्पियन रिबाकिना के साथ सात मुकाबलों में 5 में जीत हासिल की है। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबालेंका की जीत की लय 15 मैच की हो गयी है जिसमें एडिलेड में 2023 के शुरू में खिताब के बाद मेलबर्न पार्क में ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीतना भी शामिल रहा। सबालेंका ने अजारेंका के खिलाफ 10 ऐस और 35 विनर लगाए। अजारेंका ने 2012 और 2013 में लगातार आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीते थे। रिबाकिना ने 19 वर्षीय लिंडा नोसकोवा पर 6-3, 6-2 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग के फाइनल में भी शीर्ष दो वरीय खिलाड़ी पहुंच सकते हैं। शीर्ष वरीय होल्गर रूने ने रोमन सैफियूलीन पर 6-4, 7-6 से जीत हासिल की। 8वीं रैंकिंग पर काबिज रूने एटीपी में 5वां खिताब हासिल करने की उम्मीद लगाए होंगे जिसमें उनका सामना रविवार को दूसरे वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव और जोर्डन थाम्पसन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की टीम का ऐलान

-अनुभवी स्पिनर राशिद खान की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच अगले हफ्ते से खेली जाने वाली टी20 सीरीज काफी चर्चा में है। भारतीय टीम में दिग्गज

रोहित शर्मा और विराट कोहली के वापसी की खबर आ रही है। खबरों के बीच अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ 3 मैचों की इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है। यूएई के खिलाफ टीम से बाहर रखे गए घातक स्पिनर की वापसी हुई है। टीम की कमान फिर से इब्राहिम जादरान के हाथों में होगी।

भारत के खिलाफ खेली जाने वाली टी20 सीरीज के लिए 6 जनवरी को अफगानिस्तान ने अपने टीम की घोषणा की। अनुभवी स्पिनर राशिद खान की टीम में वापसी हुई है। भारत दौरे पर राशिद के अलावा मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और नूर अहमद की स्पिनर तिकड़ी को भी चुना गया है। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में अफगानिस्तान कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में खेलने उतरेगी। दूसरा मुकाबला इंदौर में खेला जाना है जबकि इस सीरीज का आखिरी टी20 मैच 17 जनवरी को बेंगलुरू में होगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक सिर्फ 5 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। इनमें से टीम इंडिया ने 4 मैच अपने नाम किया है जबकि एक मुकाबला खेला नहीं जा सका था।

पहला टी20: 11 जनवरी, मोहाली

दूसरा टी20: 14 जनवरी, इंदौर

तीसरा टी20: 17 जनवरी, बेंगलुरु

इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), एकराम अली (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जाजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारुखी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नैब, राशिद खान शामिल हैं।

अब इंग्लैंड से घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का इस साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद भारतीय टीम को अब इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड की टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इसी माह भारत पहुंचेगी। ये सीरीज जनवरी के अंत में शुरू होगी और मार्च तक चलेगी। 25 जनवरी से 11 मार्च के बीच यह सीरीज खेली जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 25 से 29 जनवरी के बीच हैदराबाद में खेला जाना है। वहीं दूसरे मुकाबले में दोनों टीमें 2 से 6 फरवरी के बीच विशाखापत्तनम में खेलेंगी। 15 फरवरी से 19 फरवरी के बीच राजकोट में तीसरा मुकाबला खेला जाना है। 23

फरवरी से 27 फरवरी के बीच रांची में चौथा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

सीरीज का आखिरी मुकाबले 7 से 11 मार्च के बीच धर्मशाला में खेला जाना है। भारतीय टीम का लक्ष्य आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को लेकर इसमें बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस साल कप्तान रोहित शर्मा की नजर टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पर होगी। पिछले दो मौकों पर टीम इंडिया ने फाइनल का टिकट पक्का किया लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पाई। इस बार वह इस रिकॉर्ड को बदलना चाहेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका का मुश्किल दौरा टेस्ट सीरीज को बराबरी पर लाने में सफल रही। केवल डेढ दिन में ही मेजबान को हराकर भारत ने सीरीज में बराबरी हासिल की। दो मैचों की सीरीज को एकतरफा जीत से खत्म करना भारत के लिए बड़ी उपलब्धि रही जिससे उसका मनोबल बढ़ा है। इससे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा केपटाउन में टेस्ट जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान भी इस दौरे में बने हैं। कोई भी भारतीय कप्तान दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ उनके घर पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है और यह रिकॉर्ड इस बार भी नहीं टूट पाया।

चयनकर्ताओं के लिए सिरदर्द बन सकते हैं रिंकू सिंह

- टेस्ट सीरीज में दिया जा सकता है उन्हें मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट मैच खत्म होने के अगले दिन ही रणजी ट्रॉफी की शुरुआत हुई और रिंकू सिंह ने पहले ही दिन अपनी टीम के लिए शानदार पारी खेली। ऐसे में रिंकू सिंह चयनकर्ताओं के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। अब टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका दिया जा सकता है। हाल में भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार जीत दर्ज की। लेकिन टीम इंडिया की बल्लेबाजी में उतना दम देखने को नहीं मिला था। दरअसल, रिंकू सिंह अब टेस्ट मैच में श्रेयस अय्यर की जगह ले सकते हैं। पिछले 5 टेस्ट में अय्यर का प्रदर्शन देखें तो कुछ खास नहीं रहा है। पिछले 5 टेस्ट मैच में अय्यर का उच्चतम स्कोर 31 का रहा है। जो उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में ही बनाया था। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैच खेले थे। वहां भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उच्चतम स्कोर सिर्फ 26 का था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में भी अय्यर फ्लॉप रहे। पहले टेस्ट की पहली और दूसरी इनिंग में अय्यर ने क्रमश=31 और 6 रन बनाए। इसके बाद दूसरे टेस्ट की पहली इनिंग में 0 और दूसरी इनिंग में 4। लगातार फ्लॉप हो रहे अय्यर को अब टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ सकता है। हो सकता है कि आने वाले समय में अय्यर की जगह रिंकू सिंह ले लें। रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी के पहले दिन केरल के खिलाफ

शानदार पारी खेली। रिंकू ने 103 गेंद का सामना करते हुए 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 71 रन की नाबाद पारी खेली। इस तरह उनकी टीम का स्कोर कुल 244 रन तक पहुंचा। रिंकू हालांकि, टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और अय्यर 5 पर। लेकिन टी20 की तरह ही रिंकू को 5 नंबर पर खिलाया जा सकता है।

युकी भांबरी-रोबिन हासे की जोड़ी ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय के सेमीफाइनल में हारी

खेल डैस्क । भारत के युकी भांबरी और नीदरलैंड के उनके जोड़ीदार रोबिन हासे शनिवार को ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के लॉयड ग्लासपूल और नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर की जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आठवीं वरीयता प्राप्त भारत और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की जोड़ी एक घंटे 40 मिनट तक चले मैच में दूसरे वरीय प्रतिद्वंद्वी से 3-6, 7-6, 9-11 से हार गई। भांबरी और हासे की जोड़ी ने इससे पहले शुक्रवार को नाथानियल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो की अमेरिकी जोड़ी को सीधे सेटों में हराया था। पिछले साल 31 साल के भांबरी ने मार्लोका चैम्पियनशिप युगल प्रतियोगिता में पहला एटीपी खिताब जीता था। दिल्ली के खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस के साथ जोड़ी बनाई थी।

सुनील गावस्कर ने बताए अपने पसंदीदा 5 पाकिस्तानी क्रिकेटरों के नाम

नई दिल्ली । भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपने 5 पसंदीदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों के नाम बताए हैं। इस समय सुनील गावस्कर अफ्रीकी देश में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज को कवर कर रहे हैं। इस दौरान उनसे एक प्रशंसक ने पाकिस्तान के अपने पसंदीदा क्रिकेटरों का नाम पूछा तो सुनील गावस्कर ने जहीर अब्बास का नाम लेकर शुरुआत की। उनके बाद इमरान खान, जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और बाबर आजम का नाम लिया। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम अपने असाधारण बल्लेबाजी कौशल के कारण चर्चा में रहे हैं। अक्सर खेल के महान खिलाड़ियों से तुलना किए जाने वाले आजम क्रीज पर निरंतरता और सुंदरता के प्रतीक बन गए हैं। सभी प्रारूपों को बेहतरीन ढंग से खेलने की उनकी क्षमता ने उन्हें दुनिया भर में प्रशंसा दिलाई है। गौरतलब है कि सुनील गावस्कर भारत के लिए प्रशंसनीय क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने 125 टेस्ट मैच खेले जिसमें 51.12 की औसत से 10,122 रन बनाए। उन्होंने 34 शतक बनाए, जिसमें नाबाद 236 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा। दाएं हाथ का बल्लेबाज उस भारतीय टीम का हिस्सा था जिसने 1983 में इंग्लैंड में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जीता था।

पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर : चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम रांची पहुंची

रांची (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने के इरादे से चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम शनिवार को जोश और दृढ़ संकल्प के साथ यहां पहुंची। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज चेक रिपब्लिक का नेतृत्व एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में कतेरीना लासीना करेंगी। टीम के मुख्य कोच गैरेथ ग्रुंडी हैं। चेक गणराज्य पूल ए में है, जहां 13 जनवरी को उसका शुरुआती मुकाबला पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान के खिलाफ होगा।

चेक टीम 14 जनवरी को टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में चिली से भिड़ेगी। उनका अंतिम पूल मैच 16 जनवरी को ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी से होगा। मैदान में

अन्य टीमों में पूल बी में मेजबान भारत, न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। टूर्नामेंट की शीर्ष 3 टीमें पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टूर्नामेंट की तैयारियों और रणनीतियों के बारे में बात करते हुए, कप्तान कतेरीना लासीना ने कहा कि हमारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारी शारीरिक क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित था, जो हमारे खेल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसके अलावा हम फ्रांस, यूक्रेन और नीदरलैंड की अंडर21 टीम के खिलाफ तैयारी में लगे हुए हैं। टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं। हम यहां लड़ने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए हैं और हमें विश्वास है कि हम ऐसा कर सकते हैं।

उच्च रैंकिंग वाले जर्मनी के खिलाफ टीम के महत्वपूर्ण मुकाबले पर आगे बोलते हुए, लासीना ने कहा कि हम जर्मनी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हॉकी के खेल में, कुछ भी सामने आ सकता है और हम हर मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं।

शतरंज में पहली बार होगा बच्चो का विश्व कप, फीडे नें की घोषणा

बातुमी , जॉर्जिया। विश्व शतरंज संघ नें एक नवीन कदम में, युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए पहला फीडे विश्व कप 22 जून से 3 जुलाई, 2024 तक जॉर्जिया में आयोजित करने का निर्णय लिया है । इस बारे में बयान जारी करते हुए शतरंज की वैश्विक संस्था फीडे नें कहा की 'इस नए आयोजन का उद्देश्य एक संशोधित प्रणाली के साथ युवा शतरंज परिदृश्य को फिर से परिभाषित करना और युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर प्रदान करना है' । यह टूर्नामेंट तीन आयु समूहों अंडर 8 , अंडर 10 और अंडर 12 में आयोजित किया जाएगा ,जिसमें बालक और बालिका श्रेणियों प्रत्येक में 48 प्रतिभागी होंगे । प्रतियोगिता दो चरणों में होगी, जिसकी शुरुआत सात-राउंड स्विस सिस्टम से होगी और इसके बाद मुख्य विश्व कप की तर्ज पर नॉक आउट मुक़ाबले खेले जाएँगे । फीडे नें 1 फरवरी, 2024 तक सभी देशो से खिलाड़ियों के नाम घोषित करने को कहा है । भारत के लिए यह खबर बेहद अच्छी है क्यूंकी दुनिया भर में भारत के युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है ।

टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं सिराज और जसप्रीत

-आगामी 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली है सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-साउथ अफ्रीका के टेस्ट सीरीज के 2 हीरो ही अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। भारत ने साउथ अफ्रीका को 2 दिन के अंदर ही हरा दिया। अब भारतीय टीम को 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ टी 20 सीरीज खेलनी है।

दावा किया जा रहा है कि मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए सेलेक्शन सूची में रखे गए हैं। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रेस्ट दिया जा सकता है। इन दोनों गेंदबाजों ने केपटाउन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार जीत दिलाई थी। दोनों की धारदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने मुकाबला आसानी से जीत लिया था।पहली इनिंग में मोहम्मद सिराज ने अफ्रीका के 6 खिलाड़ियों को आउट किया था। वहीं, दूसरी इनिंग में बुमराह ने 6 विकेट झटके।

अगर इन दोनों प्लेयर्स को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज

के लिए रेस्ट दिया जाता है तो दो नए गेंदबाजों की टीम में एंट्री हो सकती है। भारतीय टीम नए साल में सबसे पहले अफगानिस्तान की टीम की मेजबानी करने जा रहा है। 11 जनवरी से 17 जनवरी के बीच तीन मैचों की सीरीज में भारत को खेलना है। पहला मुकाबला मोहाली में खेला जाना है जबकि दूसरा मैच इंदौर में 14 जनवरी को खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मुकाबला 17 तारीख को बैंगलोर में आयोजित किया जाना है।

ब्राजील के विश्व कप विजेता खिलाड़ी और कोच मारियो जागालो का निधन

रियो डी जनेरियो। ब्राजील की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में दो तथा कोच और सहायक कोच के रूप में एक-एक विश्व कप खिताब जीतने वाले फुटबॉलर मारियो जागालो का निधन हो गया है। वह 92 वर्ष के थे। जागालो पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने एक खिलाड़ी और कोच के रूप में विश्व कप जीता था। वह ब्राजील के कई समर्थकों के लिए देशभक्ति और गौरव का प्रतीक थे। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने शनिवार तड़के बयान जारी करके जागालो के निधन की पुष्टि की। उन्होंने जागालो को फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक करार दिया। ब्राजील ने 1958 और 1962 में जब विश्व कप खिताब जीते थे तब जागालो उसके स्ट्राइकर थे। इसके बाद 1970 में जब ब्राज़ील ने फाइनल में इटली को 4-1 से हराकर अपना तीसरा विश्व कप खिताब जीता था तब जागालो उसके कोच थे। जागालो 1994 के विश्व कप में ब्राजील की टीम के सहायक कोच थे। ब्राजील ने तब फाइनल में इटली को हराकर खिताब जीता था।

फिटनेस और क्षेत्ररक्षण की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनकी टीम को अभी क्षेत्ररक्षण और फिटनेस की अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा। हरमनप्रीत ने हालांकि माना कि ये आसान नहीं है। कप्तान के अनुसार फिटनेस विभाग में एकदम से सुधार नहीं हो सकता। इसके लिए टीम पूर्णकालिक सहयोगी स्टाफ की सहायता देगी। भारतीय टीम काफी समय से क्षेत्ररक्षण और फिटनेस की समस्या से परेशान है।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करें तो हमने टुकड़ों में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है। वहीं क्षेत्ररक्षण और फिटनेस ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। हम इस पर काम भी कर रहे हैं। अक्टूबर के अंत में टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए अमोल मजूमदार ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पूर्व कहा था कि मुनीष बाली क्षेत्ररक्षण और ट्रॉय कूली गेंदबाजी विभाग में सहयोगी स्टाफ में शामिल होंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि अब सबसे अच्छी बात यह है कि अब हमारे पास नियमित सहायक स्टाफ है जिससे अब फिटनेस और क्षेत्ररक्षण सुधारने में सहायता मिलेगी। बीच में हमारे पास कई कोच थे जिनके क्षेत्ररक्षण और फिटनेस पर अपने विचार थे। उन्होंने कहा कि अभी हमारे पास मुनीष हैं, उन्हें समय देना होगा। वह बहुत अनुभवी कोच हैं और उन्होंने कई खिलाड़ियों के साथ काम किया है। वह अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन एक महीने में परिणाम मिलना मुश्किल है। हरमनप्रीत ने कहा कि भारत को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए मैदान पर गलतियों को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हमें अच्छी टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने और उनके खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिल रहा है। अगर हम दिन-ब-दिन गलतियां कम करने में सफल रहे, तो टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा।

आईसीसी ने नियमों में किया बदलाव

दुबई। क्रिकेट में अब टीवी अंपायर, स्टंपिंग की अपील पर कॉट बिहाइंड का रीव्यू नहीं कर सकेंगे। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने नियमों में बदलाव किया है, इसके तहत अब टीवी अंपायर, स्टंपिंग की अपील पर कॉट बिहाइंड का रीव्यू नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष 12 दिसंबर से प्रभावी हुये इन नियमों के तहत अब विकेटकीपर के बेल्स गिराने के बाद अगर टीम कॉट बिहाइंड के लिए रीव्यू लेना चाहती है तब उसे अलग से डीआरएस की अपील करनी होगी। गौरतलब है कि साल 2023 की शुरुआत में भारत के खिलाफ श्रृंखला में कई बार ऐसा हुआ था कि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स केरी स्टंप की अपील करते और टीवी अंपायर कॉट बिहाइंड को भी रीव्यू करते थे जो अब नहीं हो पायेगा। इसके कारण गेंदबाजी कर रही टीम को रीव्यू लेने की जरुरत नहीं पड़ती थी और अंपायर यह भी देखा करते थे कि गेंद बल्ले से लगकर गई है या नहीं। हालांकि अब स्टंप की अपील पर टीवी अंपायर केवल साइड ऑन कैमरा का उपयोग करते हुए यह देखेंगे कि बल्लेबाज स्टंप आउट है या नहीं। इसके साथ ही आईसीसी ने कनकशन सब्स्टीट्यूशन के नियम में भी संशोधन किया है।

म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम में अपनी आवाज देंगे रवि किशन

अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर भव्य उद्घाटन की तैयारी बहुत ही जोर शोर से चल रही है। इस अवसर पर अभिनेता और सांसद रवि किशन अपने म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम को लांच करने की तैयारी कर रहे हैं। इस म्यूजिक वीडियो में अभिनेता रवि किशन खुद अपनी आवाज देने जा रहे हैं, जिसकी रिकॉर्डिंग आज दिल्ली में होगी। रवि किशन कहते हैं कि पुरे विश्व की नजर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर उद्घाटन पर है। विश्व के श्रद्धेय प्रभु श्री राम के चरणों में यह म्यूजिक वीडियो समर्पित है। अभिनेता और सांसद रवि किशन ने अपने संसदीय क्षेत्र गोरखपुर में नवरात्रि की सप्तमी के दिन म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम की शूटिंग कर चुके हैं। उस समय म्यूजिक वीडियो की शूटिंग रफ ट्रैक पर ही हुई थी आज रवि किशन इस वीडियो के गाने की रिकॉर्डिंग अपनी आवाज में करेंगे। रवि किशन कहते हैं, अयोध्या के श्रीराम के गाने की शूटिंग हमने बहुत ही भव्य स्तर पर गोरखपुर में राजघाट में की, जिसमें मुंबई से 500 डांसर ने भाग लिया है। यह अपने आप में अद्भुत म्यूजिक वीडियो है। म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम का निर्माण अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर भव्य निर्माण को लेकर किया गया है। एल्बम का निर्माण कर रहे निर्माता निरंजन कुमार सिन्हा कहते हैं, इस गाने की शूटिंग की तैयारी काफी समय से चल रही थी। रवि किशन से जब इस म्यूजिक वीडियो के लिए बात की तो वह तुरंत तैयार हो गए। गाने का फिल्मांकन बहुत ही भव्य तरीके से हुआ, फिर विचार किया कि क्यों ना रवि किशन ही इस म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज भी दे, मेरे इस निवेदन को उन्होंने सहर्ष की स्वीकार कर लिया और आज हम गाने की रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम के संगीतकार माधव एस राजपूत हैं। इस गीत को मिनाक्षी एसआर और प्रणव वत्स ने लिखे हैं। संगीतकार माधव एस राजपूत ने ही रफ ट्रैक गए थे, जिसे आज रवि किशन अपनी आवाज में दिल्ली सफदरगंज के कथारस स्टूडियो में रिकॉर्ड कर रहे हैं। यह म्यूजिक वीडियो 14 जनवरी को यूट्यूब चैनल पर लांच होगा और 17 जनवरी को इस एल्बम की लॉन्चिंग पार्टी का आयोजन मुंबई में होगा। बताया जा रहा है कि यह बहुत ही महंगा म्यूजिक वीडियो पर है, जिसमें एक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग की जा सकती है।

एक्टर्स को डेट करने के सवाल पर बोलीं जान्हवी कपूर

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने एक्टर्स को डेट करने के सवाल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा है कि एक्टर कंपीटिटिव और वीयर्ड होते हैं। बॉलीवुड सिस्टर्स जान्हवी और खुशी कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगी। दोनों अपने करियर, फैमिली और लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके बारे में खुलते हुए, जान्हवी ने कहा, आपकी एक फिलॉसफी भी है जिसके बारे में हमने बात की है कि आप एक्टर्स को डेट नहीं करना चाहती, क्योंकि आपको लगता है कि यह कहीं न कहीं टेंशन देगा। जवाब देते हुए जान्हवी ने कहा, एक्टर्स को डेट करना सच में मुश्किल काम है। वैनिटी इस प्रोफेशन का बहुत बड़ा हिस्सा है। मैं बेहद ओब्सेस्सेड हूं, यह प्रोफेशन ऐसा है जहां आपको हर समय खुद के प्रति जुनूनी रहने की जरूरत है। यह आपको खा जाता है। धड़क फेम एक्ट्रेस ने कहा, आपको किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने की जरूरत है जो आपको भी खुद के साथ टाइम बिताने के लिए वक्त दे। लेकिन मुझे लगता है कि एक्टर्स बहुत ही कंपीटिटिव और वीयर्ड होते हैं। जान्हवी कथित तौर पर धड़क के को-स्टार ईशान खट्टर को डेट कर चुकी हैं। अफवाह थी कि उन्होंने हैंडसम हंक कार्तिक आर्यन को डेट किया था। करण ने पूछा- आप कभी किसी एक्टर को डेट नहीं करेंगी, क्योंकि आप अभी जहां हैं, वहां आप कंफर्टेबल हैं? एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मैं आपको बता रही हूं कि जब कोई एक्टर होता है तो हमेशा टेंशन बनी रहती है। मैं उस टेंशन से निपट नहीं सकती, क्योंकि मुझे खुलकर रहना पसंद है। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस इन दिनों शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं।

जॉली एलएलबी 3 में आमने-सामने होंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

बच्चन पांडे में स्क्रीन शेयर करने वाले बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म में एक साथ नजर आएंगे। फिल्म के पहले दो पार्ट हिट रहे हैं। इस बार फिल्म में दोनों कलाकार कानूनी लड़ाई में आमने-सामने होंगे। सूत्र ने कहा, निर्देशक सुभाष कपूर ने जॉली एलएलबी की तीसरी किस्त के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस बार मुकाबला अक्षय बनाम अरशद होने जा रहा है। सुभाष ने एक ऐसे विषय को सुलझाया है, जो दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करता है। शूटिंग मई 2024 में शुरू होगी। फिल्म का निर्माण डिज्नी और केप ऑफ गुड फिल्म्स कर रही है। प्रशंसकों ने पिछले भागों में दोनों जॉली को पसंद किया है, जबकि जगदीश त्यागी के रूप में अरशद को बहुत प्यार और प्रशंसा मिली, वहीं जगदीश मिश्रा के रूप में अक्षय को भी प्रशंसकों ने सराहा। इस प्रोजेक्ट के अलावा अरशद और अक्षय वेलकम टू द जंगल पर भी साथ काम कर रहे हैं, जो 2024 में रिलीज होगी।

परिणीति और प्रियंका तो दूर की बात है, मैं अपने मां-बाप से भी टिप्स नहीं लेती

मीरा चोपड़ा ने अपनी बहनों से टिप्स लेने की बात पर कहा, परिणीति और प्रियंका तो दूर की बात है, मैं अपने मां-बाप से भी टिप्स नहीं लेती। उन्होंने ये भी कहा कि अपनी प्रोफेशनल लाइफ में वो किसी को ट्रस्ट नहीं करती। उनकी जीवन में खुशी का पैमाना कुछ और है। साउथ की फिल्मों में कई दमदार किरदार निभा चुकीं मीरा चोपड़ा सेक्शन 375 जैसी फिल्म के बाद अपनी हालिया फिल्म सफेद को लेकर चर्चा में हैं। इस मुलाकात में वे अपनी फिल्म, महिलाओं की चुनौती, अपने गर्व भरे पल, अपनी बहनें प्रियंका और परिणीति जैसे कई मुद्दों पर बातें करती हैं।

अपनी पिछली फिल्म सेक्शन 365 में आप रेप विक्टिम और इस फिल्म में विधवा जैसी महिलाओं के अलग-अलग रूपों को जीते हुए आपको क्या लगता है, आज महिलाओं की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

हम महिलाओं की चुनौतियों का तो अंत नहीं है। हमारे लिए बहुत सारे मुद्दे हैं। इसे विडंबना कहें या भाग्य, हर औरत का मुद्दा अलग होता है। हम जिस समाज से आते हैं और जो निचले समाज के हिस्से की जो औरतें हैं, उनके मुद्दों में जमीन-आसमान का अंतर है। हमारी चुनौती और हमारे हाउस हेल्प के चैलेंजेज़ अलग-अलग हो जाते हैं, एक ही जगह में रहते हुए। हमारे लेवल की लड़कियों की मुझे सबसे बड़ी चुनौती ये लगती है कि हमें हायर लेवल का एम्प्लॉयमेंट अभी भी नहीं मिलता। आज भी जब फाइव करोड़ एनम की सैलरी की जॉब हो, तो मर्दों को ढूंढा जाता है। हमें अपने जॉब के अस्तित्व के लिए लड़ना पड़ता है। छोटे स्तर की महिलाओं की समस्याएं तो बुनियादी जरूरतों से होती हैं। उनको पढ़ने का अधिकार दो दे, बाकी बड़ी चीजें भूल जाओ। मैं कहती हूं उन्हें आप साक्षर बना दो, एजुकेशन पूरा करने के बाद वे आत्मनिर्भर हो पाएंगी। देश के कई हिस्सों में लड़कियां अपने मूलभूत अधिकारों की जंग में जुटी रहती हैं।

कभी लड़की होने के नाते आपको कमतर होने का अहसास कराया गया है?

नहीं। असल में मैं खुद को बहुत बहादुर लड़की मानती हूं। मैंने सदा अपने फैसलों पर नाज किया है और हमेशा अपनी सेल्फ रिस्पेक्ट को आगे रखा। मैं न्यूयॉर्क से पढ़ कर आई तो वहां भी मैं हमेशा लीडर रही। सच कहूं, तो मैं किसी पूर्वाग्रह का शिकार नहीं हुई। मैंने उसे खुद तक आने ही नहीं दिया।

प्रियंका चोपड़ा की कजन सिस्टर होने का आपको फायदा ज्यादा रहा या नुकसान?

मुझे नुकसान भी नहीं और ईमानदारी से कहूं तो फायदा भी नहीं है। मैं इस इंडस्ट्री में अपनी एक बहुत ही इंडिविजुअल जर्नी जी रही हूं। मुझे कोई फायदा नहीं मिला और न ही नुकसान। मुझे जो भी काम मिला, अपने बलबूते पर मिला। हर किरदार के लिए मुझे टेस्ट किया गया। मैंने स्क्रीन टेस्ट और ऑडिशन देकर ही भूमिकाएं पाई हैं। मुझे नहीं लगता किसी की बहन या बेटा होने का फायदा होता है। हो सकता है एक-दो फिल्में मिल जाएं, उसके बाद आप में यदि प्रतिभा होगी, तभी आपको काम मिलेगा, वरना नहीं।

कभी अभिनय या करियर को लेकर परिणीति चोपड़ा या प्रियंका से टिप्स लिए आपने?

ईमानदारी से कहूं, तो मैंने कभी किसी से टिप्स नहीं लिए। मैं एक आत्मनिर्भर लड़की हूं। परिणीति और प्रियंका तो दूर की बात है, मैं अपने मां-बाप से भी टिप्स नहीं लेती। मेरे दिल को जो अच्छा लगता है, मैं करती हूं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ में मैं किसी को ट्रस्ट नहीं करती।

हिंदी सिनेमा में आपके रोल्स की बात करें, तो आप बलात्कार पीड़िता या फिर विधवा जैसे जटिल किरदारों में नजर आ रही हैं?

मैं हमेशा से मानती हूं कि आप जो ढूंढने निकलते हो, वो आपको मिल ही जाता है। जिस तरह की भूमिकाएं आप करना चाहते हैं, वो आपको मिल ही जाती हैं। मैंने इंडस्ट्री में मसाला रोल करने की कोशिश ही नहीं की, क्योंकि मैं वो भूमिका करना ही नहीं चाहती थी। मैं उन्हीं फिल्मकारों से अप्रोच करती हूं, जो अर्थपूर्ण फिल्में बनाते हैं। इन्हीं मीनिंगफुल रोल्स की वजह से मैं कम काम भी करती हूं। ऐसे किरदार भी कम मिलते हैं। मुझे लगता है, इस तरह की भूमिकाओं में मैंने अपनी खुशी तलाश ली है। मेरे जीवन में खुशी का पैमाना अलग है। ये फैंसी कार, बड़ा घर ये सब चीजें मेरी खुशी को नहीं मापतीं। मुझे खुशी उन बातों से मिलती है, जब मैं अपनी पसंद का काम करती हूं और ऐसे चरित्र मुझे बहुत खुशी देते हैं।

अपनी फिल्म में विधवा के रोल के लिए क्या आपने प्रेम रोग की पद्मिनी कोल्हापुरे से प्रेरणा ली? इस तरह की विधवाओं का अस्तित्व क्या आज भी है?

हम शहरों में रहने वालों को लगता है कि ऐसी विधवाएं कहां रहती होंगी? जिन्हें जिंदगी जीने का अधिकार नहीं है। पहले मैं भी यही समझती थी। आम तौर पर शहरों में तो री-मैरिज हो ही जाती है, मगर फिल्म की रिसर्च के दौरान मैं प्रेम रोग की पद्मिनी कोल्हापुरे टाइप दो विधवाओं से मिली। एक 24 साल की लड़की थी और दूसरी 40 साल की महिला, दोनों को ही सफेद साड़ी पहनना जरूरी था। वो लोग बाल भी नहीं बढ़ा सकते थे। या तो गंजी या फिर छोटे-छोटे बाल। उनको जमीन पर सोना पड़ता है। वो सादा खाना खाती हैं और घर चौखट से बाहर नहीं जा सकतीं। प्रेम रोग शायद 40 साल पहले आई होगी और मेरी फिल्म सफेद आज के दौर में, मगर मैं कह सकती हूं कि देश के अंदरूनी हिस्सों में आज भी विधवाओं की स्थिति बदली नहीं है। हम ऐसी विधवाओं की जिंदगी से अनजान हैं, मैं भी नावाकिफ थी। मेरे लिए इस रोल को करना आसान नहीं था, मगर खुशी है कि भले दस दिन के लिए मैंने उनकी जिंदगी जी।

दूसरे सीजन के साथ लौट रहा सुनील ग्रोवर-स्टारर सनफ्लॉवर

सुनील ग्रोवर का स्ट्रीमिंग शो सनफ्लावर अपने दूसरे सीजन के साथ लौट रहा है। इसमें आशीष विद्यार्थी, रणवीर शौरी, गिरीश कुलकर्णी, मुकुल चड्ढा, आश्विन कौशल ने भी काम किया था। यह शो एक क्राइम कॉमेडी है और मुंबई में सनफ्लावर नामक एक मध्यम वर्गीय हाउसिंग सोसायटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें कई विचित्र किरदार हैं।

दूसरे सीजन में पहले सीजन के कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे जिसमें सुनील ग्रोवर सोनू सिंह के रूप में मुकुल चड्ढा मिस्टर आहूजा के रूप में आशीष विद्यार्थी दिलीप अय्यर के रूप में रणवीर शौरी इंस्पेक्टर दिगेंद्र के रूप में और गिरीश कुलकर्णी इंस्पेक्टर तांबे के रूप में दिखाई देंगे। नया सीजन वहीं से शुरू होता है जहां पहला सीजन खत्म हुआ था। इस बार, संदिग्धों की संख्या दोगुनी होने से साजिश और गहरी हो गई है, जिसमें बेशक सोनू भी शामिल है। यह शो शोरुनर विकास बहल द्वारा बनाया गया है और नवीन गुजराल द्वारा निर्देशित है। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए शोरुनर विकास बहल ने कहा, मैं सनफ्लावर के पहले सीजन को प्रशंसकों से मिले अपार प्यार और समर्थन से वास्तव में आभारी हूं। एक प्रशंसक आधार जो अभूतपूर्व से कम नहीं है। आगामी दूसरे सीजन के साथ, हमारा उद्देश्य इस रहस्यमय मर्डर मिस्ट्री को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने आगे कहा, दर्शक अधिक परतों, अधिक साजिश और प्रिय पात्रों की गहरी खोज की उम्मीद कर सकते हैं, जो भावनाओं, हंसी और कई मोड़ों की एक रोलरकोस्टर सवारी का वादा करती हैं। शो का दूसरा सीजन जल्द ही जी5 पर स्ट्रीम होगा।

मक्षक में जर्नलिस्ट बनीं भूमि पेडनेकर

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'भक्षक' की शूटिंग पूरी कर ली है, मेकर्स ने 2 साल पहले 2022 में फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। बता दें फिल्म की कहानी सच्ची घटना से प्रेरित है साथ ही महिलाओं के खिलाफ किए जाने वाले अपराधों की हकीकत से भी जुड़ा हुआ है। फिल्म की शूटिंग कोविड के समय में शुरू की गई थी और इसकी शूटिंग 2022 में ही पूरी हो गई थी। वहीं अब फिल्म की रिलीज होने की खबर सामने आई है। भक्षक में भूमि के अलावा एक्टर संजय मिश्रा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म 2 घंटे 16 मिनट 47 सेकंड लंबी है। बता दें फिल्म अगले कुछ महीनों में रिलीज होगी और फिल्म मार्च के अंत या अप्रैल तक रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भक्षक बिहार के विवादित मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केस पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म शुरू होने से पहले संतोष सिंह और बालिका गृह कांड पर किये गये उनकी खबरों के बारे में भी कुछ देर दिखाया जाएगा। सत्य घटना पर आधारित फिल्म के बारे में जानने के लिये मेकर्स ने जर्नलिस्ट संतोष सिंह को मुंबई बुलाकर इससे जुड़ी हर जानकारी ली थी।

भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे प्रभास

फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर के बाद बाहुबली अभिनेता प्रभास अपनी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। जब से निर्माताओं ने इस फिल्म की पहली झलक साझा की है, तभी से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास का किरदार भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि से प्रेरित बताया जा रहा है। इस फिल्म में कल्कि अवतार के बाद वह एक और आने वाली फिल्म में भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। बीते साल रिलीज फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास भगवान श्रीराम का रूप भी धर चुके हैं। अभिनेता प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी 12 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म की रिलीज डेट टल गई है। और, जल्द ही फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा होगी। फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर की जबरदस्त कामयाबी के बाद एक बार फिर प्रभास की फिल्मों को लेकर उनके फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। दर्शक उनकी फिल्म सलार 2 को भी देखने के लिए काफी उत्सुक दिख रहे है। इस फिल्म को लेकर प्रभास इस बात का खुलासा कर चुके है कि इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मिली जानकारी के अनुसार सालार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व में यह दिखाया जाएगा कि शौरांग वह कबीला है, जो प्रभास के किरदार देवा से जुड़ा है जिसमें देवा यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि कैसे वरदा उसका दुश्मन बन गया? वरदा का किरदार पृथ्वीराज सुकुमारन ने निभाया है।